THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 317 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.11 2081 शनिवार, 8 फरवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मुडा केस में सिद्धारमैया को राहत

बेंगलूरू, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुडा मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को बड़ी राहत मिली है। दरअसल, कर्नाटक हाईकोर्ट ने मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण एजेंसी (सीबीआई) से कराए जाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है।

याचिका स्नेहमयी कृष्णा की ओर से लगाई गई थी। कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड में लाए गए दस्तावेजों से ऐसी बिल्कुल भी प्रतीत नहीं होता है कि लोकायुक्त की ओर से की जा रही जांच में कोई लापरवाही बरती जा रही है। जांच में पक्षपात, एकतरफा या गलत दिशा में जाने के भी कोई सबूत नहीं हैं। ऐसे में मामले को सीबीआई को सौंपने का कोई औचित्य नहीं है। इसलिए याचिका खारिज की जाती है।

'किस-किस को मिला ऑफर'

केजरीवाल को 15 करोड़ के दावे पर एसीबी का नोटिस, पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव मतगणना से पहले राजधानी में सियासी पारा गरमा गया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि उनके उम्मीदवारों से भाजपा संपर्क कर रही है और 16 प्रत्याशियों को 15-15 करोड़ रुपये लेकर भाजपा में शामिल होने के लिए कहा गया है। इसके बाद भाजपा ने दिल्ली के उपराज्यपाल को पत्र लिखकर शिकायत की।

एलजी ने आप के इन आरोपों की जांच के आदेश दिए। एसीबी इस मामले की जांच में जुट गई। एसीबी की एक टीम अरविंद केजरीवाल के घर जा पहुंची और काफी देर बाहर खड़े रहने के बाद वापस लौट गई। इस बीच एसीबी की टीम ने पूछताछ के लिए केजरीवाल को नोटिस जारी किया है। नोटिस में पूछा गया है कि किस-किस को 15 करोड़ रुपये का ऑफर मिला है उनके नाम बताएं। नोटिस उन सभी 16 उम्मीदवारों की जानकारी मांगी है, जिसने पास ऑफर का फोन आया था।

'नोटिस का जवाब हम देंगे'

आप पार्टी के लीगल हेड संजीव नासियार ने कहा कि पिछले 1.5 घंटे से भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम यहां पर बैठी हुई थी। जब वे यहां आए तब उनके पास न कोई स्टैंप थी, न कोई पेपर था और न ही कोई नोटिस था। उन्होंने ऊपर से निर्देश लिए और 1.5 घंटे में नोटिस बाहर से तैयार होकर मंगवाया गया। वे नोटिस तामील करके गए हैं जिसका हम जवाब देंगे।

'भाजपा इस देश की सबसे भ्रष्ट पार्टी'

आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा इस देश की सबसे भ्रष्ट पार्टी है। भाजपा विधायकों की खरीद करने वाली और तोड़-फोड़ करने वाली पार्टी है। उन्होंने (भाजपा) महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश की सरकार गिराई, क्या उनके बारे में आपको प्रमाणपत्र चाहिए कि वे भ्रष्ट पार्टी नहीं है? हमने उस पूरे मामले की शिकायत खुद से दी है और जांच की मांग की है। हमने वो नंबर दिया है जिससे फोन आया था। उसकी जांच की जाए।

सेना ने 7 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने 7 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया है। इनमें 3 पाकिस्तानी आर्मी के जवान भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि घटना 4 फरवरी की रात पुंछ जिले में कृष्णा घाटी के पास हुई, जब एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश की गई।

सूत्रों का दावा है कि भारतीय सेना की फॉरवर्ड पोस्ट पर हमले की प्लानिंग थी। इसकी सूचना इंडियन आर्मी को मिली और उन्होंने पहले ही हमला कर साजिश को नाकाम कर दिया। घुसपैठ के दौरान मारे गए 7 लोगों में 3-4 पाकिस्तान की बॉर्डर एक्शन टीम (बीएटी) के मेंबर्स की भी मौत हो गई। यह टीम क्रॉस बॉर्डर ऑपरेशन में माहिर होती है। >14

महाराष्ट्र चुनाव के परिणामों में हेराफेरी की गई : राहुल

> ईसीआई बोला-लिखित में जवाब देंगे

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) सांसद सुप्रिया सुले और शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) सांसद संजय राउत के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के डिप्टी स्पीकर हॉल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राहुल ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि चुनाव परिणामों में हेराफेरी की गई है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के तुरंत बाद ही चुनाव आयोग की ओर से भी प्रतिक्रिया जारी कर दी गई। उन्होंने ट्वीट कर बताया, चुनाव आयोग राजनीतिक दलों को प्राथमिकता वाले हितधारकों के रूप में मानता है। बेशक मतदाता सबसे अहम होता है और राजनीतिक दलों से आने वाले विचारों, सुझावों और सवालों को भी बहुत महत्व दिया जाता है। आयोग पूरे देश में समान रूप से अपनाए गए पूर्ण तथ्यात्मक और प्रक्रियात्मक मैट्रिक्स के साथ लिखित रूप में जवाब देगा। राहुल गांधी ने कहा कि हम इस टेबल पर महाराष्ट्र में पिछला चुनाव लड़ने वाले पूरे विपक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। हम चुनाव के बारे में कुछ जानकारी लाने जा रहे हैं। हमने विवरण का अध्ययन किया है- मतदाताओं और मतदान सूची का। हमारी टीमें काम कर रही हैं। हमें कई अनियमितताएं मिली हैं।

राहुल ने कहा, हम चुनाव आयोग से कह रहे हैं कि हमें गड़बड़ी मिल रही है। हमें महाराष्ट्र के मतदाताओं के नाम और पते वाली मतदाता सूची चाहिए। हमें लोकसभा चुनाव की मतदाता सूची चाहिए। हमें विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची चाहिए। हम यह समझना चाहते हैं कि ये नए नाम कौन-कौन से हैं। बहुत सारे मतदाता हैं, जिनके नाम हटा दिए गए हैं। एक बूथ के मतदाता दूसरे बूथ पर स्थानांतरित कर दिए गए हैं। इनमें से ज्यादातर मतदाता दलित समुदायों, आदिवासी समुदायों और अल्पसंख्यक समुदायों से आते हैं।

मोदी 12 फरवरी से अमेरिकी दौरे पर

नई दिल्ली/वॉशिंगटन, 7 फरवरी (एजेंसियां)। पीएम मोदी 12 और 13 फरवरी को अमेरिका दौरे पर रहेंगे। वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के न्योते पर अमेरिका जा रहे हैं। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद मोदी की यह पहली मुलाकात होगी। मोदी फ्रांस की यात्रा खत्म करने के बाद 12 फरवरी की शाम को वाशिंगटन डीसी पहुंचेंगे। वे 14 फरवरी तक रहेंगे। पीएम इस दौरान अमेरिकी बिजनेसमैन और भारतवंशी समुदाय से भी मुलाकात कर सकते हैं। पीएम और राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच 27 जनवरी को बातचीत हुई थी। ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद यह पहली बार था जब दोनों ने बातचीत की थी। इस बातचीत के बाद ही ट्रम्प ने खुलासा किया था कि मोदी फरवरी में व्हाइट हाउस आ सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने पीएम मोदी से बातचीत के दौरान कहा था कि भारत को और ज्यादा अमेरिकी सुरक्षा उपकरण (सेफ्टी इक्विपमेंट्स) खरीदने चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा था कि अमेरिका और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार उचित तरीके से होना चाहिए। यानी कि ट्रम्प चाहते हैं कि व्यापार घाटा अमेरिका का नहीं होना चाहिए। भारत अमेरिका के बड़े निर्यातकों में से एक है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने 2023-24 में अमेरिका को 77.5 बिलियन डॉलर का सामान निर्यात किया था। वहीं, अमेरिका ने भारत को 42.2 बिलियन डॉलर का सामान बेचा था। ऐसे में अमेरिका का भारत के साथ व्यापार घाटा 35.3 बिलियन डॉलर का है। ट्रम्प इसी व्यापार घाटे को संतुलन में लाना चाहते हैं। कनाडा, मैक्सिको और चीन पर ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ के मद्देनजर, व्यापार पर बातचीत और भी ज्यादा अहम हो गई है। भारतीय पक्ष ने पहले ही अमेरिका से ज्यादा से ज्यादा एनर्जी खरीदने की इच्छा जताई है।

अमेरिका 487 और अवैध भारतीय प्रवासियों को भारत भेजेगा

सरकार को 298 की जानकारी दी गई, विदेश मंत्रालय ने कहा हमने दुर्व्यवहार का मुद्दा उठाया

वॉशिंगटन, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिकी बॉर्डर पेट्रोल चीफ माइकल बैंक के एक्स हैंडल पर शेयर वीडियो में लोगों के हाथ-पैर में बेड़ियां दिख रही हैं। विदेश मंत्रालय में शुक्रवार को कहा कि अमेरिका ने 487 अवैध अप्रवासी भारतीयों को भारत भेजने के लिए चिह्नित किया है। इनमें से 298 लोगों के बारे में जानकारी दी गई है। इससे पहले 4 फरवरी को 104 अवैध अप्रवासी भारतीयों को भारत डिपोर्ट किया गया था। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि आगे इस बात का ख्याल रखा जाएगा कि भारतीयों को भेजते वक्त कोई दुर्व्यवहार नहीं होना चाहिए। ऐसा कोई भी मामला हमारे सामने आएगा तो हम उसे अमेरिका के सामने उठाएंगे। मिस्री ने बताया कि भारतीयों को 4 फरवरी को भारत भेजते वक्त उन्हें हथकड़ी और बेड़ियां पहनाने के मुद्दे को अमेरिकी अधिकारियों के सामने उठाया है। उन्होंने कहा कि निर्दोष लोगों को गुमराह करके अवैध तरीके से अमेरिका भेजना कैंसर जैसी बीमारी है। ऐसा करने वालों पर केस होना चाहिए। विदेश सचिव ने कहा कि डिपोर्टेशन कोई नई बात नहीं है। इस बारे में विदेश मंत्री ने भी कल संसद में बताया था। >14

कलकत्ता हाईकोर्ट में सीबीआई की याचिका मंजूर

कोलकाता, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को आरजी कर रेप-मर्डर केस से जुड़े मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका खारिज कर दी और सीबीआई की याचिका स्वीकार कर ली। दोनों ने दोषी संजय रॉय को निचली अदालत से मिली आजीवन कारावास की सजा को चुनौती दी थी। दोनों याचिकाओं में संजय के लिए मृत्युदंड की मांग की गई थी।

जस्टिस देबांगसु बसाक और एमडी सब्बार रशीदी की बेंच ने बंगाल सरकार से कहा कि राज्य सरकार के पास सजा-ए-मौत देने की मांग का अधिकार नहीं है।

कारगिल युद्ध से जुड़ी याचिका पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कारगिल युद्ध से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। यह याचिका सेना के एक पूर्व अधिकारी ने दायर की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कारगिल युद्ध के दौरान सेना द्वारा कुछ लापरवाही की गई।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कुछ चीजें हैं, जिनमें न्यायपालिका को नहीं घुसना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह कार्यपालिका से जुड़ा मामला है और इस पर सुनवाई से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा, न्यायपालिका आम तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सुनवाई नहीं करती।

1999 में कारगिल युद्ध में जो हुआ, यह कार्यपालिका से संबंधित मामला है। पीठ ने पूर्व सैन्य अधिकारी मनीष भटनागर द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए ये बात कही। याचिका में पूर्व सैन्य अधिकारी ने आरोप लगाया कि कारगिल में पाकिस्तानी सेना की घुसपैठ के बारे में उन्होंने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि होने से पहले ही जानकारी दे दी थी। >14

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा को झटका

हाईकोर्ट ने पॉक्सो केस खारिज करने से किया इनकार

बंगलूरू, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा को कर्नाटक हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। बता दें कि, हाईकोर्ट ने एक नाबालिग से यौन उत्पीड़न के मामले में उनके खिलाफ दर्ज पॉक्सो केस को खारिज करने से मना कर दिया है और मामले को ट्रायल कोर्ट में वापस भेज दिया। लेकिन इसके साथ ही उन्हें आंशिक राहत देते हुए उच्च न्यायालय ने उन्हें अग्रिम जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना, जिन्होंने पहले येदियुरप्पा को गिरफ्तारी के खिलाफ अंतरिम संरक्षण दिया था, ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुनाया।

येदियुरप्पा पर क्या लगे हैं आरोप?

बीएस। येदियुरप्पा पर भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के साथ-साथ बाल यौन अपराध संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह मामला पिछले साल 14 मार्च को 17 वर्षीय एक लड़की की मां की शिकायत पर दर्ज किया गया था। महिला ने आरोप लगाया था कि येदियुरप्पा ने दो फरवरी को यहां डॉलर्स कॉलोनी में अपने आवास पर एक भेंट के दौरान उसकी बेटी का यौन उत्पीड़न किया था। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने नाबालिग के यौन उत्पीड़न के लिए पोक्सो अधिनियम की धारा 8 और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 (ए) के तहत येदियुरप्पा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।

सुनवाई के दौरान क्या दिए गए तर्क?

इस मामले की सुनवाई के दौरान, येदियुरप्पा के वकील ने आरोपों से इनकार करते हुए तर्क दिया कि मां और बेटी ने पहले भी एक पुराने मामले के संबंध में उनसे संपर्क किया था जिसमें लड़की का किसी अन्य व्यक्ति की तरफ से यौन उत्पीड़न किया गया था। हालांकि, राज्य अभियोजन पक्ष ने दावों का खंडन करते हुए तर्क दिया कि येदियुरप्पा के खिलाफ पर्याप्त सबूत है और नाबालिग का यौन उत्पीड़न करने का आरोप एक 'जघन्य' अपराध है जिसके लिए मुकदमा चलाया जाना चाहिए। हाईकोर्ट के फैसले से संज्ञान आदेश को रद्द करके येदियुरप्पा को राहत मिली है, लेकिन मामले की जांच जारी है और ट्रायल कोर्ट में आगे की कार्रवाई होगी। वरिष्ठ अधिवक्ता सीवी नागेश ने येदियुरप्पा का प्रतिनिधित्व किया, जबकि विशेष सरकारी वकील प्रोफेसर रविवर्मा कुमार और अधिवक्ता एस बालन शिकायतकर्ता के परिवार की ओर से पेश हुए।

कानून व्यवस्था को लेकर पटवारी ने सीएम को लिखा पत्र,बोले-थर्ड डिग्री सिक्योरिटी में गुंडे पुलिस को पीट रहे

भोपाल, 7 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होने कहा है कि प्रदेश के महानगर और औद्योगिक नगरी इंदौर में थर्ड डिग्री की सिक्योरिटी होने के बावजूद इंदौर में गुंडागर्दी का आलम यह है कि वहां गुंडे सरेराह पुलिस के साथ अभद्रता और मारपीट कर उन्हें प्रताड़ित करने का अमानवीय और आपराधिक कृत्य कर रहे हैं। पटवारी ने लिखा कि मप्र की औद्योगिक राजधानी इंदौर में बदमाशों ने पुलिस सब इंस्पेक्टर को पीट दिया! इस घटना ने एक बार फिर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठा दिया है। इसके पहले मध्य प्रदेश पुलिस पर हुए लगातार हमले भी प्रदेश की कानून व्यवस्था की पोल खोलते रहे हैं। प्रदेश में अपराधियों और माफियाओं का दुस्साहस इतना बढ़ गया है कि वे खुलेआम पुलिस पर हमला कर रहे हैं। पुलिसकर्मी स्वयं असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, जिससे आम नागरिकों की सुरक्षा का अंदाजा लगाया जा सकता है।

1984 सिख दंगे: कांग्रेस के पूर्व एमपी सज्जन के खिलाफ दंगे के मामले में फैसला टला, कोर्ट ने तय की 12 फरवरी

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार के खिलाफ एक मामले में फैसला टाल दिया है। कोर्ट ने मामले में फैसला 12 फरवरी को सुनाने की तारीख तय की है। यह मामला एक नवंबर 1984 को सरस्वती विहार इलाके में पिता-पुत्र की हत्या से जुड़ा है। सज्जन कुमार दिल्ली कैंट में सिख विरोधी दंगों के एक अन्य मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। यह मामला एक नवंबर, 1984 को सरस्वती विहार इलाके में जसवंत सिंह और उसके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या से जुड़ा है। अधिवक्ता अनिल शर्मा ने दलील दी थी कि सज्जन कुमार का नाम शुरू से ही नहीं था, इस मामले में विदेशी भूमि का कानून लागू नहीं होता और गवाह द्वारा सज्जन कुमार का नाम लेने में 16 साल की देरी हुई। यह भी कहा गया कि सज्जन कुमार को दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा दोषी ठहराए जाने वाले मामले की अपील सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है।

देश का कानून लागू होगा, न कि अंतरराष्ट्रीय कानून

अधिवक्ता अनिल शर्मा ने वरिष्ठ अधिवक्ता एच एस फुल्का द्वारा उद्धृत मामले का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा कि असाधारण स्थिति में भी देश का कानून लागू होगा, न कि अंतरराष्ट्रीय कानून। अतिरिक्त लोक अभियोजक मनीष रावत ने प्रतिवाद में कहा कि आरोपी को पीड़िता नहीं जानती थी। जब उसे पता चला कि सज्जन कुमार कौन है, तो उसने अपने बयान में उसका नाम लिया।

'दंगों के मामलों में पुलिस जांच में हेराफेरी की गई थी'

इससे पहले वरिष्ठ अधिवक्ता एच एस फुल्का दंगा पीड़ितों की ओर से पेश हुए थे और उन्होंने तर्क दिया था कि सिख दंगों के मामलों में पुलिस जांच में हेराफेरी की गई थी। पुलिस जांच धीमी थी और आरोपियों को बचाने के लिए की गई थी। यह तर्क दिया गया कि दंगों के दौरान स्थिति असाधारण थी। इसलिए, इन मामलों को इसी संदर्भ में निपटाया जाना चाहिए। वहीं, बहस के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता एच एस फुल्का ने दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले का हवाला दिया और कहा कि यह कोई अलग मामला नहीं था, यह एक बड़े नरसंहार का हिस्सा था। इसके अलावा यह भी तर्क दिया गया कि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 1984 में दिल्ली में 2700 सिखों की हत्या की गई थी।

छुट्टी न मिलने पर बंगाल के शख्स ने सहकर्मियों पर चाकू से हमला किया, फिर हथियार लेकर घूमता रहा

कोलकाता, 7 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के एक सरकारी कर्मचारी ने छुट्टी न मिलने पर अपने कम से कम चार सहकर्मियों पर चाकू से हमला कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान अमित कुमार सरकार के रूप में हुई है। वह कोलकाता के न्यूटाउन इलाके में कारीगरी भवन के तकनीकी शिक्षा विभाग में काम करता था। सरकार ने अपने सहकर्मियों पर चाकू से हमला किया और फिर हथियार लेकर शहर में घूमता रहा। खून से भीगा हुआ चाकू हाथ में लेकर शहर में घूमते हुए उसका एक वीडियो सामने आया है। इसमें वह दिनदहाड़े पीठ पर एक बैग और हाथ में दूसरा बैग लेकर घूमता हुआ दिखाई दे रहा है। कुछ राहगीरों को अपने मोबाइल फोन पर आरोपी का वीडियो बनाते हुए देखा जा सकता है। इस दौरान सरकार ने लोगों से पास न आने को कह रहा है और उन्हें डरा रहा है।

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के खिलाफ 'ऑपरेशन टाइगर'

पार्टी में हो सकती है बड़ी फूट, इस मंत्री ने किया बड़ा दावा

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) में बड़ी फूट पड़ सकती है। उद्धव की सेना के कई विधायक, सांसद और पूर्व विधायक पार्टी छोड़कर एकनाथ शिंदे की शिवसेना से हाथ मिला सकते हैं। महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने दावा किया है कि उद्धव ठाकरे के कई विधायक, सांसद, पूर्व विधायक एवं पूर्व सांसद डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन टाइगर' 3 महीने के अंदर सफल होगा।

जल्द ही उद्धव ठाकरे का साथ छोड़ेंगे कई विधायक

उदय सावंत ने कहा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में जो काम हुआ है उससे लोगों को यह महसूस हो गया है कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में काम करना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि अगले तीन महीने में जो पूर्व विधायक उद्धव ठाकरे के पार्टी में हैं वे जल्द ही उद्धव ठाकरे के नेतृत्व छोड़कर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व को अपना लेंगे।

कांग्रेस वाले पहले खुद को देखें

क्या एकनाथ शिंदे नाराज चल रहे हैं इसका उत्तर देते हुए महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री ने कहा कि एकनाथ शिंदे नाराज हैं कि नहीं हैं उस पर विपक्ष को एनालिसिस करने के बजाय जो लोग मुख्यमंत्री बनने जा रहे थे, उनका हाल क्या है, वह सोचना चाहिए। एकनाथ शिंदे सीएम की मीटिंग में क्यों शामिल नहीं हुए था खुलासा खुद सीएम ने कर दिया है। कांग्रेस वालों को खुद को देखना चाहिए।

लाडली बहन योजना ने विपक्ष को किया कंगाल

क्या एकनाथ शिंदे नाराज चल रहे हैं? इसका उत्तर देते हुए महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री ने कहा कि, एकनाथ शिंदे ने 2 दिन पहले जो मीटिंग थी, उसमें क्यों शामिल नहीं हुए, उस पर मुख्यमंत्री ने खुद खुलासा कर दिया है, कांग्रेस वालों को खुद को देखना चाहिए। वहीं विपक्ष के इस आरोप पर कि लाडली बहन योजना महाराष्ट्र को कंगाल कर दिया है, उदय सावंत ने कहा कि विपक्ष को ही मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना ने कंगाल किया है, इसलिए यह आरोप प्रत्यारोप शुरू है।

खाना खाने के बाद कस्तूरबा गांधी छात्रावास की छात्राओं की तबीयत बिगड़ी अस्पताल में कराया भर्ती

उज्जैन, 7 फरवरी (एजेंसियां)। उज्जैन जिले के नागदा के आदिम जाति कल्याण विभाग के छात्रावास में खाना खाने के बाद कई छात्राएं बीमार हो गईं। इनमें से कुछ को देर रात नागदा के जनसेवा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से एक छात्रा को गंभीर हालत में इंदौर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार, रात में छात्राओं ने भोजन किया और अपने-अपने कमरों में चली गईं। कुछ देर बाद कई छात्राओं को पेट दर्द और उल्टी की शिकायत होने लगी, जिससे छात्रावास में हड़कंप मच गया। बीमार छात्राओं को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। इसकी सूचना मिलते ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और प्रशासन भी रात में ही अस्पताल पहुंच गए। बताया जा रहा है कि पांच छात्राओं की तबीयत ज्यादा खराब हुई थी। इस घटना के बाद औषधि विभाग की जिला मुख्यालय टीम नागदा पहुंची और छात्रावास की जांच की। टीम ने करीब 11 खाद्य सामग्री के नमूने लिए हैं, जिन्हें जांच के लिए भेजा जाएगा।

बरेली में मांझा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 3 के चीथड़े उड़े: मालिक का हाथ कटकर 5 फीट दूर गिरा

बरेली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बरेली में मांझा फैक्ट्री में ब्लास्ट हो गया। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। फैक्ट्री मालिक का हाथ कटकर 5 फीट दूर जा गिरा। दो मजदूरों के चीथड़े उड़ गए। हादसा इतना भीषण था कि फैक्ट्री की दीवार ढह गई। आसपास का इलाका थर्रा गया। लोगों को लगा कि भूकंप आया है। डरकर बाहर निकले तो हादसा देखकर कांप गए। किसी का हाथ तो किसी का पैर कटकर अलग हो गया था। फैक्ट्री मालिक अतीक रजा (45) और मजदूर सरताज (24) की मौत हो गई थी। मजदूर फैजान (29) तड़प रहा था। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। हादसा किला थाना के बाकरगंज मोहल्ले में शुक्रवार सुबह हुआ। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में मांझे के लिए शीशे की ग्राइंडिंग का काम चल रहा था, तभी अचानक से ब्लास्ट हुआ।

विस्फोट इतना जोरदार था कि डर गए

सरताज की मौसी गुड़िया ने बताया- कारखाने में सुबह मांझे के शीशे की ग्रांड के साथ एक धमाका हुआ। हम लोग डर गए। भागकर मौके पर पहुंचे। देखा तो सरताज बुरी तरह से घायल था। आनन-फानन में हम उसे अस्पताल ले गए। जहां उसकी मौत हो गई। सीओ संदीप कुमार ने बताया- हमें इस बात की सूचना मिली थी कि घर में सिलेंडर फटा है। इसमें तीन लोगों की मौत हो चुकी है। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची। यहां पता चला कि सिलेंडर ब्लास्ट नहीं हुआ है। सीओ ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि गंधक और पोटाश शीशे के पाउडर के साथ केमिकल बनाते समय ब्लास्ट हुआ। फिल्ड यूनिट मौके पर आ रही है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। धमाके के कारणों का पता लगाया जा रहा है। बाकरगंज माझा बनाने का एक बड़ा हब है। इस तरह की यह पहली घटना संज्ञान में आ रही है।

नवी मुंबई में 200 करोड़ रुपये के ड्रग्स पकड़ाए

एनसीबी ने बताया- 'कूरियर सेवाओं के जरिए होती थी डिलीवरी'

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने महाराष्ट्र के नवी मुंबई शहर से लगभग 200 करोड़ रुपये के ड्रग्स बरामद किए हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने एक ड्रग सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है और चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों के पास से बड़ी मात्रा में कई प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किए गए हैं। शुक्रवार को एक अधिकारी ने पूरे ड्रग सिंडिकेट का खुलासा किया। एनसीबी की मुंबई क्षेत्रीय इकाई के एक अधिकारी के अनुसार, विदेश में रहने वाले लोगों का एक समूह सिंडिकेट चला रहा है और जब्त की गई कुछ दवाएं कूरियर या छोटी कार्गो सेवाओं और मानव वाहकों के माध्यम से अमेरिका से मंगाई गई थीं। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया भेजे जाने वाले एक पार्सल से 200 ग्राम कोकीन जब्त की और नवी मुंबई में ड्रग के स्रोत का पता लगाकर सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया। गिरोह के सदस्य अपनी रोजमर्रा की बातचीत में नशीली दवाओं के कारोबार के लिए छद्म नामों का इस्तेमाल करते थे। अधिकारी ने बताया कि गिरोह के आगे-पीछे के संबंधों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। अमेरिका,ऑस्ट्रेलिया से भारत तक फैले इस ड्रग्स रैकेट में अब तक चार गिरफ्तारियां हुई हैं। अधिकारी ने कहा कि एनसीबी ने पिछले हफ्ते नवी मुंबई से लगभग 200 करोड़ रुपये मूल्य की 11. 54 किलोग्राम "बहुत उच्च गुणवत्ता वाली" कोकीन, हाइड्रोपोनिक खरपतवार और 200 पैकेट (5. 5 किलोग्राम) भांग की गमियां जब्त कीं। इस बरामदगी के सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 11.540 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाला कोकीन, 4.9 किलोग्राम हाईब्रिड स्ट्रेन हाइड्रोपोनिक , 200 पैकेट (5.5 किलोग्राम) कैनबिस गमियां जब्त किया गया है।

एनसीबी की यह जांच मुंबई में एक अंतरराष्ट्रीय कूरियर एजेंसी से बरामद हुए एक पार्सल से शुरू हुई थी, जिसे ऑस्ट्रेलिया भेजा जाना था। एसीपी ने बड़ी मात्रा में होने वाली सप्लाई को नवी मुंबई में ट्रैक किया। जांच के दौरान यह भी पता चला कि इस सिंडिकेट से जुड़े हुए लोग विदेश में बैठे हुए हैं। इस गिरोह में शामिल लोग एक दूसरे को नहीं जानते। फिलहाल एक तरफ जहां चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, वहीं इस केस से जुड़े हुए अन्य जानकारी पर जांच एजेंसी द्वारा काम किया जा रहा है।

समझदार रात 10 बजे के बाद बाहर नहीं निकलते, आपको बाहर जाने का स्वाद मिल गया- लोगों की पिटाई पर बोले दारोगा

फिरोजपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के फिरोजपुर के एक थाना प्रभारी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियों में थाना प्रभारी मारपीट के पीड़ितों को समझाते हुए दिखाई दे रहे हैं। थाना प्रभारी लोगों को समझा रहे हैं कि समझदार लोग रात को 10 बजे के बाद बाहर नहीं निकलते। इस पर लोग भड़क उठे और बोले कि अगर घर के बाहर किसी का खून हो जाए, तो भी घर में ही बैठे रहे क्या? थाना प्रभारी लोगों को शांत करने लिए फिर कहते हैं कि रात के समय में आप लोग घर से बाहर क्यों आए थे। आधी रात को घर से बाहर न आएं। घर के अंदर रहकर सुरक्षित रहें। इस पर लोगों ने घर के बाहर मर्डर होने की बात कही कि किसी का कत्ल अगर घर के बाहर हो जाए तो क्या घर में बैठकर तमाशा देखें। इस पर थाना प्रभारी कहते हैं कि तो बाहर आकर आप लोगों ने बाहर आने का स्वाद चख लिया।

गुजरात में दलित दूल्हे की घुड़चढ़ी के लिए 145 पुलिसकर्मी बने बाराती

इंस्पेक्टर ने खुद चलाई कार, चर्चा में है शादी

बनासकांठा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के बनासकांठा जिले में दलित वकील मुकेश परेचा ने घोड़ी पर बैठकर अपनी शादी की बारात निकाली। इलाके में किसी दलित परिवार में घुड़चढ़ी का यह पहला मौका था। इस बारात की सुरक्षा के लिए 145 पुलिसकर्मी मौजूद रहे। बाद में वडगाम के विधायक जिग्नेश मेवाणी के साथ पुलिस अफसरों ने दूल्हे की गाड़ी ड्राइव की। हालांकि घोड़ी के उतरकर कार पर चढ़ने के दौरान किसी ने उनकी कार पर पत्थर फेंका। दूल्हे परेचा ने कहा कि वह एक-दो दिन में इसकी शिकायत देंगे।

बनासकांठा ज़िले के पालनपुर तहसील के गडलवाड़ा गांव में गुरुवार को एक अनोखी शादी देखने को मिली। यह शादी आम शादियों से बिल्कुल अलग थी। दूल्हे मुकेश परेचा अपनी शादी में घुड़चढ़ी की रस्म करना चाहते थे। इलाके के दबंगों ने दलितों की घुड़चढ़ी पर रोक लगा रखी थी। परेचा ने इस रस्म के लिए स्थानीय विधायक जिग्नेश मेवाणी और पुलिस से सुरक्षा मांगी। उन्होंने 22 जनवरी को बनासकांठा ज़िले के पुलिस अधीक्षक को एक आवेदन दिया। आवेदन में परेचा ने बताया कि उनके गांव में दलित कभी घुड़चढ़ी या वरघोड़ा नहीं निकालते हैं। मैं पहला व्यक्ति हूं जो वरघोड़ा निकालूंगा, जिसमें किसी अनहोनी की पूरी संभावना है। आपसे निवेदन है कि हमें पुलिस सुरक्षा प्रदान की जाए। पुलिस ने उनकी बरात की सुरक्षा के लिए 145 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई। खुद जिग्नेश मेवाणी भी पुलिस अफसरों के साथ बारात में शामिल हुए। बनासकांठा ज़िला अदालत में वकालत करने वाले परेचा ने कहा कि पुलिस सुरक्षा के बीच उनकी बारात निकली। जब वह घोड़े पर सवार थे, तब कुछ नहीं हुआ। लेकिन जब वह घोड़े से उतरे और अपनी कार में बैठे तो किसी ने उनकी गाड़ी पर पत्थर फेंक दिया। फिर पुलिस इंस्पेक्टर के। एम। वसावा ने खुद स्टेयरिंग थाम लिया। उनके साथ कार में वडगाम के विधायक जिग्नेश मेवाणी भी मौजूद थे।

महू के पास ट्रैवलर, बाइक और टैंकर में टक्कर, चार की मौत, 17 घायल

इंदौर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर के समीप मानपुर के भैरव घाट में शुक्रवार सुबह सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई,जबकि 17 से ज्यादा लोग घायल हो गए। कुछ घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा ट्रैवलर और टैंकर के बीच हुआ। ट्रैवलर में सवार यात्री महाकाल दर्शन कर कर्नाटक लौट रहे थे। हादसे में चार लोगों की मौत हुई है। इसमें दो कर्नाटक के निवासी बताए जा रहे है। पुलिस के अनुसार यह हादसा शुक्रवार को हुआ। तेज गति से आ रहे ट्रैवलर वाहन ने पहले दो बाइक सवार युवकों को टक्कर मारी।इसके बाद वह एक टैंकर में जा घुसा। टक्कर से बाइक सवार युवक उछल कर दूर जा गिरे और उनकी मौके पर ही मौत हो गए,जबकि ट्रैवलर वाहन में सवार दो महिला यात्रियों की जान भी चली गई। वाहन में सभी यात्री कर्नाटक के है। वे उज्जैन में महाकाल के दर्शन कर वापस लौट रहे थे। हादसा मानपुर के भैरव घाट में हुआ। वाहन में सवार अन्य यात्रियों को भी गंभीर चोट आई है। उन्हें इंदौर के एमवाय अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस हादसे में बाइक सवार निवासी हिमांशु और शुभम की मौत हो गई। दोनो महू क्षेत्र के ही निवासी है। घायलों में सविता पति तुकाराम, सुभाष रेन, तीरथ पिता रामचंद्र, श्रुति पिता अमर, सागर, भाव सिंह, शिव पिता श्रीकांत, बबीता पति फकीरा, मालती पति कृष्णा, सुनीता पति श्रीकांत, प्रशांत, लता, नीलू और बांगला वड़ियप्पा व अन्य घायल हुए है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रैवलर वाहन की गति बहुत ज्यादा थी। वह नियंत्रित नहीं हो पाया और बाइक को टक्कर मारने के बाद टैंकर में जा घुसा। वाहन के आगे का भाग क्षतिग्रस्त हो गया था। घायलों को खिड़की के शीशे तोड़कर बाहर निकाला गया।

भारतीयों के निर्वासन पर राउत ने सरकार को घेरा; टूट के दावों को उद्धव गुट के सांसदों ने किया खारिज

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शुक्रवार को अमेरिका से भारतीय प्रवासियों के निर्वासन को लेकर केंद्र की आलोचना की और तर्क दिया कि 'अमेरिका के विमान को उड़ान भरने और वापस जाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए थी।' उन्होंने सुझाव दिया कि भारत सरकार को अपने नागरिकों की सुरक्षा में अधिक मुखर भूमिका निभानी चाहिए थी। इस मामले में संजय राउत ने कहा, 'हमारे लिए, वे अपराधी नहीं हैं। उनके पैरों और हाथों की बेड़ियां हटा दी जानी चाहिए थीं। यह कानून का उल्लंघन था। अमेरिका के विमान को उड़ान भरने और वापस जाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए थी।'

'भारतीय हवाई क्षेत्र में कानून के अनुसार हो व्यवहार'

संजय राउत ने तर्क दिया कि एक बार जब ये व्यक्ति भारतीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गए, तो उनके साथ भारतीय कानूनों के अनुसार व्यवहार किया जाना चाहिए था, न कि अपराधियों के रूप में। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत सरकार को अपने नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए और अधिक कड़ा रुख अपनाना चाहिए था, भले ही उन्हें अमेरिका की तरफ से अवैध अप्रवासी माना गया हो।उन्होंने कहा, 'वे अमेरिका के लिए अवैध अप्रवासी थे। हालांकि, उनके विमान के भारतीय सीमा में प्रवेश करने के बाद भारतीय कानून लागू थे।' शिवसेना यूबीटी सांसद की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कुछ भारतीय नागरिकों को सख्त आव्रजन प्रवर्तन उपायों के तहत अमेरिका से निर्वासित किया गया था।

टूट के दावों को उद्धव गुट के सांसदों ने किया खारिज

इधर शिवसेना यूबीटी में टूट के दावों का खंडन करते हुए पार्टी के तमाम सांसदों ने एकजुटता दिखाई है। दिल्ली में सभी सांसदों प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक साथ देखे गए और एकता का प्रदर्शन किया। बता दें कि, कुछ रिपोर्ट में दावा किया जा रहा था कि, शिवसेना यूबीटी के छह सांसद एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होने वाले हैं।

'यूबीटी का एक भी सांसद कहीं नहीं गया'

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कहा, 'देश के सभी चैनल न्यूज रिपोर्ट चला रहे हैं, हम भी इसे देखकर दंग रह गए। इतने बड़े जनादेश के साथ सत्ता में आने के बावजूद सरकार ठीक से काम नहीं कर रही है। तो वे कैसे काम करेंगे? बस ये अफवाहें हैं। संसद में शिवसेना (यूबीटी) कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर हमारे यूबीटी के सभी 11 सांसद मौजूद थे। जब सब कुछ ठीक चल रहा है और उन पर आरोप लगाए जा रहे हैं, तो ये अफवाहें फैलाई जा रही हैं। हम सभी आपके सामने मौजूद हैं। यूबीटी का एक भी सांसद कहीं नहीं गया है। हम 100% शिवसेना (यूबीटी) के साथ हैं। हम आपको यही बताने आए हैं।'

तांत्रिक ने पति को वापस बुलाने का झांसा देकर महिला के साथ किया दुष्कर्म, बेटी को भी बनाया हवस का शिकार

गाजियाबाद, 7 फरवरी (एजेंसियां)। गाजियाबाद के लोनी कोतवाली क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहने वाली महिला के साथ तांत्रिक ने दुष्कर्म किया। पति के छोड़े जाने से परेशान होकर महिला तांत्रिक के संपर्क में आई थी। तांत्रिक ने महिला की नाबालिग बेटी के साथ भी दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। पीड़िता महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि कुछ समय पूर्व उसका पति उन्हें छोड़कर चला गया था। इस बात को लेकर वह परेशान थी। महिला अपने पति को वापस लाना चाहती थी। इस दौरान महिला आरोपी तांत्रिक के संपर्क में आ गई। तांत्रिक ने महिला को झांसा दिया कि वह उसके पति को वापस ले आएंगे। इसके बाद तांत्रिक ने मौका पाकर महिला के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।

सुविचार: स्वयं को ट्रस्टी समझकर चलो तो हल्केपन का अनुभव होगा

लाखों सरकारी कर्मचारियों ने वैज्ञानिक और कानूनी तरीके से जानकारी एकत्र की : पोन्नम

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हुस्नाबाद कैंप कार्यालय पर मीडिया से बातचीत करते हुए परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि तेलंगाना राज्य ने देश में एक प्रकार से जाति सर्वेक्षण कराया है। वर्ष 1931 में ब्रिटिश काल के दौरान तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा जाति सर्वेक्षण कराया गया। हमारे नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा में दिए वादे के मुताबिक कहा कि सत्ता में आने के लिए जाति सर्वेक्षण कराएंगे। तेलंगाना सरकार के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, उपसमिति के अध्यक्ष उत्तम कुमार रेड्डी, साथी कैबिनेट मंत्री, पीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ ने पार्टी की ओर से निर्णय लिया। 4 फरवरी, 2024 को कैबिनेट में एक प्रस्ताव पारित किया गया और 16 फरवरी, 2024 को हुस्नाबाद के एक बच्चे को कमजोर वर्ग के मंत्री के रूप में नियुक्त करने के लिए विधान सभा में एक प्रस्ताव पेश किया गया। निर्णय से लेकर रिपोर्ट तक 4 फरवरी, 2025 की अवधि के भीतर फिर से रिपोर्ट योजना विभाग द्वारा ली गई।

कमजोर समुदायों के मंत्री के रूप में, मैं प्रत्यक्ष भागीदार हूं। कैबिनेट के फैसलों को मंजूरी देने और प्लानिंग बोर्ड के साथ सर्वे के लिए सीएस और अन्य अधिकारियों ने कई बैठकें कीं। योजना बोर्ड सर्वेक्षण के लिए निगरानी, सूचना संग्रह के लिए 150 घरों के लिए एक समूह, पर्यवेक्षक, एक पर्यवेक्षक, राज्य स्तर पर निगरानी हैदराबाद के कलेक्टर संदीप सुल्तानिया द्वारा की गई थी। एक लाख सरकारी कर्मचारियों ने जुटाई जानकारी। 12 मिलियन घरों का दोबारा सर्वे किया गया। इस पर विधान सभा में चर्चा हो, जाति सर्वेक्षण की जानकारी देने वाले लोग बोलें तो सार्थक होगा। केसीआर, केटीआर, हरीश राव आपने जानकारी नहीं दी। आपने विरोध किया और विधानसभा से बहिर्गमन किया। आपका कमजोर वर्ग पर क्या अधिकार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बंटवारा अच्छी परंपरा नहीं है। आप धर्म के नाम पर देश में उत्पात मचाते हैं और वोट की राजनीति करते हैं। अगर राम मंदिर बनता है तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। राम मंदिर का इस्तेमाल चुनाव के लिए किया जाएगा। आपको कमजोर वर्गों के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है। बीसी के बुद्धिजीवियों की एसोसिएशनों और पढ़े-लिखे लोगों से बात हो चुकी है। हैदराबाद जाकर मिलेंगे। यह जाति सर्वेक्षण 1931 में किया गया था। जनगणना 2011 में हुई थी। कोरोना के कारण 2021 में होनी थी। अब राहुल गांधी जनगणना में बीसी लेना चाहते हैं तो पूछते हैं कि आपकी जाति क्या है। राहुल गांधी कहते हैं कि 50 फीसदी आरक्षण हटा दिया जाएगा। सबके साथ न्याय होगा। 56 फीसदी बीसी का हिसाब मिल गया है? क्या हम रोड मैप मांगेंगे और सब प्लान मांगेंगे, फंड आवंटित करेंगे और मांगेंगे? अभी तक कोई जातिगत सर्वे नहीं हुआ है।

अब तक कोई नंबर नही, अब नंबर हैं। जब केसीआर सत्ता में थे तब बीसी का कोई दबदबा नहीं था। क्या आप केसीआर का जाति सर्वेक्षण करना चाहते हैं? एमबीसी को 1000 करोड़ दिए गए लेकिन 10 करोड़ भी खर्च नहीं किए। उन्होंने कहा कि देशभर में होने वाले कार्यक्रम में राहुल गांधी तेलंगाना के रोल मॉडल हैं। 56 प्रतिशत बीसी का नक्शा तैयार करने के लिए तैयार हैं। लाखों सरकारी कर्मचारियों ने वैज्ञानिक और कानूनी तरीके से जानकारी एकत्र की।

हैदराबाद-रामागुंडम राजमार्ग पर 2 लोगों की मौत

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार तड़के सिद्दीपेट जिले के प्रज्ञापुर गांव में एक कार के खड़े ट्रक से टकराने से 2 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। कार चालक सड़क पर खड़े ट्रक को देखने में विफल रहा और उसमें जा घुसा, जिससे दो लोगों की तत्काल मौत हो गई। शुरूआती रिपोर्टों के अनुसार कार सवार गोदावरीखानी से हैदराबाद जा रहे थे। मृतकों की पहचान मुश्के बिनेश (28) के रूप में हुई है, जो एनटीपीसी में सुरक्षा पर्यवेक्षक के रूप में काम करता है और लिंगैया (48) पेशे से पेंटर है और न्यू पोरटपल्ली का निवासी है।

मंत्रिमंडल विस्तार पर अंतिम फैसला पार्टी हाईकमान लेगा : सीएम रेवंत

नई दिल्ली/ हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मंत्रिमंडल विस्तार पर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि नए सदस्यों को शामिल करने या कुछ को हटाने का अंतिम फैसला पार्टी हाईकमान द्वारा लिया जाएगा। शुक्रवार को नई दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी नेताओं के मामलों को कानून के अनुसार आगे बढ़ाया जाएगा और इस मामले में कोई भी व्यक्ति विशेष रूप से शामिल नहीं है। रेवंत रेड्डी ने कहा, राज्य सरकार सभी समस्याओं का यथासंभव स्थायी समाधान खोजने के लिए काम कर रही है। तेलंगाना में जाति जनगणना व्यापक और पारदर्शी तरीके से की गई है। उन्होंने आगे कहा कि टीपीसीसी कार्यकारी समिति का गठन पूरा हो गया है और एक या दो दिन में आधिकारिक घोषणा होने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें राहुल गांधी की नियुक्ति की आवश्यकता नहीं है क्योंकि उनके बीच घनिष्ठ संबंध हैं।

19 निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों ने फीस संशोधन से खींच लिए हाथ

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। निजी कॉलेजों में इंजीनियरिंग शिक्षा के परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव होने जा रहा है, जिसका संभावित छात्रों पर असर पड़ने की उम्मीद है। आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या में 19 की कमी आएगी। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि इन कॉलेजों ने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से शुरू होने वाले अगले तीन साल के ब्लॉक अवधि के लिए फीस संशोधन की मांग नहीं की थी।

तेलंगाना प्रवेश और शुल्क विनियामक समिति (टीएएफआरसी) द्वारा जारी अधिसूचना के जवाब में, शुल्क संशोधन के लिए निजी प्रबंधन से आवेदन आमंत्रित करते हुए, ब्लॉक अवधि 2022-25 में 176 के मुकाबले कुल 157 कॉलेजों ने आवेदन किया है। अधिसूचना के अनुसार, जो संस्थान अनुत्तरदायी हैं, या आय और व्यय का विवरण, ऑडिटेड बैलेंस शीट और अन्य विवरण प्रस्तुत नहीं करते हैं, उन्हें कोई शुल्क लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऐसे कॉलेजों को आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए छात्रों को प्रवेश देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सूत्रों ने कहा कि कॉलेज एआईसीटीई और संबद्ध विश्वविद्यालय से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद अगले वर्ष में क्रमिक रूप से बंद हो सकते हैं या शुल्क संशोधन की मांग कर सकते हैं। ऐसे कॉलेजों को केवल न्यूनतम शुल्क दिया जाएगा। केवल इंजीनियरिंग कार्यक्रम ही नहीं, कई निजी संस्थान अन्य व्यावसायिक कार्यक्रमों की पेशकश करने से कतरा रहे हैं। यह 62 व्यावसायिक कॉलेजों द्वारा अगले तीन साल की ब्लॉक अवधि के लिए शुल्क संशोधन से बाहर होने से स्पष्ट है। इस बार, 2022-2025 की अवधि के दौरान 1,291 के मुकाबले 1,229 कॉलेजों ने शुल्क संशोधन की मांग की। विवरण के अनुसार, शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम प्रदान करने वाले 13 निजी कॉलेजों ने आवेदन नहीं किया और इसी तरह एम.फार्मेसी शुल्क के लिए आठ फार्मेसी कॉलेजों ने भी आवेदन नहीं किया। कॉलेजों की आय और व्यय के अंतिम ऑडिट किए गए विवरण और बैलेंस शीट और तत्काल पिछले वर्षों की विकासात्मक जरूरतों, वेतन और बुनियादी ढांचे पर किए गए व्यय के विवरण आदि के आधार पर शुल्क संशोधित किया जाता है। सूत्रों ने कहा कि आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया समाप्त हो गई है।

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पिकेट में दादा-दादी दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री श्री केन्द्रीय विद्यालय पिकेट में दादा-दादी दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। प्राचार्य रूपिंदर सिंह और मुख्य अतिथि सरोज देवी ने अपनी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दादा-दादी द्वारा अपने पोते-पोतियों के जीवन को आकार देने और पीढ़ियों के बीच के बंधन को मजबूत करने में निभाई जाने वाली अमूल्य भूमिका का सम्मान करना था।समारोह की शुरूआत एक मंगलाचरण गीत से हुई, जिसके बाद छात्रों ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत कीं, जिनमें गीत, नृत्य और नाटक शामिल थे, जो दादा-दादी के प्रति प्रेम और सम्मान को दर्शाते थे। दादा-दादी को शामिल करने के लिए मजेदार खेल और गतिविधियां आयोजित की गईं, जिससे खुशी और हंसी के पल पैदा हुए। सराहना के प्रतीक के रूप में, स्कूल ने दादा-दादी को पुरस्कार प्रदान किए। कुछ दादा-दादी ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दादा-दादी के विचार थे, जिसमें उन्होंने बच्चों के साथ अपने जीवन के अनुभव, कहानियां और ज्ञान की बातें साझा कीं। प्रधानाचार्य रूपिंदर सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए युवा पीढ़ी को प्यार, ज्ञान और मार्गदर्शन प्रदान करने में दादा-दादी के महत्व पर जोर दिया।

एमएलसी ने जारी रखा अपना विरोध

कहा-वह कारण बताओ नोटिस से नहीं डरेंगे

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस एमएलसी टीनमार मल्लन्ना ने पार्टी हाईकमान के विरोध को जारी रखा और कहा कि वह तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) द्वारा जारी किए गए कारण बताओ नोटिस से नहीं डरेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि वह राज्य में पिछड़े वर्ग के लोगों की ओर से अपनी लड़ाई को और तेज करेंगे। तेलंगाना कांग्रेस की अनुशासन समिति ने बुधवार को एमएलसी को पार्टी के मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया था और 12 फरवरी से पहले स्पष्टीकरण मांगा था। उन्होंने पहले मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना की थी और सरकार द्वारा किए गए जाति सर्वेक्षण के मुद्दे पर पार्टी के खिलाफ विद्रोह का झंडा बुलंद किया था।

कांग्रेस एमएलसी राज्य सरकार द्वारा किए गए जाति सर्वेक्षण का जोरदार विरोध कर रहे हैं। उन्होंने जाति सर्वेक्षण को फर्जी सर्वेक्षण और पिछड़े वर्गों के अधिकारों को हड़पने की साजिश करार दिया। पिछले सप्ताह वारंगल में एक सार्वजनिक बैठक में उन्होंने एक समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उनकी टिप्पणियों और विभिन्न वर्गों की मांगों से नाराज जी चिन्ना रेड्डी की अध्यक्षता वाली पार्टी अनुशासन समिति ने एमएलसी को कारण बताओ नोटिस जारी किया। हालांकि, टीनमार मल्लन्ना अपनी बात पर अड़े रहे।

2025 की गर्मियों की शुरूआत में भीषण गर्मी पड़ने की संभावना

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी गर्मी के मौसम का शुरूआती हिस्सा, अप्रैल के पहले पखवाड़े तक, भीषण गर्मी पड़ने की संभावना है, हैदराबाद और तेलंगाना राज्य के लोगों को लू का सामना करना पड़ सकता है। शहर के मौसम पूर्वानुमानकर्ता टी बालाजी द्वारा शुक्रवार को जारी ग्रीष्म-2025 के प्रारंभिक पूर्वानुमान के अनुसार, फरवरी, मार्च और अप्रैल के पहले पखवाड़े सहित पहले तीन महीने तापमान के मामले में भीषण रहने की उम्मीद है।

अपने सटीक पूर्वानुमानों के लिए जाने जाने वाले मौसम के जानकार ने शुक्रवार को कहा कि 2025 की गर्मियाँ संभवतः 2017 की गर्मियों के समान होंगी। आंकड़ों के आधार पर, 2017 में, तेलंगाना राज्य में गर्मियां वास्तव में बहुत गर्म थीं और कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो इस क्षेत्र में भीषण लू का संकेत देता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद के अनुसार, 2017 में, 23 दिन हीटवेव वाले दिन थे और 2017 की गर्मियों का प्रभाव गंभीर था, जिसमें राज्य में हीट स्ट्रोक के कारण 108 से अधिक मौतें होने की रिपोर्ट है।

बालाजी ने कहा कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए, इस वर्ष कुल मिलाकर, फरवरी, मार्च, अप्रैल के पहले भाग में शुरूआती गर्मी गंभीर होगी और हीटवेव होगी। अप्रैल का दूसरा भाग और मई का पहला भाग कुछ बारिश के साथ बेहतर रहेगा। मई का आखिरी सप्ताह और जून का पहला सप्ताह फिर से गर्म होगा और हीटवेव होगी। मौसम पूर्वानुमानकर्ता ने बताया कि अच्छे मानसून के लिए, तेज गर्मी की जरूरत है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बालाजी ने कहा कि एक बात याद रखें, अच्छी मानसून बारिश पाने के लिए, हमें तेज गर्मी की जरूरत है क्योंकि इस साल मानसून के मौसम के दौरान ईएनएसओ लगभग तटस्थ रहेगा।

हैदराबाद पुलिस ने महिला को आत्महत्या करने से बचाया

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आपातकालीन समय में पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया हमेशा बहुत मायने रखती है। राचकोंडा पुलिस सीमा के अंतर्गत बालापुर पुलिस स्टेशन से जुड़े दो पुलिस कांस्टेबलों ने गुरुवार को एक महिला को बचाकर यह साबित कर दिया, जो लगभग खुद को फांसी लगाने वाली थी। पुलिस की डायल 100 सुविधा पर महिला के एक रिश्तेदार ने कॉल आने के बाद दोनों पुलिसकर्मियों की समय पर प्रतिक्रिया देखी, जिसमें बताया गया था कि महिला आत्महत्या करने की कोशिश कर रही है। नियंत्रण कक्ष द्वारा बालापुर मोबाइल गश्ती वाहन को अलर्ट भेजे जाने के बाद कांस्टेबल राजू रेड्डी और एस थारुन ने बिना सोचे-समझे घटनास्थल पर पहुंच गए। वहां, परिवार के सदस्यों ने उन्हें बताया कि 30 वर्षीय महिला, जो कथित तौर पर परेशान थी, ने खुद को घर में बंद कर लिया था और आत्महत्या करने की कोशिश कर रही थी। दो पुलिसकर्मी, जो खिड़की से उससे बात करने लगे और उसे शांत करने की कोशिश करने लगे, उसी समय कमरे का ताला तोड़कर अंदर घुस गए और उसे बचाया, जबकि वह छत के पंखे से दुपट्टे से खुद को लटकाने की कोशिश कर रही थी। पूरा घटनाक्रम कुछ ही मिनटों में खत्म हो गया, पुलिसकर्मी यह सुनिश्चित करने के बाद मौके से चले गए कि महिला सुरक्षित हाथों में है और वह शांत हो गई है। घटना के बारे में जानने पर, कॉलोनी के निवासियों और राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों की समय पर प्रतिक्रिया के लिए सराहना की, जिससे महिला की जान बच गई।

बिजनेस कॉन्फ्रेंस में जाएंगे केटीआर

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव को अमेरिका के इलिनोइस में नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी में केलॉग इंडिया बिजनेस कॉन्फ्रेंस (केआईबीसी)-2025 को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया है। 19 अप्रैल को होने वाले इस कार्यक्रम में वे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जहां वे तेलंगाना के औद्योगिक और स्टार्टअप इकोसिस्टम पर अपने विचार साझा करेंगे।

केआईबीसी के उपाध्यक्ष चाणक्य गोरेंटला ने अपने निमंत्रण में आईटी और उद्योग मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान तेलंगाना को औद्योगिक क्षेत्र में अग्रणी बनाने में रामा राव की भूमिका की सराहना की। उन्होंने टी-हब, टी-वर्क्स और वी-हब जैसी प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला, जिन्होंने तेलंगाना को नवाचार और उद्यमिता के लिए एक मॉडल के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में बिजनेस के छात्र तेलंगाना की तेजी से हो रही तकनीकी प्रगति और स्टार्टअप इकोसिस्टम से सीखने के लिए उत्सुक हैं।

सरकार स्कूली छात्रों को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने में सक्षम नहीं : केटीआर

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और केटीआर ने राज्य के सरकारी स्कूलों में मौजूदा खराब स्थितियों के लिए राज्य सरकार पर हमला किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार गरीब छात्रों के लिए मध्याह्न भोजन योजना को ठीक से लागू करने में सक्षम नहीं है। केटीआर ने गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध नहीं कराने और छात्रों को भूखे रखने के लिए कांग्रेस सरकार और सीएम रेवंत रेड्डी पर भी हमला किया। केटीआर ने एक्स प्लेटफॉर्म पर पूछा, अगर मुख्यमंत्री के अपने विधानसभा क्षेत्र में छात्र भूख से मर रहे हैं, तो राज्य के मंत्रियों के विधानसभा क्षेत्रों में क्या स्थिति होगी, यह स्पष्ट रूप से कहने की कोई जरूरत नहीं है। सीएम को केवल दिल्ली में पैसों की गड्डियां भेजने में दिलचस्पी है, लेकिन छोटे बच्चों को भोजन उपलब्ध कराने में कोई दिलचस्पी नहीं है। क्या यही जनता का शासन है। उन्होंने कहा कि कई अखबारों ने खबर दी है कि विकाराबाद जिले के कोडंगल निर्वाचन क्षेत्र के नचाराम में सरकारी स्कूल में मध्याह्न भोजन नहीं दिया जा रहा है और कहा कि ऐसी खबरें थीं कि बच्चों को ज्यादा खाना नहीं मिल रहा है क्योंकि शिक्षकों और मध्याह्न भोजन कर्मियों के बीच विवाद है। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्मचारी छात्रों को अल्प भोजन दे रहे हैं क्योंकि पिछले कुछ महीनों से उनके बिल का भुगतान नहीं किया गया है। पिछले कुछ दिनों से भोजन की खराब गुणवत्ता के कारण, छात्र अपने घरों में ही रहकर भोजन कर रहे हैं। इस बीच, शुक्रवार को स्कूल के प्रिंसिपल और मध्याह्न भोजन कर्मियों के बीच विवाद हो गया। गुरुवार को छात्रों को भोजन नहीं दिया गया। जब बच्चों ने अपने अभिभावकों को इस बारे में बताया तो वे भड़क गए। मामले की जानकारी मिलने पर डीईओ सीधे स्कूल पहुंचे और जांच की। प्रिंसिपल मिड डे मील वर्कर्स पर गंभीर हो गए, केटीआर ने कहा और इस मुद्दे से संबंधित विभिन्न समाचार पत्रों की कतरनों को अपने ट्वीट में संलग्न किया।

CLASSIFIEDS
WANTED
Wanted Female junior and senior beauticians. walk in interviews. Shivani herbal beauty parlour, first floor, Ashoka Scintilla ,above Mebaz , opposite Malabar showroom, Himayat Nagar Main Road. Ph - 9948925111,9948926111.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Head Office # 15-2-391/392/1, Siddiamber Bazar, Hyderabad - 500012
(T.A. No. 1439)
ISO 9001 : 2015 CERTIFIED BANK
www.agrasenbank.in
info@agrasenbank.in
अग्रसेन बैंक
Estd. 1998

NOTICE

Notice is hereby given that the 2nd General Body Meeting of the Shareholders of the Bank for the Financial Year 2024-2025, will be held on Sunday, 23rd February, 2025 at K.L.N Prasad Auditorium, FTCCI House, Red Hills, Hyderabad-500 004, T.G. at 11:00 A.M to transact the following items of the Agenda:

1. To review the membership and attendance of the Committee Members for the period from 01-08-2024 to 31-01-2025.
2. To approve admission of members, allotment of additional shares, transfer of shares, withdrawal and refund of Share Capital made during the period from 01-08-2024 to 31-01-2025.
3. To approve investments / withdrawals made during the period from 01-08-2024 to 31-01-2025.
4. To approve transfer of surplus /additional balance in Bad and Doubtful Debt Reserve to the General Reserve Fund/Profit and Loss account as per the guidelines of the Reserve Bank of India.
5. To ratify the transfer of balance in the Dividend Equalisation Fund to the General Reserve Fund as per the guidelines of the Reserve Bank of India.
6. To review all overdue loans and loans covered under legal action.
7. To approve "Write off" of Bad and doubtful loans classified as NPA.
8. To consider any other matter with the permission of the Chair.

All the Shareholders are requested to attend the 2nd General Body Meeting, on the date, time and place herein mentioned above

Place : Hyderabad
Date : 07/02/2025

By order of the Board of Directors
Sd/-
C. V. Rao
General Manager /CEO

NOTE
1. All documents referred to in the Notice are open for inspection at the Registered Office of the Bank on all working days between 11.00 A.M to 4.00 P.M from 10-02-2025 to 21-02-2025 with prior notice.
2. In the absence of the requisite Quorum within half an hour of the time specified for holding the 2nd General Body Meeting, the meeting shall stand adjourned to 12.00 Noon on the same day and the same agenda of the meeting shall be transacted at the same venue.

सरस्वती पूजा से लौट रही नाबालिग से गैंगरेप: दो आरोपी गिरफ्तार

बेतिया, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बेतिया में एक नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। घटना जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव की है। हालांकि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। थानाध्यक्ष विश्वमोहन चौधरी ने बताया कि घटना रात की है। जबकि पीड़िता सरस्वती पूजा देखकर घर लौट रही थी। इसी दौरान किशोरी को दो युवकों ने जबरन पकड़ लिया। उन्होंने बताया दोनों आरोपियों ने किशोरी को पास के एक बंगले में ले जाकर दोनों ने बारी-बारी रेप किया। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले में पीड़िता के पिता के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर ली है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों को पूछताछ के बाद जेल भेजा जाएगा। वहीं गिरफ्तार आरोपियों में सुजीत कुमार (18) और एक 17 वर्षीय किशोर शामिल है। दोनों मझौलिया थाना क्षेत्र के निवासी हैं। वहीं पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है।

मोतिहारी में 124 अपराधियों के खिलाफ 15 लाख का इनाम घोषित

मोतिहारी, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार की मोतिहारी जिला पुलिस लगातार एक्शन मोड में नजर आ रही है। पिछले दिनों सैकड़ों अपराधियों के घरों पर बुलडोजर चला चुकी है। इसी बीच मोतिहारी पुलिस ने 124 अपराधियों को 10 दिनों का समय दिया है कि या तो वो जल्द से जल्द सरेंडर करें वरना उनके घरों पर बुलडोजर चलाया जाएगा। मोतीहारी पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने गुरुवार को 124 अपराधियों के खिलाफ करीब 15 लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया है। मोतिहारी जिले के अलग-अलग थानों के 124 अपराधी लंबे समय से फरार चल रहे हैं। इन अपराधियों पर पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करने की फैसला किया है। फरार अपराधियों पर 5000 से 30000 हजार रुपये का इनाम भी रखा गया है। पूर्वी चंपारण के विभिन्न थाना क्षेत्रों से 20 हत्यारोपी, 15 लूट के आरोपी, डकैती के 3, रेप का 1, शराब कांड के 35, आर्म्स एक्ट कांड के 15, दहेज हत्या कांड के 03, पुलिस पर हमला करने वाला 1 आरोपी, रंगदारी मांगे वाले 2 आरोपी, विधि-व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करने वाले 2 आरोपी, एनडीपीएस एक्ट कांड के 22 आरोपी, पोक्सो एक्ट का 1 आरोपी और विस्फोट कांड का एक आरोपी फरार चल रहे हैं। कुल 124 आरोपी फरार चल रहे हैं जिनपर करीब 15 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की गई है। फरार चल रहे अपराधी पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, गोपालगंज और नेपाल के रहने वाले हैं। अपराधियों पर इनाम की घोषणा होते ही हरसिद्धि थाना क्षेत्र के 25 हजार के इनामी कुख्यात अपराधी धनंजय गिरी ने मोतिहारी न्यायालय में आत्मसमर्पण किया है। अब शेष अपराधियों को पकड़ने के लिए मोतिहारी पुलिस छापेमारी करेगी। यदि 123 अपराधियों को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर पाई या थाना या न्यायालय में उन्होंने आत्मसमर्पण नहीं किया तो इसके बाद मोतिहारी पुलिस कुर्की की कार्रवाई करेगी।

जीप की टक्कर से हवा में उड़ीं दो छात्राएं, एक की मौके पर मौत

बेगूसराय में भीषण सड़क हादसा

बेगूसराय, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बेगूसराय में भीषण सड़के में दो छात्राएं गंभीर से घायल हो गईं। इनमें एक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरे की हालत गंभीर है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। घटना मटिहानी थाना क्षेत्र के बदलपुर के पास की है। मृत छात्रा की पहचान मटिहानी थाना क्षेत्र के रामपुर के रहने वाले बबलू ठाकुर की पुत्री रीमा कुमारी के रूप में की गई है। घायल छात्रा की पहचान राजीव ठाकुर की पुत्री सुनीता कुमारी के रूप में की गई है। दोनों चचेरी बहनें बतायी जा रही हैं।

परिजनों बताया है कि रीमा कुमारी और सुनीता कुमारी अपने-अपने साइकिल से घर से कोचिंग पढ़ने के लिए बेगूसराय जा रही थी। इस दौरान बदलपुर के पास तेज रफ्तार जीप गाड़ी ने दोनों साइकिल में भीषण टक्कर मार दिया। हादसा इतना जबरदस्त था कि जीप से टक्कर लगते ही दोनों बहनें हवा में उछल कर दूर फेंका गईं। आननफानन में घायल अवस्था में इलाज के लिए दोनों को सदर अस्पताल लाया जहां इलाज क्रम में रीमा कुमारी की दर्दनाक मौत हो गई।

लैंड फॉर जॉब स्कैम में सुनवाई टली:अब 17 फरवरी को होगी हियरिंग

लालू परिवार के पांच सदस्य हैं आरोपी

पटना, 7 फरवरी (एजेंसियां)। लैंड फॉर जॉब मामले में दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई टल गई। अब अगली सुनवाई 17 फरवरी को होगी। इससे पहले 30 जनवरी को मामले की सुनवाई हुई थी, जिसमें कोर्ट ने दोनों अधिकारियों पर केस चलाने की मंजूरी दी थी। इसमें एक पूर्व आईएअएस अधिकारी आरके महाजन थे। महाजन लालू के रेल मंत्री रहते रेलवे बोर्ड में थे। पिछली सुनवाई के दौरान स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर डीपी सिंह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए थे। एडवोकेट मनु मिश्रा फिजिकली कोर्ट के अंदर मौजूद थे। इससे पहले 16 जनवरी को सुनवाई टल गई थी। उस दिन कोर्ट ने एक रेलवे अधिकारी पर केस चलाने की अनुमति नहीं दी थी।

अक्टूबर में लालू परिवार समेत 9 को मिली थी जमानत

बता दें कि इस केस में लालू परिवार के पांच सदस्य आरोपी हैं। इसमें लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, मीसा भारती और हेमा यादव शामिल हैं। पिछले साल 7 अक्टूबर को हुई सुनवाई में लैंड फॉर जॉब केस में लालू परिवार समेत सभी 9 आरोपियों को जमानत मिल गई थी। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सभी को 1-1 लाख के निजी मुचलके पर बेल दी थी। कोर्ट ने सभी को पासपोर्ट सरेंडर करने के निर्देश दिए थे। लैंड फॉर जॉब मामले में 20 जनवरी 2024 को ईडी की दिल्ली और पटना टीम के अधिकारियों ने लालू-तेजस्वी से 10 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की थी। ईडी सूत्रों के मुताबिक, लालू प्रसाद से 50 से ज्यादा सवाल किए गए थे। उन्होंने ज्यादातर जवाब हां या ना में ही दिए थे। पूछताछ के दौरान कई बार लालू झल्ला भी गए थे। वहीं, तेजस्वी से 30 जनवरी 2024 को लगभग 10-11 घंटे तक पूछताछ चली थी।

7 पॉइंट में जानिए लैंड फॉर जॉब डील का पूरा खेल

डील 1: सीबीआई ने शुरुआती जांच में पाया कि 6 फरवरी 2008 को पटना के किशुन देव राय ने अपनी जमीन काफी कम कीमत पर राबड़ी देवी के नाम कर दी। यानी 3,375 वर्ग फीट जमीन सिर्फ 3.75 लाख रुपए में राबड़ी देवी को बेच दी। साथ ही इसी साल परिवार के 3 मेंबर्स राज कुमार सिंह, मिथिलेश कुमार और अजय कुमार को मध्य रेलवे मुंबई में ग्रुप डी के पद पर नौकरी मिल गई।

डील 2: फरवरी 2008 में पटना के महुआबाग के संजय राय ने भी सिर्फ 3.75 लाख रुपए में 3,375 वर्ग फीट जमीन राबड़ी देवी को बेच दी। सीबीआई ने अपनी जांच में पाया कि संजय राय के अलावा परिवार के 2 अन्य मेंबर्स को रेलवे में नौकरी मिल गई।

डील 3: पटना की रहने वाली किरण देवी ने नवंबर 2007 में सिर्फ 3.70 लाख रुपए में अपनी 80,905 वर्ग फीट जमीन लालू यादव की बेटी मीसा भारती को बेच दी। इसके बाद 2008 में सेंट्रल रेलवे मुंबई में किरण देवी के बेटे अभिषेक कुमार को नौकरी मिल गई।

डील 4: फरवरी 2007 में पटना निवासी हजारी राय ने अपनी 9,527 स्क्वायर फीट जमीन दिल्ली की कंपनी एके इंफोसिस्टम प्राइवेट लिमिटेड को 10.83 लाख रुपए में बेच दी। बाद में हजारी राय के 2 भतीजे दिलचंद कुमार और प्रेम चंद कुमार को वेस्ट-सेंट्रल रेलवे जबलपुर और साउथ-ईस्टर्न रेलवे कोलकाता में नौकरी मिल गई। सीबीआई ने पाया कि एके इंफोसिस्टम्स के सभी अधिकार और संपत्ति साल 2014 में लालू प्रसाद यादव की बेटी और पत्नी को दे दिए गए थे। राबड़ी देवी ने 2014 में कंपनी के ज्यादातर शेयर खरीद लिए और बाद में कंपनी की डायरेक्टर बन गईं।

डील 5: पटना निवासी लाल बाबू राय ने मई 2015 में मात्र 13 लाख रुपए में अपनी 1,360 वर्ग फीट जमीन राबड़ी देवी के नाम कर दी। सीबीआई ने जांच की तो पता चला कि लाल बाबू राय के बेटे लाल चंद कुमार को 2006 में नॉर्थ-वेस्टर्न रेलवे जयपुर में नौकरी मिली थी।

डील 6: बृज नंदन राय ने मार्च 2008 में अपनी 3,375 वर्ग फीट जमीन गोपालगंज निवासी हृदयानंद चौधरी को 4.21 लाख रुपए में बेच दी। हृदयानंद चौधरी को साल 2005 में ईस्ट-सेंट्रल रेलवे हाजीपुर में नौकरी मिल गई। 2014 में हृदयानंद चौधरी ने गिफ्ट डीड के जरिए इस जमीन को लालू प्रसाद यादव की बेटी हेमा को ट्रांसफर कर दिया। सीबीआई ने जांच की तो पाया कि हृदयानंद चौधरी और लालू प्रसाद यादव दूर के भी रिश्तेदार नहीं हैं। साथ ही जिस जमीन को गिफ्ट के रूप में दिया गया, उस वक्त सर्कल रेट के अनुसार उसका मूल्य 62 लाख रुपए था।

डील 7: विशुन देव राय ने मार्च 2008 में अपनी 3,375 वर्ग फीट की जमीन सीवान निवासी ललन चौधरी को दे दी। ललन के पोते पिंटू कुमार की साल 2008 में वेस्टर्न रेलवे मुंबई में नौकरी लग गई। इसके बाद ललन चौधरी ने फरवरी 2014 में इस जमीन को हेमा यादव को दे दिया।

सांसद ने भोजपुर डीएम के खिलाफ की कार्रवाई की मांग, लोकसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र

भोजपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। आरा से सांसद सुदामा प्रसाद ने भोजपुर के जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया (आईएएस) पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर डीएम पर न्यूनतम विशेषाधिकारों के उल्लंघन और सांसदों के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन न करने का आरोप लगाया है। सांसद सुदामा प्रसाद ने पत्र में लिखा है कि उन्हें 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया था। लेकिन जब वह कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, तो उनके बैठने के लिए कोई सीट आरक्षित नहीं थी। पूछताछ करने पर उन्हें भोजपुर पुलिस अधीक्षक (एसपी) के बगल में बैठाया गया, लेकिन जब डीएम वहां पहुंचे तो उन्हें वहां से भी हटा दिया गया। सांसद ने इसे न केवल उनका व्यक्तिगत अपमान बताया, बल्कि कहा कि यह संसद और लोकतंत्र की गरिमा का भी हनन है। उन्होंने इस घटना को सांसदों के विशेषाधिकारों का सीधा उल्लंघन करार दिया। सांसद ने आगे आरोप लगाया कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। उन्होंने दावा किया कि भोजपुर डीएम पहले भी कई मौकों पर सांसदों के प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर चुके हैं। उन्होंने लिखा कि जिले में चल रही सरकारी योजनाओं और नीतियों की जानकारी देने में डीएम टालमटोल करते रहे हैं।

महाकुंभ में फिर उमड़ी भीड़ 4 किमी लंबा जाम

अखाड़ों ने पैकिंग शुरू की, वीकेंड पर बढ़ेगी भीड़

प्रयागराज, 7 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ का आज 26वां दिन है। शुक्रवार को संगम में श्रद्धालुओं की भीड़ है। कल यानी शनिवार और रविवार को और भीड़ बढ़ सकती है। इसे देखते हुए प्रशासन फिर अलर्ट हो गया। भीड़ की निगरानी की जा रही है। संगम पर श्रद्धालुओं को रुकने नहीं दिया जा रहा है। पुलिस स्नान कर चुके लोगों को वहां से निकाल रही है, ताकि एक जगह भीड़ इकट्ठा न हो। वाहनों की प्रयागराज शहर में एंट्री हो रही है। हालांकि, भीड़ के हिसाब से पुलिस प्लान में बदलाव कर रही है। महाकुंभ में ज्यादातर अखाड़ों ने अब पैकिंग शुरू कर दी। इसलिए श्रद्धालुओं को अखाड़ों के अंदर नहीं जाने दिया जा रहा। प्रशासन के मुताबिक, महाकुंभ में 13 जनवरी से अब तक 40 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। अभी मेला 19 दिन और चलेगा। इधर, महाकुंभ मेला क्षेत्र में फिर से आग लग गई है। मेले में शंकराचार्य मार्ग पर सेक्टर-18 में कई पंडाल जल गए। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची। हादसा हरिहरानंद के शिविर में हुआ। आग लगने के बाद चारों तरफ बैरिकेडिंग की गई। एसपी सिटी सर्वेश कुमार मिश्रा ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया। कोई जनहानि नहीं हुई। जांच की जा रही है।

सेक्टर 18 में लगी आग

दमकल विभाग की टीम ने पाया काबू प्रशासनिक अधिकारी मौके पर

महाकुंभ नगर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज के महाकुंभ नगर के सेक्टर 18 में आग लग गई। सूचना मिलते ही आनन-फानन दमकल विभाग की गाड़ियां और अधिकारी आग बुझाने में जुट गए। यह आग सेक्टर 18 में बने इस्कॉन के शिविर में लगी। शुरुआती जांच में पता लगा है कि आग शिविर के किचन में लगी थी। जहां रखे गैस सिलेंडर के फटने से हादसा हुआ है। हालांकि आधिकारिक रूप से आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं की गई है। सीएफओ का दावा है कोई हताहत नहीं हुआ है। आग पर काबू पा लिया गया है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की सुबह करीब 10.30 बजे आग लगने की घटना सामने आई। महाकुंभ मेला क्षेत्र के शंकराचार्य मार्ग पर स्थित सेक्टर 18 में यह घटना घटी। काफी दूर से आसमान में काला धुआं नजर आ रहा है। आग लगने की सूचना पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची है। साथ ही आग लगने की वजह की जांच कराई जाएगी।

राम मंदिर की पहली ईंट रखने वाले कामेश्वर चौपाल का निधन, दिल्ली में चल रहा था इलाज

अयोध्या, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कामेश्वर चौपाल का दिल्ली में निधन हो गया है। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनका दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में इलाज चल रहा था। अगस्त 2024 को इसी अस्पताल में किडनी का ट्रांसप्लांट कराया गया था। इन्होंने ही अयोध्या में राम मंदिर की पहली ईंट रखी थी। वह बिहार विधान परिषद के सदस्य भी रहे थे। बीजेपी में उनके निधन से शोक की लहर दौड़ गई है। कामेश्वर चौपाल को संघ ने प्रथम कार सेवक का दर्जा भी दिया था। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं विधान परिषद के पूर्व सदस्य कामेश्वर चौपाल का निधन हो गया है। चौपाल ने दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में अंतिम सांस ली है। कामेश्वर चौपाल पिछले एक वर्ष से बीमार चल रहे थे। कामेश्वर चौपाल ने ही राम मंदिर निर्माण के लिए पहली ईंट रखी थी। संघ ने उन्हें प्रथम कार सेवक का दर्जा दिया था।

कमरैल गांव में हुआ था जन्म

कामेश्वर चौपाल का जन्म सुपौल जिले कमरैल गांव में हुआ था। नौ नवंबर 1989 को उन्होंने अयोध्या में श्रीराम मंदिर की पहली ईंट रखी थी। तब देश के अलग-अलग हिस्सों से आए हजारों साधु-संतों और लाखों कारससेवक इसमें जुटे थे। उस वक्त वे विहिप के संयुक्त सचिव थे। वर्ष 2002 में विधान पार्षद बनाए गए थे।

'वो उनकी हार की खीझ है'

बेगूसराय सांसद गिरिराज सिंह का अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार

पटना, 7 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में 5 फरवरी को विधानसभा चुनाव की वोटिंग के बाद से सियासी हलचल पूरे उफान पर है। तमाम एग्जिट पोल में बीजेपी की सरकार बनने का दावा किया गया है। इसी बीच आम आदमी पार्टी और इंडिया गठबंधन में शामिल नेता ईवीएम पर सवाल खड़े कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि जिस तरफ से बीजेपी के नेताओं ने विधानसभा चुनाव में फर्जीवाड़ा किया है उन्हें एक बार फिर कुंभ में जाकर डूबकी लगानी चाहिए। इस पर बेगूसराय सांसद व केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को कहा कि वो उनकी हार की खीस है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव हों, अरविंद केजरीवाल हों या राहुल गांधी, उन्हें जनता ने नकार दिया है। इसलिए ऐसी खीस है और कुछ नहीं है क्योंकि जनता ने उन्हें पहले भी नकारा इस बार भी नकारा है। वहीं आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के बयान पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि जब उन्हें 16 सीटें (दिल्ली विधानसभा चुनाव में) मिलेंगे तभी तो कोई उनके 16 विधायक लेगा। उन्हें 16 सीटें भी नहीं मिलेंगी। इससे पहले एग्जिट पोल के आकंड़ों पर भी केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की प्रतिक्रिया आई थी। उन्होंने कहा था कि अरविंद केजरीवाल चुनाव हार चुके हैं ये केजरीवाल की हार नहीं बल्कि केजरीवाल के झूठ की हार हुई है। केजरीवाल के फरेब की हार हुई है। केजरीवाल के भष्ट्राचार की हार हुई है। केजरीवाल की अब राजनीति से जगह खत्म हो गई बेहतर होगा कि आप सिनेमा में चले जाएं। आप सारे कलाकारों को मात दे सकते हैं क्योंकि आप इतने भोले-भाले तरीके से एक्टिंग करते हैं कि अच्छे-अच्छे कलाकार फेल हो जाएं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने दिल्ली के गरीबों को ठगने का काम किया है। लोगों को पानी नहीं दिया। न सड़कें, न स्कूल बनवाए कहां मॉडल स्कूल हैं पता ही नहीं चला, कहां मोहल्ला क्लीनिक है किसी को पता नहीं चला

अखिलेश यादव ने राष्ट्रपति से की बड़ी अपील कहा- अब सिर्फ महामहिम से ही उम्मीद

लखनऊ, 7 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महाकुंभ हादसे में लापता हुए लोगों को लेकर एक बार फिर से सवाल उठाए हैं। प्रयागराज में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे से पहले सपा नेता अपनों की तलाश में भटक रहे शख्स का वीडियो शेयर कर योगी सरकार पर निशाना साधा और उम्मीद जताई है प्रशासन ऐसे लोगों को अपनी बात रखने से नहीं रोकेगा। सपा अध्यक्ष ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें मध्य प्रदेश के रहने वाले अशोक पटेल अपने बुजुर्ग पिता की खोज में बिलखते हुए नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि उनके पिता तिजई पटेल 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर स्नान के लिए महाकुंभ आए थे, जिसके बाद से ही उनका कुछ पता नहीं चल पा रहा है। वो रोते हुए कहते हैं कि उन्होंने अपने पिता की तलाश में सभी अस्पतालों और शव गृहों के चक्कर लगा लिए हैं लेकिन उनकी जानकारी नहीं मिल रही है और न ही कहीं पर उनका नाम है। अखिलेश यादव ने इस वीडियो के साथ लिखा- 'सच्चे आँसुओं का सैलाब, अहंकार के हिमालय को भी बहा ले जा सकता है, सत्ता का दंभ तो उसके सामने कुछ भी नहीं है।जिन्होंने अपनों को खोया है उनकी हृदयविदारक व्यथा सुनने के लिए अब केवल महामहिम से ही उम्मीद बाक़ी है। आशा है महामहिम की महाकुंभ की यात्रा के दौरान उप्र की असफल भाजपा सरकार, अपनी नाकामी छुपाने के लिए, ऐसे सभी लोगों की आवाज़ महामहिम के समक्ष उठाने से उन्हें नहीं रोकेगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव लगातार महाकुंभ भगदड़ की घटना को लेकर योगी सरकार पर निशाना साध रही है। सपा अध्यक्ष ने संसद में भी ये मुद्दा उठाया और सरकार पर हादसे में मारे गए लोगों का आंकड़ा छुपाने का आरोप लगाया है। अखिलेश यादव ने दावा किया अब भी प्रयागराज में ऐसे कई लोग अपनों की तलाश में भटक रहे हैं। बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दस फरवरी को प्रयागराज आ रही हैं। जहां वो महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाएंगे।

महाकुंभ भगदड़ पर राजा भैया ने दिया विस्फोटक बयान

योगी सरकार को लेकर कही ये बड़ी बात

प्रतापगढ़, 7 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी की सियासत में हमेशा सुर्खियों में रहने वाले कुंडा विधायक और जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के मुखिया राजा भैया ने महाकुंभ में बड़ा बयान दिया है। महाकुंभ में उन्होंने हिंदुत्व को लेकर स्पष्ट रुख अपनाते हुए कहा कि अब वह किसी तरह का समझौता नहीं करेंगे। काशी और मथुरा पर बोलते हुए उन्होंने कहा, इन्हें कानूनी तरीके से लेना हमारा हक है... कितना अच्छा होता कि प्रयागराज का जल लेकर ज्ञानवापी में जलाभिषेक करते। उनके इस बयान से यूपी की राजनीति में नई हलचल मच गई है। वहीं, इस मौके पर राजा भैया ने महाकुंभ में हुई भगदड़ और सीएम योगी को लेकर भी बड़ा बयान दिया।

महाकुंभ भगदड़ पर राजा भैया ने क्या कहा?

राजा भैया ने कहा, मौनी अमावस्या के दिन हुई भगदड़ और उसमें हुई मौतें दुखद हैं। लेकिन अगर उसे एक अपवाद माना जाए तो यह महाकुंभ अभूतपूर्व रूप से सफल है और जिस

तरीके का आयोजन हुआ है ऐसा आयोजन करना असंभव है। वहीं, शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा योगी सरकार को इस मुद्दे पर घेरे जाने पर राजा भैया ने कहा कि उन्हें ऐसे बयानों से बचना चाहिए था।

भगदड़ में गई थी 30 लोगों की जान

महाहाकुंभ में मौनी अमावस्या के मौके पर देश के अलग-अलग राज्यों से करोड़ों लोग संगम में डुबकी लगाने के लिए पहुंचे। मगर होनी को कुछ और मंजूर था। मंगलवार और बुधवार की दरम्यानी रात 1 से 2 बजे के बीच संगम नोज के पास भगदड़ मची। सरकारी आंकड़े के अनुसार, इसके चलते 30 लोगों ने अपनी जान गंवा दी और 60 अन्य घायल हो गए। यह घटना संगम (गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों का संगम स्थल) पर भारी भीड़ इकट्ठा होने के वजह से घटी। पुलिस के अनुसार, घाटों पर लगाए गए बैरिकेड्स टूट गए, जिससे लोग अनजाने में जमीन पर सो रहे श्रद्धालुओं को रौंदने लगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगदड़ की न्यायालय-निरीक्षित जांच के आदेश दिए हैं और इस घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए 25 लाख रुपये की सहायता राशि की घोषणा की है। उन्होंने यह भी कहा कि स्थिति नियंत्रण में है और लोगों से महाकुंभ को लेकर अफवाहें न फैलाने की अपील की।

इंटर की परीक्षा देकर घर लौटी नाबालिग ने बच्ची को दिया जन्म, आरोपी गिरफ्तार

बेतिया, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के बेतिया से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। इंटरमीडिएट की परीक्षा देकर घर लौटी एक छात्रा ने बच्ची को जन्म दिया है। परिजनों ने नाबालिग के गर्भवती होने की बात किसी को नहीं बताई लेकिन डिलीवरी के बाद चौंका देने वाला खुलासा हुआ। नाबालिग ने पुलिस को पूछताछ के दौरान बताया कि उसका जीजा पिछले डेढ़ साल से उसके साथ संबंध बना रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। दरअसल, बेतिया जीएमसीएच में एक नवजात बच्ची काफी देर से बेड पर पड़ी रो रही थी। किसी को पता नहीं चल रहा था कि बच्ची के माता-पिता कौन हैं। इसके बाद स्वास्थ्य कर्मियों ने अस्पताल में काफी खोजबीन के बाद पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और मौजूद भीड़ से पूछताछ की। इसी भीड़ में इंटर की छात्रा और उसके सगे संबंधी भी खड़े थे। तब जाकर पूरे मामले का खुलासा हुआ। बता दें कि इंटर की परीक्षा देकर लौटी नाबालिग छात्रा को पेट में दर्द होने के बाद जीएमसीएच लाया गया था।

संभल में खुदाई के दौरान मिला एक और कुआं, लोगों का दावा- शिवलिंग भी है मौजूद; पूजा-पाठ शुरू

संभल, 7 फरवरी (एजेंसियां)। संभल के पहलवाड़ा गांव में महवा नदी के पुनरुद्धार की प्रक्रिया के दौरान एक और कुआं मिला हैं। प्रशासन का कहना है कि कुएं की पूरी खुदाई की जाएगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह एक सामान्य कुआं है या कोई प्राचीन कुआं। अधिकारियों का यह भी कहना है कि स्थानीय लोगों ने उन्हें यहां एक 'शिवलिंग' की मौजूदगी के बारे में बताया है। संभल के डीएम राजेंद्र पैंसिया ने बताया, पहलवाड़ा गांव में नदी के पुनरुद्धार का कार्य मनरेगा के तहत किया जा रहा था। ग्रामीणों ने बताया कि वहां खुदाई के दौरान एक शिवलिंग निकला है और जमीन से पानी निकल रहा है। एसडीम को वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए कहा है। आस-पास के ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई है। पूजा की जा रही है। संभल नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी कार्तिक यादव ने बताया, स्थानीय लोगों के माध्यम से पता चला कि पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस के सामने एक कुआं है। कुआं खोदा जा रहा है। खुदाई पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि कुआं किस प्रकार का है... खुदाई पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि यह प्राचीन कुआं है या आधुनिक। हमने कुएं की परिधि को रेखांकित किया है। खुदाई मैनुअल तरीके से की जाएगी। चूंकि कुआं बहुत बड़ा नहीं है, इसलिए जेसीबी के कारण इसे नुकसान हो सकता है। दरअसल, महावा नदी किनारे अचानक जमीन से पानी निकलने और शिवलिंग जैसी आकृति मिलने से पूरे इलाके में हलचल मच गई। आसपास के गांवों से सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच रहे हैं। लोगों ने वहां शिवलिंग प्रकट होने का दावा करते हुए पूजा-अर्चना शुरू कर दी। भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का दौर भी चल पड़ा है। मौके पर एसडीएम व तहसीलदार ने भी पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

नाम छिपाकर रह रहे थे अवैध बांग्लादेशी, नासिक से 8 गिरफ्तार, पुलिस की पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे

नासिक, 7 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक जिले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। नासिक पुलिस ने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर केंद्रीय अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) की टीम ने एक निर्माण स्थल पर छापा मारा। जहां से आठ बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। छापे के बाद संदिग्धों को हिरासत में ले लिया गया, क्योंकि वे भारतीय नागरिकता का सबूत देने में विफल रहे। यह कार्रवाई बांग्लादेशी मूल के अवैध अप्रवासियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए नासिक पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। इस कार्रवाई का ब्यौरा साझा करते हुए कमिश्नर संदीप कार्णिक ने कहा, 'नासिक पुलिस बांग्लादेशी मूल के अवैध प्रवासियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए अभियान चला रही है।

पश्चिमी विक्षोभ के दस्तक से फिर बदलने वाला है मौसम

कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी, चलेंगी तेज हवाएं

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर भारत में मौसम एक बार फिर बदलने वाला है। तापमान में जहां दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी, वहीं पहाड़ी राज्यों में आने वाले दिनों में बारिश होने वाली है। मौसम विभाग के अनुसार 8 से 11 फरवरी के बीच पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बारिश का नया दौर आएगा। मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जताया है कि 7 फरवरी को अरुणाचल प्रदेश, पूर्वोत्तर असम में बारिश हो सकती है।

11 फरवरी तक होगी झमाझम बारिश

वहीं 8 फरवरी को एक नया पश्चिमी विक्षोभ दस्तक देने वाला है, जिसके चलते पहाड़ी राज्यों में चार दिन यानी 8-11 फरवरी तक बारिश होने वाली है। तापमान की बात करें तो अगले दो से तीन दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य भारत में तापमान में गिरावट आएगी और इसमें तीन डिग्री की कमी आएगी।

वहीं, पूर्वी भारत में 24 घंटे के दौरान न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री की बढ़ोतरी होगी और फिर तीन से चार डिग्री की गिरावट आएगी। यानी उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी फिर से पड़ने वाली है।

यहां पर पड़ रही है कड़ाके की सर्दी

मौसम विभाग के अनुसार, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार और दिल्ली में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया जा रहा है। पिछले 24 घंटे के दौरान सीकर में 3.5 डिग्री, अमृतसर में 5.1 डिग्री, हिसार में 6.2 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में शीत लहर की स्थिति बनने की संभावना है।

इन राज्यों में घना कोहरे का अलर्ट

पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश में 8 फरवरी तक घना कोहरा रहेगा। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश और उत्तरी राजस्थान में शीतलहर चलेगी। दिल्ली-एनसीआर, बिहार और यूपी में सुबह हल्का से मध्यम स्तर का कोहरा पड़ने का उम्मीद है। पिछले 24 घंटों में मेघालय, ओडिशा में दृश्यता काफी कम रही, क्योंकि घना कोहरा छाया रहा।

दिल्ली में कैसा रहेगा मौसम

दिल्ली-एनसीआर, यूपी समेत कई राज्यों में पछुआ हवाएं चल रही हैं। आईएमडी के अनुसार, दिल्ली में दिनभर हवाएं तेज चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान करीब 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। राजधानी में बृहस्पतिवार को न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

खटपट के बीच आरजेडी ने लालू यादव को बताया 'चाणक्य'

पटना, 7 फरवरी (एजेंसियां)। इंडिया गठबंधन में एक बार फिर नेतृत्व की बहस जोर पकड़ती दिख रही है। टीएमसी और समाजवादी पार्टी ने सवाल उठाया है। निशाने पर कांग्रेस है। इसी बीच आरजेडी का बड़ा बयान आया है। शुक्रवार को आरजेडी के प्रधान महासचिव और विधायक रणविजय साहू ने कहा कि टीएमसी और सपा की चिंता यही है कि कैसे इंडिया गठबंधन मजबूत हो। विपक्ष के तमाम बड़े नेता मिलकर बीजेपी के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे। रणविजय साहू ने कहा कि इंडिया गठबंधन को मजबूत करने के लिए सभी सहयोगी दलों से बातचीत करनी चाहिए। निरंतर बैठकें होनी चाहिए। इंडिया गठबंधन के दायरे को बढ़ाना चाहिए। जो संविधान को मानते हैं वैसे सभी दलों को एकजुट हो जाना चाहिए। बीजेपी के शासनकाल में लोकतंत्र संविधान खतरे में है। आरजेडी नेता ने आगे कहा कि लालू यादव ने कहा था कि ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेतृत्व सौंपना चाहिए। क्या ममता में इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने की क्षमता है? इस पर रणविजय साहू ने कहा कि ममता बनर्जी मिट्टी से निकलकर आईं हैं। उन्होंने सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष किया है। नेतृत्व और प्रतिभा को कोई रोक नहीं सकता है। लालू यादव चाणक्य हैं। वह जो बोलते हैं वही होता है। जब उनसे पूछा गया कि चुनावी साल है। कांग्रेस की नजर दलित वोटर्स पर है। आरजेडी भी दलित वोट बैंक को साधना चाहती है। राहुल गांधी बार-बार बिहार आ रहे हैं। दशरथ मांझी के बेटे को कांग्रेस में शामिल कराया गया। इसके बाद राहुल गांधी स्वतंत्रता सेनानी एवं पासी समाज के लिए नेता रहे जगलाल चौधरी के जयंती समारोह में शामिल हुए। कांग्रेस बार-बार से 70 से ज्यादा सीटें मांग रही है। क्या इसलिए आरजेडी असहज हो रही है?

सरंपच मर्डर केस के बाद धनंजय मुंडे के लिए एक और मुसीबत, दूसरी पत्नी को देना होगा पेंशन

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। पिछले कई दिनों से चर्चा में रहे महाराष्ट्र के मंत्री धनजंय मुंडे की दिक्कतें और बढ़ती नजर आ रही हैं। पहले ही धनंजय मुंडे से सरपंच संतोष देशमुख हत्या मामले में इस्तीफे की मांग की जा रही है। अब धनजंय मुंडे की दूसरी पत्नी करुणा शर्मा की याचिका पर कोर्ट ने धनजंय मुंडे को आंशिक रूप से दोषी ठहराया है। बांद्रा न्यायालय ने करुणा शर्मा द्वारा दायर याचिका पर आज सुनवाई हुई। न्यायालय ने धनंजय मुंडे पर पारिवारिक हिंसा का आरोप आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए उन्हें करुणा शर्मा को 2 लाख रुपये देने का आदेश दिया है। इसके साथ ही करुणा शर्मा को 1 लाख 25 हजार रुपये की मासिक पेंशन और उनकी बेटी शिवानी को उसकी शादी तक 75 हजार रुपये प्रति माह देने का आदेश भी दिया गया है।

कोर्ट के आदेश पर क्या बोलीं अंजलि दमानिया ?

इस निर्णय के बाद करुणा शर्मा ने भावुक होते हुए न्यायालय का आभार व्यक्त किया और कहा कि सत्य की जीत हुई है। उन्होंने यह भी कहा, "लोगों को लगता है कि न्यायालय में न्याय नहीं मिलता, लेकिन मुझे न्याय मिला है। पिछले 26 साल से मैं उनके साथ रही हूं लेकिन बाद मैं असलियत सामने आने लगी।

धनंजय मुंडे पर अंजलि दमानिया का आरोप

महाराष्ट्र में सीएम देवेंद्र फडणवीस सरकार में मंत्री धनंजय मुंडे पर एंटी-करप्शन कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने आरोप लगाया है। अंजलि दमानिया का आरोप है कि पिछली एकनाथ शिंदे सरकार में एनसीपी नेता धनंजय मुंडे के कृषि मंत्री रहते हुए विभाग में 88 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ था। हालांकि इसका जवाब देते हुए मौजूदा सरकार में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री मुंडे ने अंजलि दमानिया के आरोपों को बेबुनियाद और राजनीति से प्रेरित बताया है।

नगर पंचायत स्वर्गाश्रम में शपथ ग्रहण के दौरान हंगामा आपस में भिड़े भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता

ऋषिकेश, 7 फरवरी (एजेंसियां)। ऋषिकेश में नगर पंचायत स्वर्गाश्रम जौंक कार्यालय में अध्यक्ष और सभासदों के शपथ ग्रहण के बाद भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। इस बीच दोनों पक्षों के बीच हाथापाई भी हुई। सुरक्षा में तैनात थाना लक्ष्मणझूला पुलिस कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद मामले को शांत कराया। फिलहाल अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से थाना लक्ष्मणझूला में कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है।शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे नगर पंचायत स्वर्गाश्रम जौंक कार्यालय परिसर में नव निर्वाचित अध्यक्ष बिंदिया अग्रवाल, सभासद रेणुका भंडारी, सुरूचि अवस्थी, जितेंद्र धाकड़ और मुरलीधर शर्मा ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। यमकेश्वर एसडीएम श्रेष्ठ गुनसोला ने अध्यक्ष और सभासदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद और रामगोपाल यादव के बीच संसद में हुई गिरफ्तारी पर चर्चा

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। संसद में बजट सत्र की कार्यवाही चल रही है। आज यानी शुक्रवार को बजट सत्र का छठा दिन है। इसके एक दिन पहले संसद में खूब गरमा-गरमी देखने को मिली। लोकसभा में अमेरिका से वापस आए भारतीयों के मुद्दे पर हंगामा देखने को मिल रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ संसद के बाहर नेता एक दूसरे से मुलाकात करते नजर आ रहे हैं। इन्हीं में से बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद और रामगोपाल यादव के बीच संसद में गिरफ्तारी को लेकर चर्चा हुई। सपा नेता रामगोपाल यादव पिछले काफी समय से सरकार पर हमलावर हैं, कुंभ भगदड़ को लेकर भी उन्होंने बड़ा दावा किया था। तो वहीं दूसरी तरफ बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद सरकार की तरफ से बात करते नजर आते हैं। इस दौरान दोनों नेताओं की बातचीत चर्चा का विषय बनी हुई है। दोनों नेता संसद के बाहर एक दूसरे से बात करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उनके बीच काफी हंसी मजाक देखने को मिलता है। इसी दौरान बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद रामगोपाल यादव से कहते हैं कि गिरफ्तार भी मैं ही करूंगा और बेल भी में ही कराउंगा। हालांकि ये कंफर्म नहीं है कि ये किस संदर्भ में बात कही गई है। रविशंकर प्रसाद के इस बयान पर रामगोपाल यादव ठहाके मारते नजर आए। संसद के अंदर नेताओं की नोक-झोंक हर समय देखने को मिलती रहती है। तो वहीं संसद से बाहर ये नेता एक दूसरे से दोस्ताना अंदाज में नजर आते हैं। इसी कारण उदाहरण आज रामगोपाल यादव और रविशंकर प्रसाद की मुलाकात है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि अमेरिका को वहां अवैध रूप से रह रहे लोगों को वापस भेजने का कानूनी अधिकार है, लेकिन जिस तरह से उन्हें वापस भेजा गया, हम उसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस काम के लिए सिविल एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल किया जा सकता था।

मेट्रो में आसाराम के 14 फरवरी वाले पोस्टर पर हुआ बवाल तो डीएमआरसी ने कहा 'विज्ञापनों को देखकर यात्री भड़क गए'

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली मेट्रो के कोच में रेप के आरोप में सजा काट रहे आसाराम बापू की तस्वीर लगे विज्ञापन को देखकर यात्री भड़क गए और उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर किया। लोगों ने तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कीं और डीएमआरसी से इस पर जवाब मांगा। अब डीएमआरसी का जवाब भी आ गया है। डीएमआरसी ने एक 'एक्स' यूजर को जवाब देते हुए कहा, "डीएमआरसी ने लाइसेंसधारक को तत्काल निर्देश जारी कर दिए हैं कि वे मेट्रो परिसर से इन विज्ञापनों को जल्द से जल्द हटवाएंय इन विज्ञापनों को हटाने की प्रक्रिया आज रात से शुरू कर दी जाएगी। हालांकि, सिस्टम से इन्हें हटाने में कुछ समय लग सकता है।" एक सोशल मीडिया यूजर्स ने सवाल किया कि दिल्ली मेट्रो में लगे हैं रेपिस्ट आसाराम की फोटो। एक रेपिस्ट का फोटो दिल्ली मेट्रो में लगाकर क्या साबित कर रही है सरकार? जिस रेल से रोज लाखों लड़कियां सफर करती हैं

उसमें एक रेपिस्ट की फोटो क्यों? यह फोटो 14 फरवरी को मातृ-पितृ पूजन दिवस को लेकर कगाई गई है जिसमें सबसे ऊपर आसाराम की फोटो है और उसमें लिखा हुआ है कि "पूज्य संत आसाराम बापू से प्रेरित"। लोगों में इसी विज्ञापन को लेकर नाराजगी है। आसाराम को रेप के 2 मामलों में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है, एक मामला सूरत और दूसरा जोधपुर का है। हालांकि स्वास्थ्य कारणों से हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम को अंतरिम जमानत दी है। आसाराम को 31 मार्च तक के लिए जमानत दी गई है।

ट्रेन के डिब्बे में महिला ने दिया बच्ची को जन्म आरपीएफ ने यात्रियों की मदद से कराई डिलीवरी

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को एक महिला ने ट्रेन के कोच में बच्ची को जन्म दिया। रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) इंस्पेक्टर शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि हमें आनंद विहार से सहरसा जाने वाली ट्रेन से एक महिला को प्रसव पीड़ा होने की सूचना मिली। हमारी महिला सब-इंस्पेक्टर अन्य स्टाफ के साथ वहां गईं और कोच में मौजूद अन्य महिलाओं की मदद से डिलीवरी कराई गई। बाद में एंबुलेंस आई और हमने उन्हें अस्पताल भेजा। नवजात और महिला दोनों स्वस्थ हैं। आरपीएफ सब-इंस्पेक्टर नवीन कुमारी ने बताया कि जब मुझे सूचना मिली तो मैं ड्यूटी पर थी। एक यात्री मेरे पर आया और बताया कि प्लेट फॉर्म नंबर सात पर एक महिला की डिलीवरी होने वाली है। इसके बाद मैंने एम्बुलेंस को फोन किया। यह घटना कल रात सवा 11 बजे की है। मैं भी एक महिला कांस्टेबल को लेकर मौके पर पहुंची। डी-9 कोच में फर्श पर एक महिला लेटी हुई थी। बिहार के समस्तीपुर की रहने वाली एक महिला को प्रसव पीड़ा हो रही थी। एक पुलिस कांस्टेबल और कोच में मौजूद अन्य महिलाओं की मदद से हमने प्रसव में मदद की और बाद में हमने उन्हें अस्पताल भेजा। नवीन कुमारी ने बताया कि महिला की डिलीवर ट्रेन के कोच में ही कराई गई। उस समय मौके पर कोई डॉक्टर नहीं था। फिलहाल जज्जा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। महिला को एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

धीरेंद्र शास्त्री के 'मोक्ष' वाले बयान पर भड़कीं उमा भारती, बागेश्वर धाम बाबा को दे दी नसीहत

भोपाल, 7 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जारी महाकुंभ में मौनी अमावस्या के दिन बड़ा हादसा हुआ था, जब भगदड़ में कई लोगों की जान चली गई थी। गंगा नहाने के लिए अलग-अलग राज्यों से आए लोग यहां भगदड़ की चपेट में आकर मर गए थे। इसको लेकर बागेश्वर धाम के महंत धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने विवादित बयान देते हुए कहा था कि गंगा किनारे मरने वाले लोगों को मोक्ष मिलता है, इसलिए इसे हादसा नहीं मोक्ष माना जाना चाहिए। धीरेंद्र शास्त्री के इस बयान पर अब उमा भारती की प्रतिक्रिया आई है। उमा भारती धीरेंद्र शास्त्री के इस बयान से सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा, कुंभ में स्नान से मोक्ष मिलता है, यह बात सत्य है लेकिन वहां लोग कुचल कर, तड़प-तड़प कर मरे हैं, यह मोक्ष नहीं है। जो लोग जीवित हैं, उनके परिवार वाले भगदड़ में तड़प-तड़प कर मर गए, उन्होंने कौन सा पाप किया था? इतना ही नहीं, उमा भारती ने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को नसीहत भी दी है। उन्होंने कहा है, मुझे लगता है संत को अपनी संवेदना का ध्यान रखना चाहिए और उसके प्रति सजग भी रहना चाहिए। उमा भारती ने आगे कहा कि महाकुंभ में हुई भगदड़ हमारे लिए दुखद बात है कि हम उनके जीवन को नहीं बचा सके। जांच एजेंसियां निष्पक्ष रूप से जांच कर रही हैं। जल्द ही नतीजे सामने आएंगे और पता लगेगा कि भगदड़ कैसे हुई। उमा भारती ने कहा कि लाशों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उमा भारती ने कहा, कमिश्नर का वीडियो सामने आ रहा है, जिसमें वह लोगों से स्नान करने की अपील कर रहे हैं। इसके बाद अचानक बैरिकेड हटा के लोग दौड़ पड़ते हैं। वहां बहुत लोग मरे हैं, यह बात भी सत्य है। अचानक भगदड़ की स्थिति कैसे बनी या किसने बनाई, यह बात सामने आनी चाहिए।

6 महीने की बच्ची को लगाया बेहोशी का इंजेक्शन, फिर उठ नहीं सकी मासूम; मौत पर मचा बवाल

चामराजनगर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के चामराजनगर के गुंडलपेट में एक 6 महीने की बच्ची की मौत हो गई। उसके माता-पिता ने आरोप लगाया है कि बच्ची की मौत अस्पताल के डॉक्टरों की लापरवाही की वजह से हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बच्ची को एनेस्थीसिया की ओवरडोज दी गई, जिसके बाद बच्ची होश में ही नहीं आई और उसकी मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टरों को नौकरी से निकाले जाने की मांग की है। दरअसल चामराजनगर के गुंडलपेट में माता-पिता अपनी 6 महीने की बच्ची के कान छिदवाने के लिए एक क्लीनिक पर लेकर गए थे। कान छिदवाने में अक्सर बच्चों को दर्द होता है। इसी दर्द से बचने के लिए बच्ची को पहले एनेस्थीसिया का इंजेक्शन लगाया। ये एक तरह का बेहोशी का इंजेक्शन होता है। इस इंजेक्शन के लगने से मरीज को कम दर्द होता है। इसे ज्यादातर किसी सर्जरी से पहले मरीज को दिया जाता है। क्लीनिक में जब बच्ची को एनेस्थीसिया का इंजेक्शन लगाया गया। वह बेहोश हो गई। काफी समय बीत जाने के बाद भी वह होश में नहीं आई तो बच्ची को गुंडलपेट के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में रेफर कर दिया गया। फिर तुरंत बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बच्ची की जान नहीं बचाई जा सकी। माता-पिता का आरोप है कि बच्ची को एनेस्थीसिया की ओवरडोज दी गई। हंगला गांव के रहने वाले आनंद और सुभा का उनकी 6 महीने की बच्ची की मौत के बाद रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

अवैध ट्रैवल एजेंट पर पहली एफआईआर

अमृतसर के युवक की शिकायत पर केस दर्ज, 60 लाख लेकर भेजा था अमेरिका

चंडीगढ़, 7 फरवरी (एजेंसियां)। यूके से डिपोर्ट किए गए पंजाबियों के मामले में अवैध ट्रैवल एजेंट पर पहली एफआईआर हुई है। अमेरिका से लौटे एक युवक दिलेर सिंह की शिकायत पर अमृतसर पुलिस ने एक अवैध ट्रैवल एजेंट के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इस युवक से एजेंट ने 60 लाख रुपये लिए थे। मिनी बस चलाने वाले अमृतसर के गांव सलेमपुर के दलेर सिंह गांव के नजदीक स्थित गांव कोटली के एजेंट सतनाम सिंह के झांसे में ही फंसकर अमेरिका गया था। उसने अमेरिका जाने के लिए 60 लाख रुपये दिए थे, जबकि उसकी बात 45 लाख रुपये में हुई थी। एजेंट ने उसे ब्राजील में किडनैप करवा दिया और 15 लाख रुपये की मांग परिवार के समक्ष रख दी। एजेंट ने उसकी पत्नी चरनजीत कौर को फोन किया कि 15 लाख रुपये और भेजो, तभी उसका पति अमेरिका में जा सकेगा। फिर क्या था पत्नी ने अपने गहने गिरवी रखे और अपने रिश्तेदारों से कर्ज लिया और वह पैसे एजेंट को भिजवाए। पैसे देने के बावजूद दलेर सिंह कई यातनाएं सहकर अमेरिका में पहुंचा था।

उसे वहां जाकर उम्मीद थी कि अब उसका बुरा समय टल गया और वह काम करके अपना सारा कर्ज लौटा देगा। दलेर सिंह बताया कि मैक्सिको से होते हुए तेजवाना बॉर्डर पर पहुंचा और वहीं से उसकी अमेरिका में एंट्री हुई। यह 20 दिन उसके सबसे खतरनाक दिनों में से थे। खाना भी बड़ी मुश्किल से मिलता था। कई दिन तक तो बिना खाना खाए ही पनामा के जंगलों में गुजरना पड़ा। कई बार तो पानी भी नहीं मिलता था। दलेर सिंह से मिलने गए एनआरआई मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने गांव कोटली के एजेंट सतनाम सिंह के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं। मंत्री ने डीएसपी इंद्रजीत सिंह को हिदायत दी कि पीड़ित के बयान कलमबद्ध करें और एजेंट सतनाम सिंह के खिलाफ कार्रवाई करे। उस पर मामला दर्ज करके जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की हिदायत भी की गई है। धालीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार एजेंटों के खिलाफ सख्ती करेगी।

दिल्ली-नोएडा के कई स्कूलों में मिला धमकी भरा मैसेज, बम होने की सूचना पर अलर्ट

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली और नोएडा के स्कूलों को एक बार फिर बम की धमकी वाले मैसेज मिले हैं। जानकारी के अनुसार, नोएडा के शिव नादर स्कूल और दिल्ली के पांडव नगर में स्थित अल्कोहन इंटरनेशनल स्कूल में मेल के जरिए स्कूल में बम होने की सूचना मिली। बम निरोधक दस्ता, फायर ब्रिगेड और डॉग स्क्वायड स्कूल परिसर की जांच कर रहे हैं। अभी तक कुछ संदिग्ध नहीं मिला है। बम होने की सूचना के बाद स्कूल प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने छात्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चौकसी बढ़ा दी है। वहीं, स्कूलों की तरफ से बच्चों को परिजनों को मैसेज भेजे गए हैं। जिनमें कहा गया है कि आज सुबह प्राप्त हुए धमकी भरे ईमेल के कारण हम अपने छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूल बंद करने के लिए मजबूर हैं। इस संबंध में आप धैर्य बनाए रखें और सहयोग दें। आगे के निर्देशों और मंजूरी के लिए सक्षम अधिकारियों से संपर्क किया जा रहा है। वहीं, 8 जनवरी, 2025 को दिल्ली के सात निजी स्कूलों को लगातार सातवीं बार बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसे बाद में पुलिस ने अफवाह करार दिया। सभी मामले दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल को स्थानांतरित कर दिए गए और दो दिन बाद 10 जनवरी को, 12वीं कक्षा के एक छात्र 17 वर्षीय लड़के को बम धमकी वाले ईमेल भेजने में कथित संलिप्तता के लिए हिरासत में लिया गया।

मंदिर में वार्षिक उत्सव के बीच हाथी का उत्पात महावत को कुचलकर मार डाला, दुकानें-वाहन भी तोड़े

पालक्काड, 7 फरवरी (एजेंसियां)। केरल के पालक्काड के कुट्टनाड इलाके में एक हाथी ने अचानक लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में हाथी के महावत कुंजुमोन की मौत हो गई। दरअसल पालक्काड के कुट्टनाड में एक मंदिर में एक वर्षिक उत्सव का आयोजन किया गया था। गुरुवार रात करीब 10 बजकर 45 मिनिट पर, ये सजा धजा हाथी अचानक भड़क गया। इस हाथी के महावत कुंजू मोन ने उसे कंट्रोल करने की कोशिश की लेकिन कामयाबी नहीं मिली। हाथी ने पहले महावत को कुचल दिया। उसके बाद मंदिर के आसपास बनी दुकानों और वहां पर खड़े वहनों को भी भारी नुकसान पहुंचाया। हालांकि काफी देर की मशक्कत के बाद किसी तरह हाथी को काबू में कर लिया गया, लेकिन अस्पताल ले जाने के बाद महावत कुंजूमोन की मौत हो गयी,

ये कैसी ममता! बेटे ने खाया लड्डू तो सौतेली मां ने गर्म तवे पर बिना कपड़ों के बैठाया, जल गया मासूम

गाजियाबाद, 7 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के साहिबाबाद इलाके में एक सौतेली मां ने अपने एक चार साल के मासूम बेटे को गरम तवे पर बैठा दिया। गरम तवे पर बैठने की वजह से बच्चा बुरी तरह से झुलस गया। मां ने मासूम के साथ ये हरकत 30 जनवरी की थी, जिसकी जानकारी उसके पिता को 5 फरवरी को लगी। मासूम के पिता राजेश ने अपनी दूसरी पत्नी और बेटी के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। दरअसल साहिबाबाद के शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र की डीएलएफ कॉलोनी में रहने वाले राजेश का दो साल पहले किसी विवाद के चलते पहली पत्नी से तलाक हो गया था, लेकिन उसका चार साल का बेटा गीतांशु उसी के साथ किराए पर रहता है। पत्नी से तलाक के कुछ दिन बाद राजेश ने एक तलाकशुदा महिला से दूसरी शादी कर ली थी। महिला की 7 साल की बेटी है। शादी के बाद दोनों डीएलएफ कॉलोनी में किराए के मकान में रहकर परिवार चला रहे थे, लेकिन जब राजेश नौकरी पर चला जाता तो उसके पीछे उसकी दूसरी पत्नी उसके 4 साल के बेटे गीतांशु के साथ मारपीट करती थी। वह गीतांशु से कहती थी अगर तुमने किसी को मारपीट करने की बात बताई तो तुम्हारे पिता को पुलिस पकड़ कर ले जाएगी। इसलिए गीतांशु पिता से या किसी और से सौतेली मां के बारे में कुछ नहीं बताता था।

पिता ने देखा तो कराया केस दर्ज

इसके बाद गीतांशु डरा सहमा रहने लगा। 5 फरवरी को जब राजेश ने गीतांशु के कपड़े बदले तो, उसे बुरी तरह से घायल पाया। इसके बाद उसने अपने पिता से अपने साथ सौतेली मां की गई सारी हैवानियत के बारे में बताया। फिर राजेश बच्चे को अस्पताल ले गया है, जहां अब मासूम बच्चे इलाज चल रहा है। राजेश ने अपनी दूसरी पत्नी के खिलाफ थाने में शिकायत दी है, जिस पर एसीपी सलोनी अग्रवाल का कहना है कि मां बेटी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 8 फरवरी - 2025

पाकिस्तान पानी के लिए तरसेगा

केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी ने गुरुवार को लोकसभा में बताया कि सतलुज और ब्यास नदी का पानी सिर्फ बरसात और खास मौकों पर पाकिस्तान को दिया जाता है। इसके अलावा इन नदियों के पानी पर पूरा अधिकार भारत का है। बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच पानी का बंटवारा सिंधु जल संधि 1960 के तहत होता है। इसके अनुसार सतलुज, ब्यास और रावी के पानी पर भारत का पूरा नियंत्रण है। ब्यास और सतलुज नदियों का पानी पाकिस्तान को केवल मॉनसून के दौरान भारी बारिश के कारण बढ़ते जल स्तर की स्थिति में छोड़ा जाता है, बाकी समय के लिए भारत अपनी सुविधानुसार पानी का इस्तेमाल कर सकता है। इस तरह भारत सरकार पाकिस्तान को सतलुज और ब्यास नदियों का पानी बहुत कम देती है। सिर्फ मानसून और खास मौकों पर अपनी सुविधानुसार कुछ पानी का हिस्सा पाकिस्तान के लिए छोडा जाता है। भारत और पाकिस्तान के बीच पानी का बंटवारा का मुद्दा 1960 की सिंधु जल संधि के तहत है, जो दशकों से विवाद का विषय बना हुआ है। सिंधु जल संधि के अनुसार, सतलुज, ब्यास और रावी नदियों पर भारत का नियंत्रण है। वहीं, सिंधु, झेलम और चेनाब नदियों का पानी पाकिस्तान के पास है। सतलुज और ब्यास नदियों का पानी पाकिस्तान को केवल विशेष परिस्थितियों में ही दिया जाता है। वह भी तब जब मानसून के कारण अधिक बरसात की वजह से नदियां लबालब हो जाती हैं। भारी बारिश के कारण जलाशयों का जलस्तर बढ़ जाता है, तब पानी पाकिस्तान के लिए छोड दिया जाता है। सिंधु जल संधि, भारत और पाकिस्तान के बीच पानी के बंटवारे का कानूनी ढांचा है। इस संधि के तहत, 6 नदियों को दो हिस्सों में बांटा गया है। तीन नदियां भारत के नियंत्रण में हैं और तीन पाकिस्तान के। इस संधि का उद्देश्य दोनों देशों के बीच पानी के बंटवारे को लेकर विवादों को सुलझाना था। हालांकि, समय-समय पर इस संधि को लेकर दोनों देशों के बीच कहासुनी वाली स्थिति बन जाती है। सिंधु जल संधि पर 19 सितंबर 1960 को पाकिस्तान के कराची में दस्तखत हुए थे। वर्ल्ड बैंक की पहल और दोनों देशों के बीच करीब 9 साल तक चली लंबी बातचीत के बाद आखिरकार ये समझौता मूर्त रूप ले पाया। समझौते पर भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के तत्कालीन सैन्य तानाशाह और राष्ट्रपति अयूब खान ने दस्तखत किए थे। समझौते के तहत सिंधु बेसिन में बहने वाली 6 नदियों को पूर्वी और पश्चिमी हिस्से के आधार पर बांटा गया। पूर्वी हिस्से की तीन नदियों के पानी पर भारत को पूरा अधिकार मिला। ये नदियां हैं- रावी, ब्यास और सतलुज। दूसरी तरफ पश्चिमी हिस्से की तीन नदियों सिंधु, चेनाब और झेलम का पानी पाकिस्तान के हिस्से आया। लेकिन समझौते के मुताबिक, भारत इन नदियों के भी 20 प्रतिशत पानी को रोकने का अधिकार रखता है, जिसे लेकर पाकिस्तान हमेशा तनाव की स्थिति निर्मित करता रहता है। लेकिन अब भारत ने उसे सबक सिखाने की ठान ली है, जिसकी कल्पना मात्र से पाकिस्तान के होश ठिकाने आने लगे हैं।

देश के प्रति समर्पण राष्ट्र के बौद्धिक व आर्थिक विकास की बुनियाद

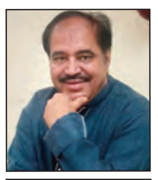

संजीव ठाकुर

राष्ट्रीय चरित्र और राष्ट्रवाद शालाओं की बुनियादी शिक्षा कक्षाओं और गुरु और शिष्य के साथ देश के प्रति समर्पण के भाव से प्रस्फुटित होता है1 राष्ट्रवाद राष्ट्र की रक्षा ,अखंडता एवं सशक्तिकरण के भाग्य को संरक्षित कर सुदृढ़ बनाता है1 स्वतंत्रता के बाद विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी के स्वप्न दृष्टा प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश के भावी भविष्य को पहचानते हुए बुनियादी कक्षाओं की राष्ट्रवाद के निर्माण में भूमिका को सहजता से पहचान लिया और अमेरिका की तर्ज पर भारत को तकनीकी तौर पर एक शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लिए अमेरिका के एमआईटी की तर्ज पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान स्थापित करवाया था । जब खड़कपुर आईआईटी की स्थापना की गई थी तब उन्होंने अतिथि के रूप में अपने भाषण में कहा की भारत को वैज्ञानिक महाशक्ति बनाने का दायित्व इन्हीं आई,आई,टी की कक्षाओं शिक्षकों एवं छात्राओं का होगा, वे राष्ट्र को तकनीकी दिशा में मील का पत्थर बनाने में साबित होंगे 1 वर्तमान में भारत आज अंतरिक्ष की बड़ी शक्तियों की कतार में शामिल है1 इसके पीछे भारत के कई वैज्ञानिक सीवी रमन ,विक्रम साराभाई, सतीश धवन जैसे बड़े वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इसरो संस्थान है जिसकी कक्षाओं में मंगल तक भारतीय तिरंगे को लहराया. भाभा एटॉमिक परमाणु शक्ति बन गया है1 वैश्विक स्तर पर हर बड़े स्पेस रिसर्च सेंटर पर भारत की इंजीनियर और वैज्ञानिक अपनी सेवाएं दे रहे हैं 1 आज अमेरिका आर्थिक महाशक्ति बनने के पीछे उसके विश्वविद्यालय ,संस्थाएं हैं। हावर्ड बिजनेस स्कूल विश्व स्तरीय व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में से एक माना जाता है1 आर्थिक सामाजिक तथा वैज्ञानिक शोध संस्थाओं में अधिकाधिक धनराशि खर्च करके अमेरिका, रूस, ब्रिटेन ,चीन, ऑस्ट्रेलिया ,कनाडा ने विश्व में सर्वश्रेष्ठ बुद्धिजीवी दिए है1 यह तो तय है कि कोई भी देश का भाग्य तभी उन्नत तथा विकसित होगा जब वहां के छात्र शिक्षक एवं आमजन न्याय, समता ,प्रबुद्धता के प्रति अपनी अडिग प्रतिबद्धता रखें। आने वाली पीढ़ी यानी कि वर्तमान के बच्चे और भविष्य के नागरिक ही किसी देश का भविष्य निर्माण करते हैं और यह भी तय रहता है कि बुद्धिमान शिक्षक अपने छात्रों के माध्यम से किसी महान राष्ट्र की नींव रखते हैं। किसी भी महान राष्ट्र का निर्माण रातों-रात नहीं होता है इसके लिए पीढीयो का योगदान और श्रेष्ठ शिक्षक एवं छात्रों की लग्न शीलता और मेहनत की प्रतिबद्धता होती है। 1960 और 70 के दशक में चीन में गठित सांस्कृतिक क्रांति कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, खेतों ,कारखानों को एकता में बांधकर सक्रिय नीति का प्रयोग कर सभी को एक सूत्र में बांधा गया था। जापान तो प्राथमिक कक्षाओं से उपजे राष्ट्रवाद, अनुशासन तथा कर्तव्य बोध के लिए सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रहा है, जापान में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पराजय का कड़वा घूंट पीने के पश्चात कमजोर एवं मृतप्राय जापान को एक शक्तिशाली आर्थिक राष्ट्र बना दिया। इसके विपरीत वर्तमान कक्षाएं प्रेम, अनुशासन ,करुणा जैसे पाठ ना सिखा कर ईर्ष्या, कंपटीशन, हिंसा ,कटुता जैसे अध्याय सिखा कर राष्ट्र के भविष्य को गर्त में ले जा रही है ।देश के अनेक विश्वविद्यालय हड़ताल ,हिंसा, जाति भेदभाव, आपत्तिजनक नारों जैसे विसंगतियों का सामना कर रहे हैं। कक्षाओं का नैतिकता, सहिष्णुता ,अनुशासन से कटाव केवल भारत में नहीं पूरे विश्व में इसका फैलाव हो चुका है। अमेरिका तथा यूरोपीय देशों में स्कूलों का कक्षाओं में गोली कांड इसके बड़े विकृत उदाहरण हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने ट्रीस्ट विद डेस्टिनी के भाषण में भूख, भय ,बीमारी, अज्ञान से पूर्णता मुक्ति की बात को भारत की नियति या डेस्टिनी कहा है।

पंजाब में फैलता ईसाई मिशनरियों का जाल !

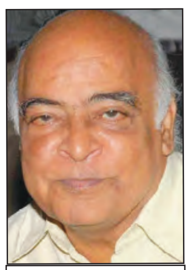

अशोक भाटिया

चमत्कार और प्रलोभन के दम पर पंजाब में ईसाइयत का प्रसार लगातार बढ़ता जा रहा है। पटियाला से लेकर पठानकोट तक ईसाई मिशनरियों का साम्राज्य फैल रहा है। केवल दो साल के भीतर ही साढ़े 3 लाख लोगों का धर्मांतरण हुआ है। आज पंजाब बिल्कुल बदला हुआ नजर आ रहा है. भारत में कुल तीन राज्य ऐसे हैं, जो ईसाई बहुल हैं. इनमें नगालैंड में 87.9 पर्सेंट, मिजोरम में 87.2 पर्सेंट और मेघालय में 74.6 पर्सेंट आबादी ईसाई धर्म के लोगों की है. उत्तर पूर्व के बाद गोवा में सबसे ज्यादा 25.1 पर्सेंट, केरल में 18.4 पर्सेंट, तमिलनाडु में 6.1 पर्सेंट और झारखंड में 4.3 पर्सेंट लोग ईसाई धर्म से हैं. ईसाई मिशनरी ईसाई धर्म से जुड़ी उन संस्थाओं और लोगों को कहा जाता है, जो अपने धर्म का प्रचार प्रसार करती हैं. लेकिन सिख धर्म से जुड़े संगठनों का आरोप है कि ये मिशनरी पंजाब के सैकड़ों गांवों में धर्म परिवर्तन के लिए कई तरह के अभियान चला रही हैं. और इसमें अलग-अलग पादरी गांवों में घूम घूमकर लोगों को ये बताते हैं कि कैसे उनके प्रार्थना करने से लोगों की बीमारियां ठीक हो सकती हैं और कैसे ईसाई धर्म लोगों का कल्याण कर सकता है. अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स और निजी संस्थाओं द्वारा कराए गए सर्वे बताते हैं कि पंजाब में धर्म परिवर्तन के कारण ईसाई धर्म की आबादी में कई गुना वृद्धि हुई है. बताया जाता है कि ईसाई मिशनरियां भ्रम और अंधविश्वास फैलाकर न केवल भारतीय समाज को तोड़ रही हैं, बल्कि कन्वर्जन कर समाज को लगातार कमजोर करने का प्रयास भी कर रही हैं। पिछले लगभग दो दशकों में पेंटेकोस्टल आंदोलन से प्रेरित कथित करिश्माई ईसाइयत की ऐसी लहर चली कि अब पंजाब का कोई भी जिला इससे अछूता नहीं रह गया है। सभी 23 जिलों में ईसाइयों ने अपनी पैठ बना ली है। विशेषकर, समूचे माझा, दोआबा क्षेत्र, पंजाब के मालवा क्षेत्र में फिरोजपुर और फाजिल्का के सीमावर्ती क्षेत्रों में ईसाई बहुत बड़ी संख्या में हो गए हैं। राज्य में बड़े पैमाने पर चल रहे कन्वर्जन को लेकर सिख और हिंदू समाज आक्रोशित है, जिसकी परिणति अक्सर होने वाले संघर्षों के रूप में देखी जा सकती है। वैसे पंजाब में कितने चर्च और पादरी हैं, इसका कोई ठोस आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। लेकिन अनुमान है कि यहां पादरियों की संख्या लगभग 65,000 है। इनमें लगभग 5,000 पादरी तो ऐसे हैं, जिन्होंने हाल ही में ईसाइयत कबूल की है। इनमें से अधिकांश आज भी लोगों को बरगलाने के लिए हिंदू-सिख नाम और हिंदू सिख वेश बनाए रखे हुए हैं तथा सिख और हिंदू समाज के लोगों को कन्वर्ट कर रहे हैं। पंजाब में ऐसा कोई गांव, नगर और शहर नहीं है, जहां चर्च न हों। बल्कि घरों में ही चर्च खुल गए हैं, जहां लालच देकर सिखों और हिंदुओं को कन्वर्ट किया जा रहा है। कन्वर्जन की फांस में नौ वंचित समुदायों की बड़ी संख्या है। इनमें रविदासी (मजहबी सिख), वाल्मीकि, सांसी, बावरिया, बाजीगर, राय सिख, बराड़, बंगला, गाधिले और नट शामिल हैं। इसके अलावा, कुछ ब्राह्मण परिवार भी इनके अनुयायी हैं। राज्य में उभरती क्रिश्चियन मिनिस्ट्रीज स्वतंत्र रूप से काम कर रही हैं। हालांकि सूबे में चर्च आफ नॉर्थ इंडिया है, जिसके अंतर्गत उत्तर भारत के अधिकांश प्रोटेस्टेंट चर्च आते हैं। दूसरी ओर जालंधर डायोसिस के अंतर्गत पंजाब के 23 में से 15 जिलों के अलावा हिमाचल प्रदेश के चार जिलों के रोमन कैथोलिक चर्च आते हैं। लेकिन ये मिनिस्ट्रीज इनमें से किसी के साथ संबद्ध नहीं हैं। स्वतंत्र रूप से काम कर रहे इन पादियों को एक छतरी के नीचे लाने के हरप्रीत देओल ने पेंटेकोस्टल चर्च प्रबंधक समिति बनाई, जिससे 1,000 से अधिक स्थानीय पादरी जुड़ चुके हैं। कहा जा रहा है कि कि पिछले कुछ समय से तथाकथित ईसाई मिशनरी चमत्कारिक इलाज और कपटपूर्ण सिखों का जबरन धर्म परिवर्तन कर रहे हैं। पंजाब के सिखों और हिंदुओं को ईसाई धर्म में धर्मांतरण कराने के लिए उन्हें गुमराह किया जा रहा है और यह सरकार की नाक के नीचे हो रहा है। दरअसल भारत के कानून में धर्म के नाम पर अंधविश्वास फैलाने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का प्रावधान है, लेकिन वोट बैंक की राजनीति के कारण कोई भी सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तैयार नहीं है। वहां के लोगों का कहना है कि हम अपने धर्म में भी चमत्कारिक इलाज (पाखंडवाद) के खिलाफ हैं। बाइबल भी ऐसे लोगों की निंदा करती है, लेकिन यहाँ इस तरह के अंधविश्वासों का इस्तेमाल पंजाब के लोगों को लुभाने के लिए किया जा रहा है।ज्ञात हो कि पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है और यहाँ के गरीब हिंदुओं और सिखों को धर्मांतरित करने के लिए 'विदेशी ताकतें' फंडिंग कर रही हैं। उन्होंने इसे चिंताजनक बताते हुए स्थानीय लोगों का कहना है कि अब इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनके अनुसार धर्मांतरण करने वाले लोग आरक्षण का लाभ भी ले रहे हैं। यह कैसे हो रहा है, यह एक प्रश्न है। गौरतलब है कि पंजाब जैसे आधुनिक व वैज्ञानिक सोच वाले राज्य में भी अगर धर्म परिवर्तन से जुड़ी खबरें आती रहती हैं तो यह वास्तव में बहुत ही गंभीर मामला है क्योंकि यह भारत का एक मात्र ऐसा राज्य है जहां के लोगों को सिख गुरुओं ने सबसे पहले धार्मिक पाखंडवाद को नकारने का पाठ पढ़ाया और कर्म (कार्य) की शक्ति में विश्वास रखने का उपदेश दिया। यहां के लोगों की उदात्त संस्कृति ने मानवीयता को मजहब की चारदीवारी के घेरे में कैद करने से इनकार किया जिसमें सिख गुरुओं का ही सबसे बड़ा योगदान रहा क्योंकि उन्होंने 'मानस की जात' को एक ही रूप मे पहचाना। गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोविन्द सिंह महाराज तक सभी दस गुरुओं ने अन्याय के समक्ष कभी भी सिर न झुकाने को मानव धर्म बताया और सत्य व हक की राह में बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने के लिए प्रेरित किया। दीन-हीन की सेवा को मानव कर्त्तव्य बताया और कर्म या मेहनत करने को ईमान बताया। सिख गुरुओं ने सबसे बड़ा उपदेश यह दिया कि किसी दैवीय चमत्कार पर भरोसा करने के बजाय मनुष्य अपनी मेहनत और लगन पर यकीन रख कर ही अपने जीवन में चमत्कार कर सकता है। इसका प्रमाण आज हम स्वयं केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में देख सकते हैं क्योंकि जिस प्रान्त या देश में भी पंजाबी हैं वे अपनी मेहनत व कार्यक्षमता के बूते पर ही आगे बढे.हैं । ऐसे समाज में यदि किसी विशेष मजहब के प्रचारक यहां के सिख व हिन्दुओं को दैवीय चमत्कारों के जाल में फंसा कर उनका धर्म परिवर्तन कराते हैं तो इसका संज्ञान लिये बिना नहीं रहा जा सकता। पिछले कुछ वर्षों से पंजाब में ईसाई मिशनरी यहां के सिख व हिन्दू युवकों विशेष रूप से पिछड़े वर्ग के समाज में अपने धार्मिक दैवीय चमत्कारों के नाम पर इसाई बनाने का अभियान चलाये हुए हैं। यह अभियान पंजाब के सरहदी जिलों में विशेष तौर पर चलाया जा रहा है। ये ईसाई मिशनरी धार्मिक पाखंड फैला कर इन लोगों को सम्मोहित करने का प्रयास करते हैं और फिर उनकी धार्मिक पहचान को अनावश्यक बता कर केश त्यागने को कहते हैं तथा ईसाई बनने के लिए प्रेरित करते हैं। इस बारे में पिछले वर्ष भी सिख समुदाय के कई जत्थेदारों ने ध्यान खींचने की कोशिश की थी। परन्तु तत्कालीन सरकार ने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया था। परन्तु इस बार वहां के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट रूप से सरकार से मांग की है कि धर्म परिवर्तन पर रोक लगाने के लिए एक कानून लाया जाये जिससे राज्य में पाखंडवाद और अंधविश्वास को बढ़ावा देने वाली ईसाई मिशनरियों की गतिविधियों पर लगाम लग सके। वैसे स्वयं में यह कम आश्चर्य का विषय नहीं है कि पंजाब जैसे राज्य के लोग भी अंधविश्वास का शिकार हो सकते हैं परन्तु भौतिक लालच और रातोंरात परिस्थितियों के बदलने के मोह में व्यक्ति ऐसे चक्करों में फंस भी सकता है, जिसका लाभ ईसाई मिशनरियां संभवतः उठा रही हैं। वरना कोई वजह नहीं थी कि वहां के जागरूक लोगों को स्वयं ही इस बुराई को खत्म करने की कमान संभालने की कार्रवाई करनी पड़ती। यदि गौर से देखा जाये तो सिख गुरुओं ने ही हिन्दू धर्म में फैले पाखंडवाद को समाप्त करने का बीड़ा उठाया था और मनुष्य को अपने ऊपर भरोसा करने का सन्देश दिया था। आज भी सिख संगतों में हमें ये उपदेश सुनने को मिलते हैं।

विकास की नीतियों से संभव होगा पर्यावरण संरक्षण !

सुनील कुमार महला

हाल ही में यूरोपीय केंद्र द्वारा क्रियान्वित कोपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा (सी3एस) ने जलवायु परिवर्तन पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की है, जिसके अनुसार जनवरी 2025 वैश्विक स्तर पर सबसे गर्म वर्ष रहा है, और यह स्थिति तब आई है जब 'ला-नीना' उभर रहा है। वास्तव में,यूरोपीय जलवायु एजेंसी की रिपोर्ट का बीते महीने यानी कि जनवरी को अब तक का सबसे गर्म महीना बताना व फरवरी में अप्रैल जैसा तापमान महसूस करना कहीं न कहीं यह दर्शाता है कि आज जलवायु परिवर्तन सिर्फ प्राकृतिक चक्र का हिस्सा नहीं रहा है, अपितु आज यह एक बड़ा मानवीय संकट बन चुका है, जिसके जिम्मेदार कमोबेश हम स्वयं ही हैं। गौरतलब है कि कोपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा (सी3एस) द्वारा पुष्टि की गई है कि वर्ष 2024 वैश्विक स्तर पर रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्ष होगा, और पहला कैलेंडर वर्ष होगा जब औसत वैश्विक तापमान अपने पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5°C अधिक होगा। पाठकों को बताता चलूं कि सी3एस नियमित रूप से वैश्विक सतही वायु और समुद्री तापमान, समुद्री बर्फ कवर और हाइड्रोलॉजिकल चर में देखे गए परिवर्तनों पर रिपोर्ट करते हुए मासिक जलवायु बुलेटिन प्रकाशित करता है। बहरहाल, यह बहुत ही संवेदनशील है कि 22 जुलाई 2024 को वैश्विक औसत तापमान 17.16 डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंच गया, जो ऐतिहासिक रूप से पृथ्वी पर अब तक का सबसे गर्म दिन था। वास्तव में, कोपरनिकस रिपोर्ट की यह घोषणा जलवायु परिवर्तन के धरती और पर्यावरण पर लगातार गहराते प्रभावों की चेतावनी देती है।कोपरनिकस की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में अत्यधिक गर्मी, बाढ़, सूखा और जंगल की आग की घटनाएं बढ़ीं। उदाहरण के लिए, कनाडा और बोलीविया में जंगल की आग(दावानल)ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। वहीं, उच्च तापमान और आर्द्रता ने गंभीर स्तर की गर्मी की स्थिति को बढ़ावा दिया।रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई 2024 में वैश्विक स्तर पर 44 फीसदी क्षेत्र ₹गंभीर₹ से ₹अत्यधिक₹ गर्मी तनाव वाली स्थिति में रहा।2024 की गर्मी को बढ़ाने में अल नीनो की घटना ने भी योगदान दिया। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि अल नीनो एवं ला नीना जटिल मौसम पैटर्न हैं, जो विषुवतीय प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में समुद्र के तापमान में भिन्नता के कारण घटित होते हैं। ये अल नीनो-दक्षिणी दोलन चक्र की विपरीत अवस्थाएँ होती हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि अल नीनो और ला नीना की घटनाएँ आमतौर पर 9 से 12 महीने तक चलती हैं, लेकिन कुछ लंबे समय तक चलने वाली घटनाएँ वर्षों तक बनी रह सकती हैं। वास्तव में ला नीना, अल नीनो-दक्षिणी दोलन यानी कि ईएनएसओ की 'शीत अवस्था' होती है, यह पैटर्न पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागरीय क्षेत्र के असामान्य शीतलन को दर्शाता है। अल नीनो की घटना जो कि आमतौर पर एक वर्ष से अधिक समय तक नहीं रहती है, के विपरीत ला नीना की घटनाएँ एक वर्ष से तीन वर्ष तक बनी रह सकती हैं।दोनों घटनाएँ उत्तरी गोलार्द्ध में सर्दियों के दौरान चरम पर होती हैं। जनवरी माह के गर्म होने की स्थिति तब है, जब प्रशांत महासागर में 'ला-नीना' की स्थितियां विकसित हो रही हैं, जो आमतौर पर वैश्विक तापमान को कम करने का काम करती हैं। जारी रिपोर्ट यह भी बताती है कि जनवरी, 2025 का औसत वैश्विक तापमान औद्योगिक क्रांति के पहले के स्तर से 1.7 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है, जो पेरिस समझौते में तय 1.5 डिग्री की सीमा को पार करने का एक और खतरनाक संकेत है। पाठकों को जानकारी होगी की मार्च व अप्रैल के महीने वसंत ऋतु के माने जाते हैं, लेकिन अब फरवरी में ही अप्रैल वाले तापमान की स्थितियां पैदा हुई हैं, यह दर्शाता है कि जलवायु में लगातार परिवर्तन हो रहे हैं। यूं यकायक मौसम में इस कदर बदलाव होना हर किसी को चिंतित करता है। यह बहुत ही गंभीर और संवेदनशील है कि यूरोप में 2024 का औसत तापमान 10.69 डिग्री सेंटीग्रेड रहा, जो 1991-2020 के औसत से 1.47 डिग्री सेंटीग्रेड अधिक था। यह यूरोप के लिए अब तक का सबसे गर्म वर्ष था। एक जानकारी के अनुसार 19वीं शताब्दी से पहले का समय जब औद्योगिकीकरण से पहले पृथ्वी का औसत तापमान लगभग 13.7 डिग्री सेंटीग्रेड से 14 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच था। कोपरनक्स रिपोर्ट में अहम तथ्यों की यदि हम यहां बात करें तो 2024 का औसत वैश्विक तापमान 1850-1900 के पूर्व - औद्योगिक औसत से 1.6 डिग्री सेंटीग्रेड अधिक रहा।यह पहला कैलेंडर वर्ष है जब पूरे वर्ष का औसत तापमान 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड के स्तर को पार कर गया। वर्ष 2024 में जनवरी से जून तक सभी महीने अब तक के सबसे गर्म रहे, और शेष महीनों में भी अधिकांश ने रिकॉर्ड बनाए। 22 जुलाई 2024 को वैश्विक औसत तापमान 17.16 डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे गर्म दिन था। वर्ष 2024 में कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर 422 भाग प्रति मिलियन और मीथेन का स्तर 1897 भाग प्रति अरब तक पहुंच गया। अतः आज जरूरत इस बात की है कि जलवायु संकट से निपटने के लिए त्वरित और निर्णायक कदम उठाए जाएं। कहना ग़लत नहीं होगा कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव ग्लेशियरों और समुद्री बर्फ पर भी पड़ा है।

जानकारी के अनुसार अंटार्कटिका और आर्कटिक में समुद्री बर्फ का स्तर रिकॉर्ड निम्न पर रहा। अंटार्कटिका में समुद्री बर्फ का विस्तार नवंबर 2024 में सबसे कम स्तर पर दर्ज किया गया। इतना ही नहीं,उत्तरी अटलांटिक, भारतीय महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर में समुद्री सतह का तापमान रिकॉर्ड स्तर पर रहा। औसत समुद्री सतह का तापमान 20.87°C तक पहुंचा। वास्तव में आज विभिन्न मानवीय गतिविधियों के कारण ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है। प्रदूषण के बढ़ने के पीछे जिम्मेदार कहीं न कहीं मनुष्य ही है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज अंधाधुंध वनों की कटाई, बढ़ता शहरीकरण, औधोगिकीकरण, बढ़ता प्रदूषण और बढ़ता हुआ कार्बन उत्सर्जन हमारे वातावरण को तेजी से गर्म बना रहे हैं। सच तो यह है कि हिमनदों का पिघलना, समुद्र स्तर में लगातार वृद्धि और चरम मौसमी घटनाएं कहीं न कहीं हमें यह चेतावनी दे रही है कि जलवायु परिवर्तन दूरगामी समस्या नहीं, बल्कि आज हमारे वर्तमान की सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है। आज जलवायु परिवर्तन के कारण हमारी पारिस्थितिकी तंत्र पर व्यापक असर पड़ रहा है। हमारा ऋतुचक्र भी आज संतुलित नहीं रहा है। जनवरी में ही गर्मी महसूस की जा रही है। वसंत समय से पहले आ रहा है। ऐसा नहीं है कि बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग पर नियंत्रण नहीं किया जा सकता है।

प्रेम सप्ताह बनाम वेलेंटाइन वीक

डॉ टी महादेव राव

लो भैया ! कल से फिर शुरू हो गया बेलनटाईन सप्ताह। इन सात दिनों में गुलाब दे, प्रस्ताव दे, चॉकलेट दे, भालू का गुड्डा दे, वादा दे, आलिंगन दे, चुम्मा दे और अंत में वेलेंटाइन दे। अनुवाद तो अच्छा किया रे छोटू। लेकिन डे का दे कहां तक ठीक है? डे का मतलब दिन या दिवस होता है लेकिन अंत में लेन देन का ही तो सारा फंडा है। एक दूसरे से कहेंगे रोज यानी गुलाब दे, भले ही अलग अलग दिन अलग अलग चीजें देने को कहें। अंतिम परिणाम तो सिर्फ लेन देन ही तो होता है इसमें। तेरे ज्ञान नेत्र तो खुलते और बढ़ते ही जा रहे हैं छोटू ! प्यार के नाम पर यह सब जो प्रेम सप्ताह मना रहे हैं इस बसंत में, युवक युवतियां, इसका अंजाम क्या होगा? चिंता की बात नहीं है भैया ! आपके समय में प्रेम, प्यार, देवदास, लैला मजनूं, शीरी फरहाद, सोहनी महीवाल, हीर रांझा, रोमियो जूलियट जैसा प्रेम और दुखांत कथाएं होती रहीं। पर अब तो ज़माना बदल गया भैया। आज तुमसे ही सुन लूं नए ज़माने की कुछ बातें छोटू !पहले प्यार, प्रेम, इश्क़, कादल, जो भी कह लें, का आगाज़ मानते हैं ये लड़के, लड़कियां। फिर इस तरह वेलेंटाइन वीक आपके शब्दों में वसंत में प्रेम सप्ताह मनाते हैं। सहजीवन यानी लाइव इन रिलेशनशिप में दिन बिताते हैं। जमा तो ठीक नहीं जमा तो तू नहीं और सही, और नहीं और सही। प्रेम के गीत, मिलना बिछड़ना, विरह, आंसू, जीवन के प्रति विरक्ति यह सब बातें इस तथाकथित प्रेम पाश में नहीं आते, क्योंकि ये रिश्ते सिर्फ भौतिक सुख संपदा पर अन्योन्याश्रित हैं। मानसिक रूप से जुड़ाव से ये कम्प्यूटर युग के युवा दूर हैं, बहुत दूर। हां आडंबर, दिखावा, बेबू, बेबी जैसे शब्दों में ये मगन रहते हैं भैया ! अरे वाह छोटू ! तो तो बड़े भैया से भी बड़ा ज्ञानी है। वे कभी प्यार, प्रेम, रिश्ते बातों के चक्कर में नहीं पड़ते, तभी तो इतने सालों से सफल हैं। उनका सिद्धांत है ₹जो भी प्यार से मिला हम उसी को धो दिए। भैया ! आप बात को कहां से कहां ले जाते हैं? कल रोज दे सॉरी गुलाब दिवस था। फूल दुकान वालों की बन आई। दस रुपए का गुलाब पच्चीस में। ढाई सौ का पुष्प गुच्छ पांच सौ में बेच बेच कर वे कृतकृत्य हो गए। आज भी वही होगा। प्रोपोज डे यानी प्रस्ताव दिवस। प्रेम प्रस्ताव यानी प्यार का आवेदन मतलब लव एप्लिकेशन। बहुत खूब। सरकारी नौकरियां नहीं मिल रही हैं तो छोकरियों के पास प्यार का आवेदन करते हैं। वाह बहुत अच्छे। मेरा सरकार से एक सुझाव है कि इन बेलन टाई न वालों को प्रेम प्रोत्साहन पेंशन दिया जाय ताकि वे बड़े बूढ़ों की तरह शादी के पचड़े में न पड़ें। सह जीवन बिताए और तलाक, विवाह विच्छेद, परित्यकता या परित्यक्त होने से बचें। जीवन का आनंद लें और अंत में मोक्ष प्राप्त करें। भैया ! आपको हो क्या गया है। प्रेम सप्ताह और प्रियतम दिवस की बात आप कहां ले गए। इन लोगों को पैसों की कमी नहीं है।

आखिर कब तक सीवर में दम तोड़ते रहेंगे सफाईकर्मी ?

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार सीवर में उतर कर सफाई करने वाले मजदूरों की दम घुटकर मौत की खबरें आज भी आती रहती हैं। हैरानी की बात यह है कि जिस दौर में बड़े और भारी कामों के लिए अत्याधुनिक तकनीक से तैयार मशीनों का सहारा लिया जाने लगा है, वहीं सीवर सफाई जैसे काम आज भी कई जगह पर हाथ से कराए जाते हैं। सीवर में सफाई के दौरान सफाई कर्मियों की मौत निःसंदेह सरकार और समाज के माथे पर कलंक हैं। कोलकाता लेदर कॉम्प्लेक्स इलाके में हाइड्रेन की सफाई करते समय रविवार को तीन कर्मचारियों की मौत हो गई है। मुर्शिदाबाद के रहने वाले अस्थायी सफाई कर्मी सेक्टर-6 औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में रासायनिक अपशिष्ट की सफाई कर रहे थे और जानकारी अनुसार पाइप लाइन फटने के कारण तीनों सफाई कर्मचारी मैनहोल में गिरे, जो 10 फीट गहरा था। उन्हें अपशिष्ट द्रव में डूबने से बचाने के लिए तत्काल प्रयास किए गए, लेकिन चार घंटे बाद जब उन्हें बाहर निकाला गया, तब वे मृत पाए गए। प्रारंभिक अनुमान है कि मौत का कारण चमड़े की तीखी गंध से होने वाली वासन समस्याएं थी। मई 2024 मे यूपी के चंदौली जिले में सेप्टिक टैंक में सफाई करने के दौरान विषैली गैस से चार लोगों की मौत हो गई. मृतकों में मकान मालिक का बेटा भी शामिल है. आनन-फानन में सूचना पुलिस को दी गई. सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को टैंक से निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया 9 मई 2024 को नोएडा की एक फैक्ट्री में सीवर सफाई करते दो युवकों की मौत हो गई। अक्टूबर 2024 मे सीकर जिले के फतेहपुर इलाके के सरदारपुर मे सीवर की सफाई करते तीन मजदूरो की मौत हो गई। 9 अक्टूबर को साउथ दिल्ली में एक सीवर की सफाई करते दो युवकों की मौत हो गई। यह तो सिर्फ बानगी है दरअसल सीवर सफाई के दौरान बड़ी तादाद में मौत हो रही है सरकार ने काफी पहले लोकसभा को बताया कि वर्ष 2017 के बाद से 2022तक पिछले करीब पांच वर्ष में सीवर एवं सेप्टिक टैंक की जोखिमपूर्ण सफाई करने के दौरान 400 लोगों की मौत हुई। लोकसभा में दानिश अली के प्रश्न के लिखित उत्तर में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने यह जानकारी दी थी। अठावले द्वारा निचले सदन में पेश आंकड़ों के अनुसार, सीवर एवं सेप्टिक टैंक की जोखिमपूर्ण सफाई करने के दौरान वर्ष 2017 में 100 लोगों, वर्ष 2018 में 67 लोगों, 2019 में 117 लोगों, 2020 में 19 लोगों, 2021 में 49 लोगों और 2022 में 48 लोगों की मौत हुई।इसके बाद भी सिलसिला जारी है देश की राजधानी दिल्ली समेत छह महानगरों में सीवर की मैनुअल सफाई को पूरी तरह से बंद करने का आदेश दिया है।

अदालत ने दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद में हाथ से मैला ढोने और मैनुअल सीवर सफाई पर रोक लगा दिया है। कोर्ट ने इन छह महानगरों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को 13 फरवरी तक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है और 19 फरवरी को मामले की अगली सुनवाई करने के लिए कहा है।

दरअसल पिछले साल दिसंबर में सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और अन्य संबंधित हितधारकों को निर्देश दिया था कि वे समन्वय स्थापित करें और यह जानकारी दें कि मैनुअल स्कैवेंजिंग और मैनुअल सीवर सफाई पर कहां और किस हद तक प्रतिबंध लगाया गया है। केंद्र सरकार द्वारा दायर एक हलफनामे के अनुसार देश के 775 जिलों में से 456 जिलों में न तो मैनुअल स्कैवेंजिंग की जाती है और न ही हाथ से मैला उठाया जाता है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल द्वारा दिए गए सुझावों पर विचार करने के बाद अदालत ने यह साफ किया कि कम से कम महानगरों में इस तरह की सफाई व्यवस्था पूरी तरह समाप्त होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 10 अक्टूबर 2023 के आदेश का मुख्य उद्देश्य यही था। अक्टूबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को निर्देश दिया था कि वे यह सुनिश्चित करें कि देश में हाथ से मैला ढोने की प्रथा पूरी तरह समाप्त हो। अदालत ने स्पष्ट किया कि केंद्र और राज्य सरकारें इस जिम्मेदारी से बच नहीं सकतीं और उन्हें मैनुअल सफाई को जड़ से खत्म करने के लिए सख्त कदम उठाने होंगे। दरअसल मैनुअल स्कैवेंजिंग एक्ट 2013 के तहत देश में सीवर सफाई के लिए किसी भी व्यक्ति को सीवर में उतारना पूरी तरह से गैर कानूनी है, लेकिन अफसोस की बात ये है यह रुक नहीं रहा है।

एकादशी की सुबह लें व्रत-पूजा करने का संकल्प

शाम को तुलसी के पास जलाएं दीपक

शनिवार, 8 फरवरी को माघ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी है, इसका नाम अजा, जया और भीष्म एकादशी है। ये व्रत भगवान विष्णु की कृपा पाने के लिए किया जाता है। माना जाता है कि एकादशी व्रत से जाने-अनजाने में किए गए पाप कर्मों का फल कम होता है। एक एकादशी व्रत से यज्ञ करने से जितना पुण्य मिलता है, उतना पुण्य मिलता है।

जानिए जया एकादशी व्रत और विष्णु पूजा की विधि...

जो लोग एकादशी व्रत करते हैं, वे एक दिन पहले यानी दशमी की शाम से व्रत के नियमों का पालन करते हैं। दशमी तिथि की शाम सात्विक खाना खाएं और ब्रह्मचर्य का पालन करें। शाम को भगवान विष्णु की पूजा करें।

एकादशी व्रत करने वाले व्यक्ति को अधार्मिक कामों से बचना चाहिए, वर्ना एकादशी व्रत का पूरा पुण्य नहीं मिलता है।

एकादशी की सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाएं। घर के मंदिर में भगवान गणेश की पूजा करें। पूजा में भगवान विष्णु की पूजा करने का और एकादशी व्रत करने का संकल्प लें।

भगवान विष्णु और महालक्ष्मी की मूर्ति स्थापित करें। जल, दूध, पंचामृत से भगवान का अभिषेक करें। अभिषेक दक्षिणावर्ती शंख से करेंगे तो बहुत शुभ रहेगा। अभिषेक के बाद लक्ष्मी-विष्णु का हार-फूल और नए वस्त्रों से श्रृंगार करें।

धूप-दीप जलाएं। तुलसी के साथ मिठाई का भोग लगाएं। मौसमी फल अर्पित करें। विष्णु सहस्रनाम, भगवद गीता या विष्णु चालीसा का पाठ करें। पूजा में ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करना चाहिए।

पूजा के बाद पूरे दिन निराहार रहना चाहिए, भूखे रहना मुश्किल हो तो फलाहार कर सकते हैं।

फलों का रस और दूध पी सकते हैं।

एकादशी की शाम को भी विष्णु-लक्ष्मी और तुलसी की पूजा करें, तुलसी के पास दीपक जलाएं। अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर सुबह जल्दी उठें। भगवान विष्णु की पूजा करें। जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं और दान-दक्षिणा दें। इसके बाद स्वयं भोजन ग्रहण करें। इस तरह एकादशी व्रत पूरा होता है।

व्रत करने से पाचन तंत्र को मिलता है आराम

जब हम व्रत करते हैं, तो अन्न नहीं खाते हैं और अन्न नहीं खाते हैं तो हमारे पाचन तंत्र को खाना पचाने के काम से ब्रेक मिलता है। व्रत से गैस, एसिडिटी और अपच जैसी समस्याएं कम होती हैं।

जब हम हल्का और संतुलित आहार लेते हैं, तो ये चीजें हमारा पाचन तंत्र आसानी से पचा लेता है। व्रत के दौरान पर्याप्त पानी पीते रहना चाहिए और शरीर को पर्याप्त ऊर्जा मिलती रहे, इसके लिए फलों का सेवन करना चाहिए।

पाचन तंत्र की सफाई के लिए जरूरी है व्रत करना

एकादशी व्रत - जानिए व्रत से धर्म लाभ के साथ ही कौन-कौन से हेल्थ बेनिफिट्स मिलते हैं?

व्रत करने से धर्म लाभ के साथ ही हेल्फ बेनिफिट्स भी मिलते हैं। व्रत करते हैं तो हम भूखे रहते हैं, भूखे रहने से पाचन तंत्र को आराम मिलता है और पाचन तंत्र की सफाई भी होती है। जब हम व्रत करते हैं, तब शरीर में ऑटोफेजी नाम की प्रक्रिया होती है। ये एक जैविक प्रक्रिया है, इस प्रक्रिया में हमारा शरीर खुद की सफाई करता है, जो कोशिकाएं खराब हो चुकी हैं, उन्हें हटाता है। ऑटोफेजी शब्द ग्रीक भाषा के यानी स्वयं और यानी खाना से मिलकर बना है। इस शब्द का शाब्दिक अर्थ है स्वयं को खाना। ऑटोफेजी प्रक्रिया में शरीर अपनी खराब कोशिकाओं को खुद हटाता है और अच्छी कोशिकाओं को बनाए रखता है। इस प्रक्रिया की वजह से कई रोगों से हमारी रक्षा होती है और उम्र बढ़ती है। व्रत फैट बर्न करने में मदद करता है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

व्रत करते समय किन बातों का ध्यान रखें

व्रत में हमें बहुत ज्यादा फलाहार नहीं करना चाहिए। व्रत के दिन ज्यादा से ज्यादा समय तक भूखे रहने की कोशिश करनी चाहिए और जरूरी ऊर्जा मिल सके, इतना ही फलाहार करना चाहिए। अगर पेटभर फलाहार कर लेंगे तो व्रत से हेल्थ बेनिफिट्स नहीं मिल पाएंगे।

छोटे बच्चे, रोगी, गर्भवती महिलाओं को व्रत करने से बचना चाहिए। इन लोगों को भूखे रहने से दिक्कत हो सकती है। ये लोग संतुलित आहार लेकर पूजा-पाठ कर सकते हैं।

आयुर्वेद

व्रत से पेट से जुड़ी समस्याएं होती हैं दूर

चरक संहिता के सूत्रस्थानम अध्याय में उपवास का महत्व बताया गया है। व्रत करना शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है। आयुर्वेद में रोगों का उपचार 6 तरह से किया जाता है। ये 6 प्रकार हैं लंघन, बृंहण, रूक्षण, स्नेहन, स्वेदन और स्तंभन। इनमें लंघन का महत्व काफी अधिक है। इसमें शरीर को हल्कापन देने वाले द्रव्यों का उपयोग किया जाता है। लंघन के भी 10 प्रकार हैं। वमन, विरेचन, शिरोविरेचन, निरूढ़ वस्ति, पिपासा, वायु का सेवन, धूप का सेवन, पाचन औषध-द्रव्यों का सेवन, उपवास और व्यायाम।

लंघन के 9वें प्रकार उपवास से पाचन ठीक होता है। कफ और पित्त नियंत्रित होते हैं। वात विकार यानी गैस, अपच, डकार आना, जी मचलाना जैसे समस्या में उपवास बहुत लाभदायक होते हैं। एक दिन अन्न ग्रहण न करने पर हमारे पाचनतंत्र को आराम मिलता है। ऐसी स्थिति में पाचनतंत्र और पेट की भी सफाई हो जाती है। फलों के सेवन से शरीर को जरूरी ऊर्जा मिलती है।

व्रत से जुड़ी रिसर्च

चूहों को कराया गया था व्रत

जापानी साइंटिस्ट योशिनोरी ओशुमी ने ऑटोफेजी प्रक्रिया का फायदा समझाया था। इस रिसर्च के लिए उन्हें वर्ष 2016 में मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार मिला था।

अमेरिका के टेक्सास विश्वविद्यालय मेडिकल सेंटर में व्रत से जुड़ी एक शोध चूहों पर हुई थी। इस रिसर्च में वैज्ञानिकों ने कुछ चूहों को दो समूहों में बांटा था। एक ग्रुप के चूहों को समय पर खाना दिया गया, दूसरे ग्रुप के चूहों को समय-समय पर व्रत कराया गया और थोड़ा-थोड़ा खाना दिया गया।

रिसर्च के नतीजे में वैज्ञानिकों ने देखा कि जिन चूहों को समय-समय पर व्रत कराया गया, वे स्वस्थ थे और उनकी उम्र भी बढ़ गई थी। दूसरी ओर जिन चूहों को खूब खाना दिया गया, वे चूहे मोटे हो गए थे और बीमार रहने लगे थे।

इस रिसर्च से यह साबित हो गया कि व्रत करने से शरीर कई रोगों से बचा रहता है और व्रत करने वाले व्यक्ति की उम्र भी बढ़ती है।

कौन था स्वरभानु, जिस पर क्रोधित होकर भगवान विष्णु ने चलाया था सुदर्शन चक्र?

राहु-केतु से क्या है उसका नाता

भारतीय ज्योतिष में राहु और केतु को छाया ग्रह माना जाता है, जिनका मानव जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। इनकी उत्पत्ति की कहानी समुद्र मंथन के दौरान देवताओं और असुरों के बीच अमृत के लिए हुए संघर्ष से जुड़ी है।

देवता और असुर ने किया था समुद्र मंथन

कथा के अनुसार जब देवता और असुर मिलकर समुद्र मंथन कर रहे थे तो उसमें से अमृत निकला। इस अमृत को पाने के लिए दोनों पक्षों में युद्ध छिड़ गया। असुरों ने अमृत कलश छीन लिया और उसे पीकर अमर होना चाहते थे।

स्वरभानु असुर

भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण कर असुरों को मोहित कर लिया और उनसे अमृत कलश वापस ले लिया। जब वह देवताओं को अमृत पिला रहे थे तो स्वरभानु नाम का एक असुर देवताओं का वेश धारण कर उनके बीच में बैठ गया और अमृत पीने लगा। सूर्य देव और चंद्र देव ने उसे पहचान लिया और भगवान विष्णु को इसकी सूचना दी। भगवान विष्णु ने क्रोधित होकर अपने सुदर्शन चक्र से स्वरभानु का सिर धड़ से अलग कर दिया।

राहु-केतु

हालांकि स्वरभानु ने अमृत की कुछ बूंदें पी ली थी, जिसके कारण वह मरा नहीं। उसका सिर राहु और धड़ केतु के नाम से जाने गया। इस घटना के बाद राहु और केतु सूर्य और चंद्र देव से बैर रखने लगे क्योंकि उन्होंने उनका भेद खोला था। यही कारण है कि राहु और केतु समय-समय पर सूर्य और चंद्र को ग्रहण लगाते हैं।

यह कहानी राहु और केतु के प्रभाव और उनके सूर्य-चंद्र से संबंधों को दर्शाती है। यह भी बताती है कि छल और कपट से प्राप्त की गई वस्तुएं स्थायी नहीं होतीं।

नल और नील ने युद्ध भी लड़ा

एक श्राप जो वरदान बन गया

नल और नील को लेकर एक बात कही जाती है कि दोनों ही बचपन में बहुत शरारती थे। ऋषियों द्वारा पूजी गईं मूर्तियों को पानी में फेंक देते थे।एक उपाय के रूप में ऋषियों ने उन्हें एक श्राप दिया कि वो पानी में जो भी फेकेंगे वो डूबेगा नहीं लिहाजा ऋषियों का ये श्राप उनके लिए वरदान बन गया।

हनुमान क्यों हो गए नाराज

राम सेतु बनाते समय हनुमान इन दोनों वानर इंजीनयिरों से नाराज हो गए थे। रामायण के तेलुगु और बंगाली रूपांतरों के साथ-साथ जावानीस छाया नाटक में कहा गया है कि हनुमान को ये खराब लगता है कि नल "अशुद्ध" बाएं हाथ से उनके द्वारा लाए पत्थरों को लेता है। फिर उन्हें समुद्र में रखने के लिए "शुद्ध" दाहिने हाथ का उपयोग करता है। तब राम हनुमान को शांत करते हैं। समझाते हैं कि श्रमिकों की परंपरा बाएं हाथ से लेने और वस्तु को दाईं ओर रखने की है।

लंका में सेना के लिए आवास भी बनाया

कम्ब रामायण ये भी बताती है कि नल लंका में राम की सेना के लिए रहने के लिए अस्थाई आवास भी बनाते हैं। ये रामायण कहती है कि नल रामसेना के लिये सोने और रत्नों के तम्बुओं का एक नगर बनाया, अपने लिए बांस और लकड़ी और घास की क्यारियों का एक साधारण सा घर।

रावण और उसकी राक्षस सेना के खिलाफ राम के नेतृत्व में युद्ध में नल और नील दोनों युद्ध लड़ते हैं। रावण के पुत्र मेघनाथ द्वारा चलाए गए बाणों से नल गंभीर तौर पर घायल होते हैं लेकिन बच जाते हैं। फिर कई राक्षसों का वध करते हैं।

युद्ध के बाद वो क्या किया

युद्ध के बाद नल और नील सुग्रीव के मंत्री बन जाते हैं। वह राज्य के आवास के लिए प्रबंध का काम देखते हैं।

हालांकि अपने बाद के जीवन में वो वास्तुविद के तौर पर कोई बड़ा काम तो नहीं करते लेकिन मंत्री के तौर पर लगातार उपयोगी सलाह सुग्रीव को देते हैं। बाद में जब श्रीराम अयोध्या में अश्वमेघ यज्ञ करते हैं तो नल और नील दोनों अश्व की रक्षा के लिए उसके साथ जाते हैं। कुछ जगहों पर नील को विश्वकर्मा का पुत्र बताया गया तो नल को उनका साथी लेकिन कुछ जगहों पर दोनों भाई के तौर पर दिखाया गया है।

रावण के खिलाफ युद्ध के बाद नल और नील मुख्य तौर पर किष्किंधा में राजा सुग्रीव के साथ राजकाज के काम में शामिल हो जाते हैं। लेकिन गाहे – बगाहे अयोध्या श्रीराम के पास जरूरी आयोजनों में जाते हैं। हालांकि इसके बाद उन्होंने अपने जीवन में राम सेतु जैसा निर्माण कभी नहीं किया।

ये पुल मन्नार की खाड़ी को पाक जलडमरूमध्य से अलग करता है। कहा जाता है कि 15वीं सदी तक लोग पैदल इस पुल से दूरी पार कर लेते थे। बाद में तूफानों ने इसे गहरा कर दिया। ये भी कहा जाता है कि इसे एक चक्रवात ने तोड़ नहीं दिया। इस सेतु का पहले उल्लेख सबसे वाल्मीकि की रामायण में हुआ। **(समाप्त)**

सावधान! गलती से भी न कुतरें नाखून

नहीं तो कुंडली पर पड़ सकता है नकारात्मक प्रभाव

नाखून चबाने से कुंडली में शनि दोष लग सकता है। इस आदत से जीवन में नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। व्यापार और नौकरी में नुकसान हो सकता है।

कई लोगों को कुछ आदतें होती हैं, जैसे कुछ लोग बैठे-बैठे पैर हिलाते रहते हैं, तो कुछ लोग नाक में उंगली डालते रहते हैं। इसी तरह, कई लोग जब खाली होते हैं या परेशान होते हैं, तो नाखून चबाने लगते हैं। कुछ लोग नाखूनों को आपस में रगड़ते भी हैं। ज्योतिष शास्त्र और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नाखून चबाना या रगड़ना अशुभ माना जाता है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, नाखून चबाने की आदत से कुंडली में ग्रह दोष भी लग सकता है। आइए, देवघर के ज्योतिषाचार्य से जानते हैं कि नाखून चबाने से क्यों अशुभ प्रभाव पड़ता है और कौन सा ग्रह दोष लग सकता है।

कहा कि अक्सर लोग नाखून चबाते हैं या आपस में रगड़ते हैं। इसका असर स्वास्थ्य पर तो पड़ता ही है, साथ ही जीवन पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बार-बार नाखून चबाने से कुंडली में शनि दोष लग सकता है। जब कुंडली में शनि दोष हो जाता है, तो व्यक्ति नाखून चबाने लगता है। नाखून चबाने से ग्रह अशांत हो जाते हैं।

नाखून चबाने से क्या प्रभाव पड़ता है?

जब व्यक्ति नाखून चबाता है या आपस में रगड़ता है, तो उसकी कुंडली में शनि दोष लग जाता है, यानी शनि की कुदृष्टि पड़ जाती है।

इसके साथ ही सूर्य दोष भी लग सकता है। इसका प्रभाव व्यक्ति के जीवन पर नकारात्मक होता है। जातक के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है, व्यापार में मंदी आ सकती है, नौकरी में नुकसान हो सकता है, और व्यक्ति के मान-सम्मान में भी ठेस पहुंच सकती है। घर में पारिवारिक कलह भी हो सकता है। इसलिए भूलकर भी नाखून चबाना या रगड़ना नहीं चाहिए।

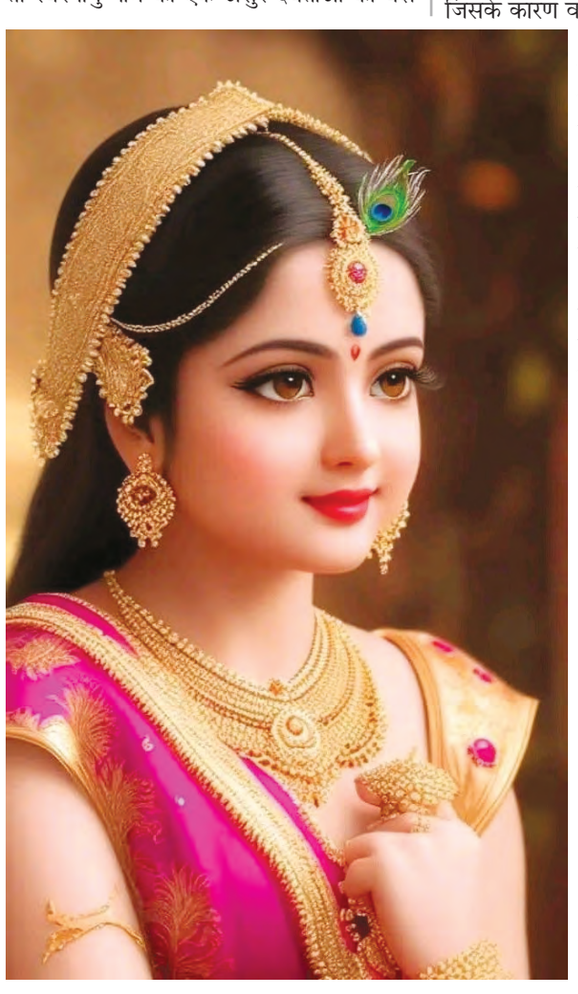

पति और पिता दोनों के लिए भाग्यशाली होती हैं इस मूलांक की लड़कियां घर में लाती हैं सुख-समृद्धि

मूलांक की खूबियां

अंक ज्योतिष के अनुसार मूलांक के जरिए किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व व स्वभाव के बारे में जाना जा सकता है। हर मूलांक की अपनी कुछ खूबियां व कमियां होती हैं। कुछ मूलांक के लोग किस्मत के धनी होते हैं तो कुछ मूलांक वाले अपने गुस्सैल स्वभाव की वजह से रिश्ते खराब कर लेते हैं।

आज हम ऐसे मूलांक की लड़कियों के बारे में बताने जा रहे हैं जो कि पिता और पति दोनों के लिए भाग्यशाली होती हैं।

जन्मतिथि से तय होता है मूलांक

जिस तरह कुंडली का प्रभाव मनुष्य के जीवन पर पड़ता है उसी प्रकार मूलांक से भी व्यक्ति के स्वभाव का पता चलता है। बता दें कि मूलांक 1 से 9 तक होते हैं और यह व्यक्ति की जन्मतिथि के आधार पर तय होता है। जिसकी जन्मतिथि 1 है उसका मूलांक 1 होगा। वहीं जिसकी जन्मतिथि 11 है उसका 2 होगा।

भाग्यशाली होते हैं इस मूलांक के लोग

जिन लोगों का मूलांक 2 होता है वह किस्मत के धनी होते हैं और जिस काम में हाथ डालते हैं उसमें सफलता पाते हैं। इस मूलांक के लोगों का व्यवहार बहुत ही सरल और शांत होता है।

पिता और पति के लिए भाग्यशाली

जिन लड़कियों का मूलांक 2 होता है वह अपने पिता के लिए बहुत ही भाग्यशाली होती हैं। सबसे खास बात है कि शादी के बाद इस मूलांक की लड़कियां पति के लिए भी भाग्यशाली साबित होती हैं।

होती है मां लक्ष्मी कृपा

मूलांक 2 वाली लड़कियों पर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा होता है और इन्हें जीवन में कभी भी पैसों की कमी का सामना नहीं करना पड़ता है। इस मूलांक के लोगों को जीवन में धन, दौलत व सुख, समृद्धि हासिल होती है।

मायके और ससुराल के लिए लकी

मूलांक 2 वाली लड़कियां शादी से पहले मायके के लिए खूब लकी होती हैं। वहीं जिस घर में शादी करके जाती हैं वहां भी इनकी किस्मत से मां लक्ष्मी का वास होता है।

किस दिन साफ करें टॉयलेट-बाथरूम?

राहु का यह उपाय करेगा मालामाल!

राहु के शुभ प्रभाव को पाने के लिए भावना उपाध्याय ने एक और उपाय बताया। बुधवार के दिन आप टॉयलेट साफ करने के लिए जिस नीले रंग के लिक्विड का उपयोग करते हैं। उसके नीले बोतल पर 100 या 101 रुपए चिपका दें। फिर उसे किसी स्वीपर यानि सफाई कर्मचारी को दान कर दें। यह उपाय आपको कम से कम 4 बुधवार जरूर करना चाहिए। बुधवार और शनिवार को टॉयलेट साफ कर लें, वॉशरूम का कमोड साफ करने के बाद उसके ढक्कन को बंद करके रखें।

इस उपाय से आपका राहु बहुत ही उच्च हो जाएगा। आपको उसका सकारात्मक फल मिलने लगेगा। आपको लगेगा कि कुंडली में इतनी चीजें खराब चल रही थीं और एकदम से, अचानक से क्या हो गया। आपके पास कहीं से भी पैसे आने लगेंगे। आपको जहां से पैसे नहीं मिल रहे थे, उस जगह से भी पैसे आने लगेंगे।

'फौजी' में प्रभास के साथ नजर आएंगे अनुपम खेर

साउथ सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपनी कई फिल्मों के निर्माण में व्यस्त है, जिसमें से एक है 'फौजी'। यह वॉर ड्रामा फिल्म हनु राघवपुडी द्वारा निर्देशित है। निर्माता समय-समय पर इस फिल्म से जुड़ी जानकारी फैंस के साथ साझा करते रहते हैं। प्रभास इस फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच अब फिल्म को लेकर दिलचस्प खबर सामने आ रही है, जो इसकी कास्ट से जुड़ी हुई है।

अनुपम खेर बनेंगे फिल्म का हिस्सा

फिल्म की शूटिंग फिलहाल हैदराबाद के आरएफसी में चल रही है और ताजा चर्चा यह है कि प्रभास के साथ फिल्म में बॉलीवुड अभिनेता भी अहम भूमिका निभाने वाले हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेता अनुपम खेर इसमें प्रभास के साथ नजर आ सकते हैं। अगर रिपोर्ट्स सच हैं तो कार्तिकेय 2 और टाइगर नागेश्वर राव के बाद यह उनकी तीसरी तेलुगु फिल्म होगी।

आर्मी ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगे प्रभास

हालांकि, फौजी टीम की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। फौजी एक एक्शन ड्रामा है, जिसमें प्रभास एक आर्मी ऑफिसर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण यूवी क्रिएशन्स द्वारा किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रभास कई फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। प्रभास, मारुति दासारी द्वारा निर्देशित हॉरर कॉमेडी द राजा साब की भी शूटिंग कर रहे हैं, जिसे भी बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है। पाइपलाइन में इतनी सारी फिल्में होने के कारण, प्रभास बिना किसी ब्रेक के लगातार काम कर रहे हैं।

फिल्म में नजर आएंगी ये अभिनेत्री

फिल्म फौजी को मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित किया जा रहा है। फिल्म में प्रभास के साथ अभिनेत्री इमावी को मुख्य भूमिका में लिया गया है। विशन चंद्रशेखर इस बिग बजट मूवी के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं, जबकि कोटागिरी वेंकटेश्वर राव ने संपादन का काम संभाला है, और सिनेमैटोग्राफी सुदीप चटर्जी द्वारा संभाली गई है।

नागा चैतन्य ने किया चौंकाने वाला खुलासा, बोले- तंडेल की शूटिंग के दौरान नौसेना हमें गिरफ्तार कर ले गई थी

नागा चैतन्य और साई पल्लवी अभिनीत 'तंडेल' आज बड़े पर्दे पर रिलीज हो गई है। इस फिल्म से चैतन्य करीब दो साल बाद फिल्मों में वापसी कर रहे हैं। हालांकि, यही एकमात्र कारण नहीं है कि यह फिल्म उनके लिए खास है। यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि यह सच्चे किरदारों वाली एक सच्ची कहानी है। अब हाल ही में नागा चैतन्य की सह सहकलाकार और अभिनेत्री साई पल्लवी ने अभिनेता से खास बातचीत की। उन्होंने एक मजेदार इंटरव्यू लिया, जिसमें नागा ने कई दिलचस्प बातें साझा कीं। नागा ने साई से कहा कि वह एक हिट फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। उन्हें पर्दे पर आए दो साल हो चुके हैं।

मछुआरे की भूमिका क्यों निभा रहे हैं नागा चैतन्य

इस दौरान साई पल्लवी ने नागा चैतन्य से एक यूजर का सवाल पूछा, जिसने अभिनेता जैसे 'गोरे लड़के' को आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के एक मछुआरे की भूमिका निभाते हुए देखकर 'आश्चर्य' व्यक्त किया। यूजर ने यह भी कहा कि अभिनेता अपनी उपस्थिति के कारण स्क्रीन पर एक अमीर लड़के की भूमिका निभाने के लिए अधिक उपयुक्त है। सवाल का जवाब देते हुए नागा चैतन्य ने कहा, 'एक अभिनेता का काम एक भूमिका में बदलना और खुद को आगे बढ़ाना और खुद को ऐसी भूमिकाएं करने के लिए चुनौती देना है, जो आपकी वास्तविकता से बहुत दूर हों। मैं खुद को एक मछुआरे के रूप में कैसे देखता हूं कि आपको फिल्म देखने के बाद मुझे स्कोर करना होगा।'

जब नौसेना ने किया टीम को गिरफ्तार

नागा चैतन्य ने फिल्म के लिए पानी पर शूटिंग की चुनौतियों पर सवाल का जवाब दिया। नागा चैतन्य ने याद करते हुए हंसते हुए कहा, 'पानी पर शूटिंग करना बहुत चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि ज्वार लगातार बदल रहा था। जब हम केरल में शूटिंग कर रहे थे तो नौसेना आई और हमें गिरफ्तार कर लिया। वे श्याम सर को नौसेना कार्यालय ले गए।'

सच्ची घटना पर आधारित फिल्म

चंदू मोंडेती और राम नरेश नुन्ना द्वारा सह-निर्देशित तंडेल आज 7 फरवरी को स्क्रीन पर आ चुकी है। माना जा रहा है कि फिल्म की कहानी एक वास्तविक जीवन की घटना से प्रेरित है, जिसमें आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के एक गांव के मछुआरे गलती से पाकिस्तानी जल में चले गए थे। फिल्म में एक प्रतिभाशाली क्रू है, जिसमें शमदत ने छायांकन का काम संभाला है, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता नवीन नूली संपादक हैं और श्रीनागेंद्र तंगला कला विभाग का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रतिष्ठित गीता आर्ट्स बैनर के तहत बनी वासु द्वारा निर्मित इस फिल्म को अल्लू अरविंद प्रस्तुत कर रहे हैं। फिल्म की कोरियोग्राफी शेखर मास्टर ने की है

नागा चैतन्य ने सबसे बड़ी बजट वाली फिल्म

नागा चैतन्य इस फिल्म में एक मछुआरे की भूमिका निभा रहे हैं और यह पहली बार है, जब वह एक ग्रामीण किरदार निभा रहे हैं। किरदार का आर्क बहुत बढ़िया है और उन्हें अभिनय करने का भरपूर मौका देता है। अल्लू अरविंद ने इस फिल्म का निर्माण 60 करोड़ रुपये के बजट पर किया है और यह नागा चैतन्य की अब तक की किसी भी फिल्म का सबसे बड़ा बजट है।

'लवयापा' की रिलीज पर उत्साहित हैं खुशी कपूर-जुनैद खान, बोले- हमें सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरने वाले दो नए चेहरे जुनैद खान और खुशी कपूर हैं, जिन्होंने पिछले साल ही अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। वे अपनी फिल्म 'लवयापा' के लिए चर्चा में हैं, जो आज सिनेमाघरों में आखिरकार रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर जुनैद और खुशी में भी काफी उत्साह है। 'लवयापा' की रिलीज से पहले ही खुशी कपूर और जुनैद खान ने अपनी खुशी जाहिर की थी।

खुशी कपूर ने साझा किया उत्साह

अपनी फिल्म 'लवयापा' के बारे में उत्साह साझा करते हुए अभिनेत्री खुशी कपूर ने कहा, 'हमें सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, इसलिए हमें अच्छा लग रहा है। हम फोन और सोशल मीडिया पर जो देखते हैं, वास्तविकता में चीजें उससे बहुत अलग हैं, इसलिए, विश्वास बहुत महत्वपूर्ण है।'

जुनैद खान ने कही ये बात

वहीं, जुनैद खान ने भी अपनी बात सामने रखी। एएनआई के साथ साक्षात्कार में जुनैद ने भी उत्साह साझा करते हुए कहा, 'बहुत से लोगों ने फिल्म देखी है...विश्वास बहुत महत्वपूर्ण है। रिश्ते को पोषण देना बहुत महत्वपूर्ण है। समझ और संचार भी उतना ही महत्वपूर्ण है।'

सितारों को पसंद आई फिल्म

हाल ही में मुंबई में 'लवयापा' की स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया था। इस दौरान इंडस्ट्री के कई सितारों ने स्क्रीनिंग में चार चांद लगाए थे। स्क्रीनिंग की खास बात यह रही थी कि तीनों खान एक बार फिर साथ नजर आए थे। स्क्रीनिंग में शाहरुख खान जैसे ही पहुंचे, उन्होंने आमिर खान को गले लगाया और उन्हें गाल पर किस भी किया। वहीं, सलमान खान भी इस तिकड़ी को पूरा करने के लिए स्क्रीनीं में पहुंचे। सलमान और शाहरुख दोनों ने आमिर खान के बाटे जुनैद और श्रीदेवी व बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर पर प्यार भी लुटाया।

फिल्म की कहानी

वहीं, फिल्म की कहानी की बात करें तो 'लवयापा' सोशल मीडिया के जमाने में होने वाले प्यार पर आधारित है कि इस समय क्या-क्या चुनौतियां सामने आती हैं। अद्वैत चंदन द्वारा निर्देशित यह फिल्म प्यार के हफ्ते यानी वेलेंटाइन वीक के पहले दिन रिलीज हो चुकी है। अब देखना यह है कि इसे दर्शकों की कैसी प्रतिक्रिया मिली है और यह बॉक्स ऑफिस पर कितना कमाल दिखा पाएगी?

'नफरत करने वालों को करारा तमाचा', रुबीना दिलैक बनीं 'टीआरपी क्वीन', एक्ट्रेस के सपोर्ट में उतरे फैंस

प्रेग्नेंसी के बाद रुबीना दिलैक ने लाफ्टर शेफ्स सीजन 2 से टीवी पर वापसी की है। शो को 1.9 की अच्छी टीआरपी मिली है और रुबीना के फैंस इस सफलता का श्रेय एक्ट्रेस को ही दे रहे हैं। टीआरपी में गिरवाट के कारण बिग बॉस 14 की विनर को कुछ दिनों से ट्रोल किया जा रहा था।

इसमें कोई शक नहीं है कि रुबीना दिलैक सबसे मशहूर टेलीविजन एक्ट्रेस में से एक हैं। वह 'छोटी बहू', 'शक्ति-अस्तित्व के एहसास की', 'बिग बॉस 14' और खतरों के खिलाड़ी सीजन 12 जैसे कई शानदार शोज-टीवी सीरियल का हिस्सा रही हैं। अब, मां बनने के बाद, उन्होंने लाफ्टर शेफ्स सीजन 2 के साथ टीवी पर वापसी की है। इस हफ्ते की टीआरपी रिपोर्ट आ चुकी है और लाफ्टर शेफ ने 1.9 की रेटिंग के साथ अच्छी शुरुआत की है। खैर, रुबीना दिलैक के प्रशंसक यह देखकर बहुत खुश हैं कि शो को इतनी अच्छी टीआरपी मिली है और वे उन्हें 'टीआरपी क्वीन' कह रहे हैं। कुछ दिनों से एक्ट्रेस को शो की टीआरपी में गिरवाट आने के कारण ट्रोल किया जा रहा था और अली गोनी को बुलाने की मांग की गई थी। वहीं अब यूजर्स उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

रुबीना दिलैक के सपोर्ट में उतरे फैंस

रुबीना दिलैक की तारीफ करते एक शो की टीआरपी का कोलाज बनाकर पोस्ट किया, 'एक शानदार जर्नी, जिसमें हर शो से अच्छी टीआरपी कमाई है! छोटी बहू, शक्ति, बिग बॉस 14, KKK 12 और अब #लाफ्टरशेफ सच में एक रुबीना दिलैक आइकन हैं।'

एक दूसरे यूजर ने लिखा, '#लाफ्टर शेफ 2 trp 1.9 है... नफरत करने वालों के मुंह पर जोरदार तमाचा है।' एक और ने पोस्ट करते हुए लिखा, '#रुबिना ने फिर से साबित कर दिया है कि वह कम या ज्यादा स्क्रीन स्पेस में भी टीआरपी ला सकती हैं। शुरुआती रेंटिग S1 से कहीं ज्यादा हैं, जहां कई लोग इस सीजन को बकवास बता रहे वहीं कुछ लोगों को रुबीना बहुत अच्छी लग रही हैं! उनके पिछले शो ने लीड के तौर पर 5.5 TRP को भी छुआ है, इसलिए अब आप जानते हैं कि TRP को कौन ला रहा है #लाफ्टर शेफ ये हैं हमारी टीआरपी क्वीन।

लाफ्टर शेफ्स 2 से रुबीना ने की वापसी

रुबीना दिलैक की वापसी का हर किसी को इंतजार था जो खत्म हो गया जबकि यह उम्मीद की जा रही थी कि शायद एक्ट्रेस एक फिक्शन शो के साथ वापसी करेंगी। हलांकि, एक्ट्रेस ने एक कुकिंग रियलिटी शो के साथ वापसी कर धमाका कर दिया है। वह लाफ्टर शेफ्स सीजन 2 में राहुल वैद्य के साथ नजर आ रही हैं। रुबीना और राहुल के अलावा, लाफ्टर शेफ्स सीजन 2 में अब्दु रोजिक, एल्विश यादव, समर्थ जुरेल, अभिषेक कुमार, सुदेश लहरी, मन्नारा चोपड़ा, कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह जैसे सेलेब्स हैं।

करण जौहर की फिल्मों का ठुकरा दिया ऑफर, फिर 250 करोड़ी फिल्म से किया डेब्यू, स्टारकिड नहीं अपने दम पर बना हीरो

सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'इनसाइड एज' सीरीज और 'खो गए हम कहां', 'गली बॉय' और 'गहराइयां' जैसी फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीता और स्टार बन गए। 29 अप्रैल 1993 को उत्तर प्रदेश के बलिया में जन्मे सिद्धांत ने अपनी दम पर बॉलीवुड में एक खास मुकाम बनाया है। बॉलीवुड में आउटसाइडर होने के बाद भी स्टारकिड्स को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। इतना ही नहीं सिद्धांत ने अपने करियर की शुरुआत से पहले करण जौहर के ऑफर को 1 नहीं बल्कि 2 बार ठुकरा दिया था। इसके बाद कड़ी मेहनत की और बॉलीवुड में अपनी दम पर स्टार बन गए। सिद्धांत जब सिर्फ 5 साल के थे तब अपने परिवार के साथ मुंबई चले गए। मीठीबाई कॉलेज में पढ़ाई के दौरान उन्होंने थिएटर और नाटकों में अभिनय करना शुरू किया। एक लोकप्रिय फ्रेश फेस प्रतियोगिता जीतने के बाद सिद्धांत ने फिल्म ऑडिशन के लिए अपनी अंतिम सीए परीक्षा छोड़ने का फैसला किया। यहां तक कि

उन्होंने अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित और रणबीर कपूर और आलिया भट्ट अभिनीत करण जौहर की ब्रह्मास्त्र के लिए ऑडिशन भी पास कर लिया, लेकिन अपने पिता की सलाह के बाद उन्होंने यह अवसर ठुकरा दिया। उन्हें जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के साथ तीन फिल्मों के सौदे की भी पेशकश की गई थी जिसे सिद्धांत ने अस्वीकार कर दिया।

खुद बताई इसके पीछे की वजह

बीते साल ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ एक साक्षात्कार में सिद्धांत ने साझा किया कि कैसे उनके पिता ने उन्हें ब्रह्मास्त्र साइन न करने का सुझाव दिया था। सिद्धांत बताते हैं, 'वे अभी भी स्क्रिप्ट लिख रहे थे और मैं उत्साहित था। मैं यह भी कर सकता था, लेकिन मेरे पिता ने मुझे ऐसा नहीं करने दिया। उन्होंने कहा कि तुम इससे बेहतर हो। वे आज भी मुझे आगे की तरफ पुश करते हैं। मैं खुश था कि मुझे धर्मा के साथ तीन फिल्मों का अनुबंध मिलेगा। मैं अयान से मिला जिसने मुझे ब्रह्मास्त्र के बारे में अपना दृष्टिकोण दिखाया। मैंने तब तक केवल कुछ ही विज्ञापन किए थे इसलिए मैं कुछ भी नहीं था। मैंने अपने पिता को बताया कि फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट हैं। और अमिताभ बच्चन और उन्होंने मुझसे पूछा, 'तो तुझे कौन देखेगा?' उन्होंने कहा, 'नहीं बेटा, मुझे नहीं लगता कि तुम्हें यह करना चाहिए। क्या आपके पास स्क्रिप्ट है? क्या आपने इसके लिए ऑडिशन दिया है? अगर आपको यह भी नहीं पता कि आप उस फिल्म में क्या करने जा रहे हैं तो अपनी किस्मत मत बेचिए।'

फिल्में ठुकराने के बाद किया ब्लैकलिस्ट

सिद्धांत ने आगे कहा कि कई फिल्में ठुकराने के बाद उन्हें बॉलीवुड से ब्लैकलिस्ट कर दिया गया था। 'समस्या यह नहीं थी कि मेरे पास कोई ऑफर नहीं था, लेकिन मैं जानता था कि मैं केवल नायक बनना चाहता था, प्रमुख भूमिकाएं निभाना चाहता था। मैं अभिनय करूंगा, मैंने अपनी कला पर कड़ी मेहनत की है, लेकिन मैं एक बड़ी धूम मचाना चाहता था। मुझे कई फिल्मों के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था, जिन्हें मैंने यह कहते हुए ठुकरा दिया कि मुझे नहीं लगता कि मैं जो सोचता हूं उसके साथ यह न्याय कर सकता है। मुझे ब्लैकलिस्ट कर दिया गया, क्योंकि लोगों ने सोचा, 'यह कौन व्यक्ति नहीं कह रहा है?' मैंने साइड किरदार निभाने से इनकार कर दिया, क्योंकि मुझे पता था कि मेरी क्षमता बहुत थी। मैं अपने आप को कम कीमत पर बेचना नहीं चाहता था।'

250 करोड़ी फिल्म से किया डेब्यू

साल 2019 में सिद्धांत ने जोया अख्तर की फिल्म 'गली बॉय' के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था। जिसमें उन्होंने रैपर एमसी शेर की भूमिका निभाई। उनके सशक्त प्रदर्शन ने उन्हें कई पुरस्कार दिलाए और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड भी जीता। इसके साथ ही सर्वश्रेष्ठ मेल डेब्यू के लिए जी सिने अवॉर्ड और बेस्ट मेल डेब्यू के लिए स्क्रीन अवॉर्ड भी सिद्धांत ने अपने नाम किया। भारतीय स्ट्रीट रैपर्स डिवाइन और नेजी के जीवन से प्रेरित 2019 म्यूजिकल ड्रामा ने वर्ल्डवाइड लगभग 250 करोड़ रुपये की कमाई की थी। ब्रह्मास्त्र में करण जौहर के साथ काम करने से इनकार करने के बाद सिद्धांत अगली बार रोमांटिक ड्रामा 'धड़क 2' में दिखाई देंगे, जो जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है। इस फिल्म में सिद्धांत के साथ तृप्ति डिमरी लीड रोल में नजर आने वाली हैं। ये फिल्म 2018 धड़क की आध्यात्मिक सीक्वल है, जिसमें ईशान खट्टर और जान्हवी कपूर ने अभिनय किया था।

18 की उम्र में तलाक, टीवी एक्ट्रेस ने खुद को 1 महीने तक कमरे में रखा बंद, सालों बाद छलका दर्द

उर्वशी ढोलकिया जिन्हें कोमोलिका के नाम से भी जाना जाता है। उन्हें 'कसौटी जिंदगी की' से जबरदस्त नेम फेम मिल था। वह टेलीविजन इंडस्ट्री की सबसे मशहूर वैंप हैं, जिन्हें उनके विलेन के किरदार के लिए दर्शकों से खूब प्यार मिला है। इसके अलावा 2013 में उर्वशी पॉपुलर टीवी रियलिटी शो 'बिग बॉस 6' में भी नजर आ चुकी हैं। लंबे समय बाद अब एक्ट्रेस एक बार फिर से अपने काम के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में बनी हुई हैं। हाल ही में, टीवी की मशहूर एक्ट्रेस ने उनके जुड़वां बेटों क्षितिज और सागर से लेकर अपने तलाक तक, के बारे में कई खुलासे किए हैं।

16 की उम्र में जुड़वां बच्चों की देखभाल

उर्वशी ढोलकिया ने हाउटरफ्लाई को दिए एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया कि उनके जुड़वां बेटों क्षितिज और सागर ने कभी भी अपने पिता के बारे में जानने में रुचि नहीं दिखाई। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उनके पति कभी भी अपने बच्चों से कनेक्टेड नहीं थे। उर्वशी ने 16 साल की उम्र में शादी की और दो साल बाद तलाक ले लिया जब वह केवल 18 साल की थीं। 'कसौटी जिंदगी की' में कोमोलिका की भूमिका निभाने के लिए मशहूर टीवी एक्ट्रेस उर्वशी ढोलकिया ने अपने पहले पति से तलाक के बारे में बात की और बताया कि कैसे उन्होंने एक अकेली मां के रूप में अपने बच्चों को पाला है।

तलाक के सालों बाद छलका दर्द

उर्वशी ने खुलासा किया कि उनके जुड़वां बेटों ने कभी भी अपने पिता के बारे में जानने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। एक्ट्रेस ने कहा, 'हमने बातचीत की है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा है अब हम ये सब नहीं जानना चाहते हैं। मैंने उन्हें बताने की बहुत कोशिश की, लेकिन वे कुछ नहीं जानना नहीं चाहते थे। फिर मैं भी भूल गई इस बारे में कुछ भी बात करना।' उर्वशी ने अपने एक्स पति के बारे में बात करते हुए खुलासा किया, 'वह कभी भी अपने बच्चों के संपर्क में नहीं थे। जब वे डेढ़ साल के हुए तब से उनकी कोई बात अपने पापा से नहीं हुई है। जब मैं 18 साल की हुई, तब तक मैं एक मां के साथ-साथ एक पिता भी बन चुकी थी।'

एक्ट्रेस ने कमरे में खुद को किया बंद

उर्वशी ने यह भी बताया कि वह तलाक के बाद कैसे टूट गई और इन सबसे कैसे बहार आईं। उन्होंने कहा, 'एक समय ऐसा भी था जब मैंने खुद को एक महीने के लिए एक कमरे में बंद कर लिया था, ताकि मैं खुद को तलाक के बाद शांत कर सकूं। मैंने खुद को पूरी तरह से बंद कर लिया और किसी से बात नहीं की। बस यह पता लगाने के लिए कि इस मामले में आगे कैसे बढ़ना है।' बता दें कि हाल ही में एक्ट्रेस को सुपरहीरो वेब सीरीज 'पावर ऑफ पांच' में देखा गया था, जिसमें उन्होंने डीजीपी आस्मा मजहर का किरदार निभाया है।

सोनू सूद ने धोखाधड़ी मामले में दी सफाई, अरेस्ट वारंट मिलने के बाद बोले- 'बहुत दुख की बात है'

लुधियाना की एक अदालत से धोखाधड़ी के मामले में सोनू सूद के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया गया है, जिसके बाद एक्टर ने सोशल मीडिया पर इस मामले पर पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ते हुए सफाई दी है। एक्टर का कहना है कि इससे उनका कोई लेना-देना नहीं है।

सोनू सूद ने धोखाधड़ी मामले में दी सफाई

लुधियाना की एक अदालत ने धोखाधड़ी के मामले में सोनू सूद के खिलाफ गैर-जमानती अरेस्ट वारंट जारी किया है। इसके बाद एक्टर सोनू सूद ने आधिकारिक तौर पर इस मामले के बारे में खुलकर बात की और सच का खुलासा किया है। लुधियाना की न्यायिक मजिस्ट्रेट रमनप्रीत कौर ने वारंट जारी किया था। धोखाधड़ी मामले में शुक्रवार की सुबह अब सोनू ने अपने एक्स अकाउंट पर एक नोट शेयर कर कहा कि उन्हें इस मामले में 'गवाह' बनने के लिए बुलाया गया था, जिससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने इस मामले में सख्त कार्रवाई करने की भी मांग की।

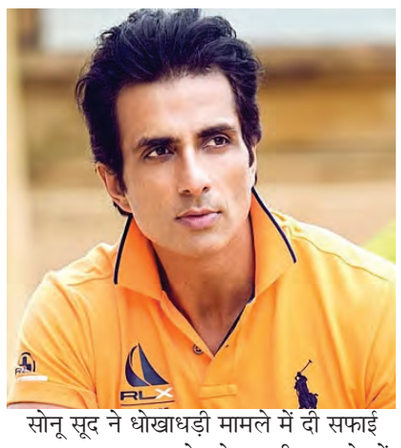

सोनू सूद ने धोखाधड़ी मामले में दी सफाई

एक्स पर एक्टर ने धोखाधड़ी मामले में अरेस्ट वारंट मिलने की खबर के बाद लिखा, 'हमें यह स्पष्ट करना होगा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रही खबरें मेरे लिए सनसनीखेज हैं। मामले को सीधे तौर पर कहें तो हमें माननीय न्यायालय द्वारा तीसरे पक्ष से संबंधित मामले में गवाह के तौर पर बुलाया गया था, जिससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है। हमारे वकीलों ने जवाब दे दिया है और 10 फरवरी 2025 को हम एक और बयान देंगे, जिसमें इस मामले में मैं अपनी बेगुनाही के सबूत आपके सामने भी पेश करूंगा।'

अटेंशन के लिए बदनाम किया

बयान के अंत में सोनू ने कहा, 'हम न तो ब्रांड एंबेसडर हैं और न ही हम किसी भी तरह से इस मामले से जुड़े हुए हैं। यह सिर्फ मीडिया का ध्यान खींचने के लिए किया गया है। यह दुखद है कि सेलेब्स को आसानी से निशाना बना दिया जाता है। हम इस मामले में सख्त कार्रवाई करेंगे।' जानकारी के लिए बता दें कि इस मामले की अगली सुनवाई 10 फरवरी को होनी है।

लुधियाना के न्यायिक मजिस्ट्रेट रमनप्रीत कौर ने यह वारंट जारी किया था। वहां के वकील राजेश खन्ना ने 10 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था। उनका आरोप है कि मुख्य आरोपी मोहित शुक्ला ने उन्हें रिजिका कॉइन में निवेश करने का लालच दिया था। इसी मामले में अदालत ने सोनू सूद को गवाही देने के लिए समन भेजा था, जिसके बाद वह कोर्ट नहीं पहुंचे और उनके नाम पर अरेस्ट वारंट जारी किया। मुंबई के अंधेरी वेस्ट स्थित ओशिवारा पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी को सोनू सूद को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया। काम की बात करें तो सोनू को आखिरी बार एक्शन थ्रिलर फिल्म 'फतेह' में देखा गया था। इस फिल्म से उन्होंने बतौर निर्देशक भी डेब्यू किया था।

क्या है मामला?

यह मामला लुधियाना के वकील राजेश खन्ना की ओर से दायर किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि मोहित शुक्ला नाम के व्यक्ति ने उनके साथ 10 लाख रुपये की ठगी की। वकील का कहना है कि मोहित शुक्ला ने उन्हें झांसा देकर एक फर्जी 'रिजिका कॉइन' में निवेश करने के लिए बहलाया था और इस मामले में सोनू सूद को गवाही देनी थी।

गिल-अय्यर नहीं रोहित ने अक्षर को दिया जीत का श्रेय, प्रभावित होकर बोले- हमें यही चाहिए था

भारत ने गुरुवार को इंग्लैंड पर पहले वनडे में चार विकेट से जीत के साथ सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया और चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियां शुरू कीं। नागपुर में खेले गए इस मैच में अक्षर पटेल ने पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए शानदार अर्धशतक जमाया। उनकी इस पारी की बदौलत टीम लक्ष्य के करीब पहुंची। अब भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भी स्टार ऑलराउंडर की तारीफ की है।

कप्तान ने की अक्षर की तारीफ

हिटमैन ने कहा- हमें मध्य में एक बाएं हाथ का खिलाड़ी चाहिए था। हम जानते हैं कि इंग्लैंड के कुछ स्पिनर हैं जो बाएं हाथ के बल्लेबाजों को गेंदबाजी करेंगे और हम चाहते थे कि बाएं हाथ का कोई बल्लेबाज मैदान पर हो। पिछले कुछ साल में हमने देखा है कि अक्षर एक क्रिकेटर के तौर पर कितना बेहतर हुआ है, खासकर अपने बल्ले से और आज हमें यह फिर देखने को मिला। हम उस समय थोड़ा दबाव में थे, हमें एक साझेदारी की जरूरत थी और गिल और अक्षर ने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की।

46 गेंदों में अक्षर ने जड़ा पचासा

श्रेयस अय्यर के आउट होने के बाद पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए अक्षर पटेल ने शुभमन गिल का साथ दिया और दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 100 से ज्यादा रनों की विशाल साझेदारी हुई, जिसे आदिल रशीद ने 34वें ओवर में तोड़ा। उन्होंने बाएं हाथ के बल्लेबाज अक्षर पटेल को बोल्ड किया। वह 47 गेंदों में 52 रन बनाकर लौटे। उन्होंने 46 गेंदों में अपने वनडे करियर का तीसरा अर्धशतक पूरा किया।

मैच में क्या हुआ

इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 47.4 ओवर में 248 रन बनाए। जवाब में भारत ने 38.4 ओवर में छह विकेट पर 251 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। वनडे विश्व कप 2023 के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने आठ में से सात वनडे मैच गंवाए हैं। अब टीम इंडिया की नजर दूसरे वनडे में जीत के साथ अजेय बढ़त बनाने पर होगी। यह मुकाबला कटक में नौ फरवरी को खेला जाएगा।

चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों पर जोर दे रही भारतीय टीम

मुकाबला समाप्त होने के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनकी टीम चैंपियंस ट्रॉफी से पहले खामियों को दूर करना चाहती है। इसकी शुरुआत इंग्लैंड पर पहले वनडे में जीत के साथ हो गई है। उन्होंने कहा- कुछ खास नहीं। कुल मिलाकर एक टीम के तौर पर, मैं बस यही चाहता हूं कि हम यह सुनिश्चित करते रहें कि हम यथासंभव सही चीजें करते रहें। ऐसा कुछ खास नहीं है जिसे हम हासिल करने की कोशिश करना चाहते हैं। हम गेंदबाजी, बल्लेबाजी और इस तरह की चीजों के मामले में हर संभव कोशिश करना चाहते हैं। इसलिए हम आज ऐसा करने में काफी हद तक सफल रहे। हालांकि मुझे लगा कि हमें अंत में वे विकेट नहीं गंवाने चाहिए थे। खिलाड़ी गेंदबाजों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं और ऐसा करते समय ऐसी चीजें हो सकती हैं।

'मैं काफी खुश हूं'

रोहित ने आगे कहा- मैं काफी खुश हूं क्योंकि हम सभी जानते थे कि हम इस प्रारूप में लंबे समय बाद खेल रहे हैं इसलिए हमारे लिए यह महत्वपूर्ण था कि हम जल्द से जल्द फिर से एकजुट हों और समझें कि क्या करना है। यह थोड़ा लंबा प्रारूप है जहां आपके पास खेल में वापसी करने का समय होता है। जब चीजें आपसे थोड़ी दूर जाने लगती हैं तो इसका मतलब यह नहीं है कि यह दूर होती रहेगी। आपको वापसी करने कोशिश करनी होती है और हमने ठीक यही किया। इसका श्रेय सभी गेंदबाजों को जाता है, सभी ने इस प्रदर्शन में अपना योगदान दिया और हमारे लिए इसे जारी रखना महत्वपूर्ण और जरूरी था।

जीत के बाद क्या बोले शुभमन गिल

इंग्लैंड के खिलाफ इस जीत में शुभमन गिल का भी अहम योगदान रहा। उन्होंने 96 गेंदों में 87 रनों की पारी खेलकर टीम की जीत सुनिश्चित की। उन्होंने 60 गेंदों में अपने करियर का 14वां अर्धशतक पूरा किया। मुकाबले के बाद उपकप्तान ने कहा- मैं बस सकारात्मक रहने की कोशिश कर रहा था। नई गेंद के साथ तेज गेंदबाजों के लिए इसमें थोड़ी बहुत संभावना थी। इसलिए विचार प्रक्रिया यह थी कि बहुत अधिक बैकफुट पर नहीं जाएं और कुछ अच्छे क्रिकेट शॉट खेलें।

हर्षित राणा ने अब कन्कशन सब्सटीट्यूट मुद्दे पर दिया पहला बयान, आलोचकों को लिया आड़े हाथ

भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया की प्लेइंग 11 में तेज गेंदबाज हर्षित राणा को भी जगह मिली जिसमें उन्होंने अपने डेब्यू वनडे मैच में ही कमाल दिखाते हुए कुल तीन विकेट हासिल किए। हर्षित राणा के लिए पिछले कुछ महीने काफी शानदार रहे हैं जिसमें उनको टीम इंडिया की तरफ से तीनों ही फॉर्मेट में डेब्यू करने का मौका मिला है। इसमें सबसे खास डेब्यू टी20 में रहा जो अब तक फैंस और क्रिकेट एक्सपर्ट के बीच एक चर्चा का विषय बना हुआ है। हर्षित को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले खेली गई टी20 सीरीज के चौथे मुकाबले में अचानक कन्कशन सब्सटीट्यूट के तौर पर टीम में शामिल किया गया जिसमें वह शिवम दुबे की जगह पर आए थे। इस बदलाव को लेकर कई पूर्व खिलाड़ियों आलोचना भी की थी, जिसपर अब हर्षित राणा का बयान सामने आया है।

हर्षित ने कहा मैं इन सब चीजों पर ध्यान नहीं देता

हर्षित राणा ने कन्कशन सब्सटीट्यूट के मुद्दे पर इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि लोग तो हमेशा बातें करते रहेंगे। मैं इस तरह के मुद्दों पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं देता हूं। मेरा काम मैदान पर अच्छा खेलना है जिससे टीम के लिए कुछ बेहतर कर सकूं। मैं सिर्फ अपने देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं और बाकी बाहर क्या बातें हो रही हैं, इसपर मेरा कोई ध्यान नहीं होता है। वहीं हर्षित ने अपने वनडे डेब्यू मैच में मिले अनुभव को लेकर भी कहा कि ये फॉर्मेट थोड़ा कठिन है क्योंकि आपको 10 ओवर्स की गेंदबाजी में अलग-अलग तरह की चुनौतियों का सामना करना होता है। हालांकि आप लगातार अच्छी प्रैक्टिस से इसे बेहतर संभाल सकते हैं।

डेब्यू मैच में ही बना दिया खास रिकॉर्ड

भारतीय टीम की तरफ से खेलते हुए हर्षित राणा अब पहले टीम इंडिया के गेंदबाज बन गए हैं जिन्होंने तीनों ही फॉर्मेट में अपने डेब्यू मैच में तीन विकेट पारी में हासिल किए हैं। हर्षित ने अब तक खेले 2 टेस्ट मैचों में जहां 4 विकेट हासिल किए हैं तो वहीं एक-एक वनडे और टी20 मैच में वह 3-3 विकेट अपने नाम कर चुके हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी खेलना है जिसमें हर्षित को जसप्रीत बुमराह के बैकअप के तौर पर रिजर्व खिलाड़ी की लिस्ट में शामिल किया गया है।

दूसरे वनडे में होगी विराट कोहली की वापसी? उपकप्तान शुभमन गिल ने दिया बड़ा अपडेट

भारत और इंग्लैंड के बीच जारी तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला रविवार (09 फरवरी) को कटक में खेला जाएगा। इस मैच में दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली वापसी करेंगे। इसकी जानकारी टीम के उपकप्तान शुभमन गिल ने दी। उन्होंने किंग कोहली की फिटनेस को लेकर चल रही आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि वह दूसरे वनडे में वापसी करेंगे।

दाएं घुटने में सूजन के कारण नहीं खेल पाए थे कोहली

पिछले मैच में कोहली अपने दाएं घुटने में सूजन के कारण नहीं खेल पाए थे। उनकी जगह श्रेयस अय्यर को प्लेइंग 11 में शामिल किया गया था। कोहली की इस परेशानी ने भारतीय टीम की चिंताएं बढ़ा दीं थीं। दरअसल, टीम इंडिया को 19 फरवरी से शुरू हो रही चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई जाना है। आगामी टूर्नामेंट की तैयारी को देखते हुए यह काफी महत्वपूर्ण है।

दूसरे वनडे में खेलेंगे कोहली

नागपुर में पहले वनडे में 87 रन बनाकर भारत की चार विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाने वाले गिल ने डिजनी हॉटस्टार से कहा, उनकी (कोहली) चोट गंभीर नहीं है। उन्होंने बुधवार को अच्छा अभ्यास किया था लेकिन गुरुवार की सुबह उनके घुटने में कुछ सूजन थी। वह निश्चित रूप से दूसरे वनडे में वापसी करेंगे।

अपनी अर्धशतकीय पारी पर क्या बोले गिल

शीर्ष क्रम के इस बल्लेबाज ने कहा कि वह पहले वनडे में शतक को ध्यान में रखकर नहीं खेल रहे थे। उन्होंने कहा, नहीं मैं अपने शतक के बारे में नहीं सोच रहा था। मैं क्षेत्ररक्षण की सजावट पर ध्यान केंद्रित कर रहा था और उसी के अनुरूप अपने शॉट खेल रहा था। मैं गेंदबाज पर हावी होने की कोशिश कर रहा था।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने में परेशानी महसूस कर रहे गिल?

गिल वनडे में पारी की शुरुआत करते रहे हैं लेकिन उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में उन्हें तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने में कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने कहा, मैं टेस्ट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करता हूं इसलिए मुझे बहुत अधिक सामंजस्य नहीं बिठाना नहीं पड़ा। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना बेहद चुनौती पूर्ण होता है क्योंकि आपको खेल की स्थिति के अनुसार खेलना होता है।

गिल ने कहा, अगर टीम ने जल्दी विकेट खो दिया हो तो फिर आपको संभल कर बल्लेबाजी करने होती है। अगर टीम को अच्छी शुरुआत मिली हो तो आपको उसे आगे बढ़ाना होता है। मैं मैच की स्थिति के अनुसार खेलता हूं।

देश के तीन निशानेबाजों ने बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड सटीक और अचूक निशाने से पदक पर कब्जा

राष्ट्रीय खेलों के तहत महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज की त्रिशूल शूटिंग रेंज में 10 दिन तक चली स्पर्धाओं का बृहस्पतिवार को समापन हो गया। इन स्पर्धाओं में देशभर के निशानेबाजों ने न सिर्फ अपने सटीक और अचूक निशाने से पदक हासिल किया बल्कि नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया।

10 मीटर एयर राइफल क्वालीफिकेशन में हरियाणा की रमिता जिंदल ने शानदार प्रदर्शन कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। जबकि मध्यप्रदेश की आशी चौकसे भी 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन की क्वालीफिकेशन राउंड में और तमिलनाडु की पूर्व विश्व कप विजेता निशानेबाज नर्मदा नितिन राजू ने भी राष्ट्रीय खेलों में अपनी प्रबल प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए 10 मीटर एयर राइफल में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।

पुराने रिकॉर्ड धराशायी

रमिता ने एयर राइफल स्पर्धा में 634.9 स्कोर किया था, जो पेरिस ओलंपिक-2024 खेलों में कोरिया के बान ह्योजिन के 634.5 से अधिक है। जबकि भारतीय निशानेबाज मेहुली घोष ने बाकू में साल 2023 विश्व चैंपियनशिप में क्वालीफिकेशन में 634.5 का स्कोर बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया था। जबकि आशी ने भी अपनी अचूक निशाने से शूटिंग के पुराने रिकॉर्ड धराशायी कर दिए।

उन्होंने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन महिला वर्ग के क्वालीफिकेशन राउंड में 598 अंक हासिल किए था। उन्होंने 2023 के आइएसएसएफ नेशनल चैंपियनशिप में सिफ्त कौर सामरा के 594 अंक को पीछे छोड़ किसी भी भारतीय शूटर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड से भी 2 अंक ज्यादा है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता न होने के कारण इसे आधिकारिक वर्ल्ड रिकॉर्ड नहीं माना जाएगा।

उधर 23 वर्षीय नर्मदा ने 254.4 का स्कोर बनाकर न सिर्फ राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया बल्कि फाइनल मुकाबले में एशियाई खेलों की पदक विजेता रमिता जिंदल और ओलंपियन एलावेनिल वलारिवन को पछाड़ते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। देश भर से आए निशानेबाजों ने कहा, दून में बनाई गई शूटिंग रेंज देश में कहीं भी नहीं है।

'फ्रेंचाइजी क्रिकेट में मार्गदर्शक आईपीएल', एसए-टी20 लीग के कमिश्नर ग्रीम स्मिथ ने की तारीफ

एसए 20 को दुनिया की दूसरी सर्वश्रेष्ठ लीग बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए इसके कमिश्नर ग्रीम स्मिथ ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी क्रिकेट में अगुआ है और वे उससे लगातार सीख रहे हैं। स्मिथ ने एसए 20 के तीसरे सत्र के दौरान कहा, 'बीसीसीआई और आईपीएल ने हमारी काफी मदद की है और हर फैसला लेने में हमारा मार्गदर्शन किया है। आईपीएल अभी तक फ्रेंचाइजी क्रिकेट में अगुआ रहा है और हम उससे लगातार सीख रहे हैं।'

भारत और आईपीएल के पूर्व दिग्गज दिनेश कार्तिक एसए20 में खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बने जिनकी टीम पार्ल रॉयल्स गुरुवार को दूसरे क्वालिफायर में दो बार की चैम्पियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप से हार गई। भविष्य में लीग में और भारतीय खिलाड़ियों के खेलने की संभावना के बारे में पूछने पर स्मिथ ने कहा कि अगर वे उपलब्ध होते तो ऐसा अवश्य संभव होगा।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ने कहा, 'हम हमेशा कहते आए हैं कि हम भविष्य को

लेकर बीसीसीआई से बात करते रहते हैं। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट को भारतीय क्रिकेटरों से प्यार हैं। जब भी वे यहां आते हैं तो उनकी प्रतिभा को देखकर हम दंग रह जाते हैं।' उन्होंने कहा, 'अगर भारतीय खिलाड़ी उपलब्ध होते तो हम उन्हें जरूर बुलाते, लेकिन अभी ऐसा नहीं है। हमारी बात होती रहती है और संभवतः आईपीएल के समय मैं भारत जाऊंगा। हमारे उनसे बहुत अच्छे संबंध है और मैं खुशकिस्मत हूं कि दो साल आईपीएल खेला है। पहले सत्र में 2008 में राजस्थान रॉयल्स के साथ खिताब भी जीता था।'

मुंबई इंडियंस केपटाउन और दो बार की चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के बीच शनिवार को वांडरर्स पर होने वाला तीसरे सत्र का फाइनल लीग का 101वां मैच भी होगा। इसके बारे में बात करके स्मिथ भावुक हो गए। दक्षिण अफ्रीका को रिकार्ड 54 टेस्ट जिताने वाले इस बेहतरीन खिलाड़ी ने कहा, 'जब मुझे दूसरे क्वालीफायर में बताया गया कि यह सौवां मैच है तो पहले कर्मचारी को रखने से लेकर छह आईपीएल टीमों को इसमें शामिल करने तक की हर बात मेरे जेहन में घूम गई। लीग को यहां तक लाने में काफी लोगों की मेहनत लगी है। पहली बार टीमों से मिलना, पहली नीलामी, मैदान पर खिलाड़ियों का प्रदर्शन सब याद आता चला गया।'

उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व होता है कि दक्षिण अफ्रीका ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों को यह लीग पसंद आ रही है। उन्होंने कहा, 'जब शुरूआत की जाती है तो हर कदम लक्ष्य हासिल करने की ओर बढने जैसा लगता है। प्रसारकों को लाना, व्यवसाय मॉडल बनाना, टीमों को लुभाना सब कुछ। मैं आईपीएल की छह टीमों का शुक्रगुजार हूं जिन्होंने लीग को बड़ा करने में मदद की।'

पोंटिंग से इस मामले में आगे निकले स्मिथ, शीर्ष ऑस्ट्रेलियाई बने, द्रविड़ के रिकॉर्ड से महज 14 कदम दूर

श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकबला गॉल में जारी है। श्रीलंका की पहली पारी 257 रन पर सिमट गई थी। इस पारी में ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने दो कैच लपके। इसी के साथ उन्होंने टेस्ट में एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। वह टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा कैच (गैर-विकेटकीपर) लेने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इस मामले में स्मिथ ने ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ दिया। अब स्मिथ की नजर महान राहुल द्रविड़ के रिकॉर्ड पर है। टेस्ट में सबसे ज्यादा कैच लेने का रिकॉर्ड द्रविड़ के नाम है।

गॉल में दूसरे टेस्ट में स्मिथ ने बनाया रिकॉर्ड

दरअसल, गॉल टेस्ट में श्रीलंका की पहली पारी के दौरान स्मिथ ने कामिंदु मेंडिस और प्रभात जयसूर्या के कैच लपके। दो कैच के साथ ही उनके नाम 116* टेस्ट में 197 कैच हो गए हैं। वहीं, पोंटिंग के नाम 168 टेस्ट में 196 कैच थे। स्मिथ ने एक पारी में अधिकतम पांच कैच लपके हैं, जबकि पोंटिंग ने अधिकतम तीन कैच लपके थे। इसी के साथ स्मिथ टेस्ट में सबसे ज्यादा कैच लेने के मामले में पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे दक्षिण अफ्रीका के जैक कैलिस, श्रीलंका के महेला जयवर्धने, इंग्लैंड के जो रूट और द्रविड़ हैं।

ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा कैच (गैर विकेटकीपर)

खिलाड़ी	मैच	कैच	एक पारी में अधिकतम कैच
स्टीव स्मिथ	116*	197	5
रिकी पोंटिंग	168	196	3
मार्क वॉ	128	181	4
मार्क टेलर	104	157	4

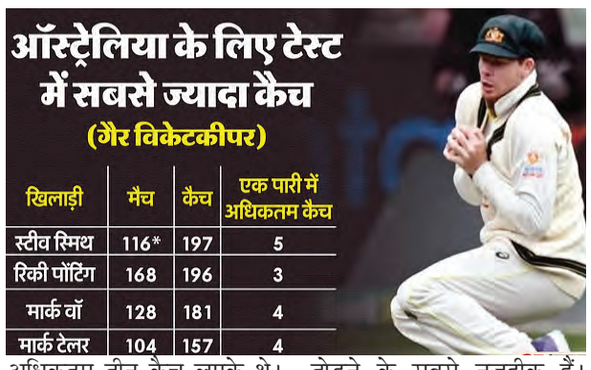

सबसे ज्यादा कैच के मामले में द्रविड़ शीर्ष पर

द्रविड़ के नाम टेस्ट में 210 कैच हैं, जबकि रूट 207 कैच के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जयवर्धने ने अपने टेस्ट करियर में कुल 205 कैच लपके, जबकि कैलिस के नाम 200 कैच हैं। रूट फिलहाल वनडे खेल रहे हैं। वह भारत दौरे पर इंग्लैंड की टीम का हिस्सा हैं। रूट द्रविड़ का रिकॉर्ड तोड़ने के सबसे नजदीक हैं। इंग्लैंड को अब सीधे जून में कोई टेस्ट खेलना है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेलेगी। ऐसे में स्मिथ के पास बाकी चार खिलाड़ियों को पीछे छोड़ने का मौका होगा। स्मिथ को पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया का कप्तान नियुक्त किया गया है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम चोट से जूझ रही

ऑस्ट्रेलियाई टीम फिलहाल चोट से जूझ रही है। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले टीम को चार बड़े झटके लगे हैं। मिचेल मार्श और मार्कस स्टोइनिस के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद अब कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड भी टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। कमिंस टखने में चोट से जूझ रहे थे, जबकि हेजलवुड को भी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान चोट लगी थी। अब चैंपियंस ट्रॉफी की 15 सदस्यीय टीम में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को चार बदलाव करने पड़ेंगे। इसकी अंतिम तारीख 12 फरवरी है।

इन खिलाड़ियों को श्रीलंका सीरीज तक रोका गया

मिचेल मार्श को पीठ में चोट लगी थी और वह इससे उबर नहीं सके हैं, जबकि स्टोइनिस ने गुरुवार को ही वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। ऐसे में चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलियाई टीम की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। कमिंस के बाहर होने के बाद अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया स्टीव स्मिथ या ट्रेविस हेड में से किसी को टीम की कमान सौंप सकता है। लेग स्पिनर तनवीर सांघा, शॉन एबॉट और कूपर कोनोली को श्रीलंका के खिलाफ वनडे मैच तक रोका गया है। इसके अलावा जेक फ्रेजर मैकगर्क, ऑलराउंडर बेन ड्वारशुइस और पेसर स्पेंसर जॉनसन को भी श्रीलंका के खिलाफ वनडे तक रोका गया है।

वित्तमंत्री के बाद आरबीआई ने आम लोगों को दी बड़ी राहत, 56 महीने बाद रेपो रेट में कटौती

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। देश के सेंट्रल बैंक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी ने देश के करोड़ों होम लोन बायर्स को बड़ी राहत देते हुए ब्याज दरों में कटौती की है. आरबीआई एमपीसी ने रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती की है. जिसके बाद रेपो दरें 6.50 फीसदी से कम होकर 6.25 फीसदी हो गई है. आरबीआई ने करीब 56 महीने के बाद यानी मई 2020 के बाद रेपो रेट में कटौती की है. वहीं करीब दो साल के बाद रेपो दरों में कोई बदलाव देखने को मिला है. फरवरी 2023 से ब्याज दरों में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला था. खास बात तो ये है कि आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की यह पहली आरबीआई मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग है. जिसमें उन्होंने पहली ही बार में आम लोगों को बड़ी राहत दी है.

56 महीने के बाद कटौती

आरबीआई एमपीसी ने 56 महीने के बाद रेपो रेट में कटौती की है. आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के अनुसार रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती की गई है. जिसके बाद रेपो रेट 6.25 फीसदी पर आ गए हैं. रेपो दरों में इस कटौती से आम लोगों को बड़ी राहत मिलती हुई दिखाई देगी. जानकारों की मानें तो देश के लोगों की लोन ईएमआई खासकर होम लोन ईएमआई कम होगी. एक ही हफ्ते में आम लोगों के लिए दूसरा तोहफा होगा. कुछ दिन पहले देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 12 लाख रुपए की सालाना कमाई को टैक्स से मुक्त कर दिया है. अब देश के होम लोन बायर्स बड़ी राहत देते हुए लोन ईएमआई को कम कर दिया गया है. जानकारों की मानें तो आने वाली बाकी मीटिंग्स में लोन ईएमआई के कम होने का सिलसिला जारी रह सकता है.

कितनी रहेगी ग्रोथ

आरबीआई गवर्नर के अनुसार वित्त वर्ष 2026 में देश की ग्रोथ 7 फीसदी से कम यानी 6.75 फीसदी देखने को मिल सकती है. उन्होंने पहली तिमाही के लिए ग्रोथ रेट का अनुमान 6.7 फीसदी देखने को मिल सकता है. जबकि दूसरी तिमाही में इजाफा होकर 7 फीसदी रह सकता है. जबकि तीसरी और चौथी तिमाही में देश की जीडीपी का अनुमान 6.5 फीसदी देखने को मिल सकता है. खास बात तो ये है कि दिसंबर पॉलिसी मीटिंग में पहली तिमाही में ग्रोथ रेट 6.9 फीसदी रखा था. जबकि दूसरी तिमाही में ग्रोथ 7.3 फीसदी था. दोनों तिमाही में 20 से 30 बेसिस प्वाइंट की कटौती देखने को मिली है.

महंगाई का ये रहा अनुमान

महंगाई को लेकर भी आरबीआई ने अपने अनुमान जारी किए हैं. मौजूदा वित्त वर्ष में महंगाई 4.8 फीसदी रहने का अनुमान है. वैसे चौथी तिमाही के महंगाई में 10 बेसिस प्वाइंट का इजाफा किया गया है. जिसे पिछले के 4.4 फीसदी से बढ़ाकर 4.5 फीसदी कर दिया है. वहीं वित्त वर्ष 2026 में महंगाई 4.2 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है. जबकि पहली तिमाही में 4.6 फीसदी रह सकती है. इससे पहले इसमें 4.5 फीसदी का रहने अनुमान जताया जा रहा है. दूसरी तिमाही में 4 फीसदी, तीसरी तिमाही में 3.8 फीसदी और चौथी तिमाही में 4.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया जा रहा है.लोन ईएमआई कम करने की डिमांड काफी समय से देखने को मिल रही थी. आरबीआई एमपीसी पर काफी दबाव भी देखने को मिल रहा था।

रतन टाटा की वसीयत में चौंकाने वाला नाम? जमशेदपुर के इस शख्स को मिल सकती है 500 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। टाटा समूह के दिग्गज दिवंगत रतन टाटा की वसीयत एक बार फिर सुर्खियों में है। उनके वसीयत में शामिल एक नाम ने टाटा परिवार के अलावे पूरे कारोबार जगत को चौंका दिया है। वह नाम है जमशेदपुर के एक करोबारी मोहिनी मोहन दत्ता का। मामले की जानकारी रखने वाले परिवार के लोगों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रतन टाटा ने अपनी वसीयत में करीब 500 करोड़ रुपये उनके नाम करने की बात कही है।

कौन हैं मोहिनी मोहन दत्ता मोहिनी मोहन दत्ता जिनकी उम्र फिलहाल 80 साल से अधिक है पहली बार रतन टाटा से 1960 के दशक में मिले। उस समय 24 साल की उम्र में रतन टाटा ने टाटा स्टील में काम शुरू किया था। उसी दौरान डीलर्स होस्टल में उनकी मुलाकात दत्ता से हुई। इस मुलाकात ने आने वाले वर्षों में दत्ता की जिंदगी पूरी तरह से बदल दी। अक्तूबर 2024 में रतन टाटा के निधन के बाद दत्ता ने उन्हें याद कर बताया, हम पहली बार जमशेदपुर के डीलर्स हॉस्टल में मिले। तब रतन टाटा की उम्र महज 24 साल थी। उन्होंने मेरी मदद की और असल में मुझे तैयार किया। शुरुआत दिनों की यह जान-पहचान रतन टाटा और मोहिनी मोहन दत्ता दोनों के लिए पूरे जीवनकाल के लिए सार्थक जुड़ाव में बदल गया। दत्ता ने अपना करियर ताज ग्रुप के साथ शुरू किया और फिर उन्होंने अपना खुद का उद्यम, स्टैलियन ट्रैवल एजेंसी शुरू की। इसका 2013 में ताज ग्रुप ऑफ होटल्स के एक विभाग, ताज सर्विसेज के साथ विलय हो गया। उनके पास व्यवसाय में 80% हिस्सेदारी थी, जबकि शेष हिस्सा टाटा इंडस्ट्रीज के पास था। आगे चलकर एजेंसी का ताज के ट्रैवल डिवीजन के साथ विलय कर दिया गया, जिसका बाद में टाटा कैपिटल ने अधिग्रहण किया। बाद में इसे थॉमस कुक (इंडिया) को बेच दिया गया। अब टीसी ट्रैवल सर्विसेज़ के रूप में काम करते हुए, दत्ता निदेशक बने हुए हैं। उनके पास टाटा समूह की कंपनियों में भी शेयर हैं, जिनमें जल्द ही सूचीबद्ध होने वाली टाटा कैपिटल भी शामिल है।

सोना 91 रुपए सस्ता, चांदी 380 रुपए महंगी

एक किलो का दाम 95,000 के पार, इस साल 8,000 बढ़ा सोने का दाम

मुंबई,7 फरवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी आज शुक्रवार (7 फरवरी) को सोने के दाम में गिरावट और चांदी में तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 99 रुपए गिरकर 84,522 रुपए पर आ गया है। कल यह 84,613 रुपए पर बंद हुआ था। 1 किलो चांदी की कीमत कल के दाम से 380 रुपए बढ़कर 95,142 रुपए प्रति किलो हो गई है। कल चांदी का भाव 94,762 रुपए किलो था। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को अपना ऑल टाइम हाई बनाया था, तब ये 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी। इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना का दाम 76,583 रुपए से 7,939 रुपए बढ़कर 84,522 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,055 रुपए प्रति किलो से 9,087रुपए बढ़कर 95,142 रुपए पर पहुंच गया है।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,660 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,510 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 79,300 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 86,510 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,510 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,560 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 86,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 79,300 रुपये है।

बीते साल सोने का भाव 20.22% बढ़ा। वहीं, चांदी की कीमत में 17.19% की बढ़ोतरी हुई। 1 जनवरी 2024 को सोना 63,352 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 31 दिसंबर 2024 को 76,162 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं इस दौरान, एक किलो चांदी की कीमत 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 86,017 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज का ईपीएफओ 12 फरवरी को ओपन होगा

14 फरवरी तक कर सकते हैं निवेश, मिनिमम इन्वेस्टमेंट 14,868

मुंबई,7 फरवरी (एजेंसियां)। हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी ईपीएफओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए 12 फरवरी से ओपन हो रहा है। यह ईपीएफओ 14 फरवरी को क्लोज होगा। कंपनी इस पब्लिक इश्यू के जरिए 12.36 करोड़ शेयर्स बेचकर 8,750 करोड़ जुटाना चाहती है। यह भारत के आईटी सर्विसेज और एंटरप्राइज टेक सेगमेंट में अब तक का सबसे बड़ा ईपीएफओ होगा। अभी तक भारतीय आईटी सेक्टर में सबसे बड़ा 4,713 करोड़ रुपए का ईपीएफओ साल 2002 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज यानी टीसीएस का रहा था। यह ईपीएफओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है। कंपनी ने ईपीएफओ का प्राइज बैंड 674-708 प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। हेक्सावेयर के शेयरों का अलॉटमेंट 17 फरवरी को होगा। बीएसई और एनएसई दोनों पर 19 फरवरी को शेयर्स की लिस्टिंग होगी।प्रमोटर की कंपनी में 95.03% हिस्सेदारी कंपनी की प्रमोटर सीए मैग्नम होल्डिंग्स (कार्लाइल ग्रुप) हैं। प्रमोटर्स की कंपनी में 95.03% हिस्सेदारी है। हेक्सावेयर का मालिकाना हक अमेरिकी प्राइवेट इक्विटी फर्म कार्लाइल के पास है। कार्लाइल ने 2021 में बैरिंग प्राइवेट इक्विटी एशिया (अब ईक्यूटी) से लगभग 3 बिलियन डॉलर में हेक्सावेयर टेक्नोलोजीज को खरीदा था।

इस ईपीएफओ के लिए रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 21 शेयर्स के लिए अप्लाई कर सकते हैं। यदि आप ईपीएफओ के अपर प्राइज बैंड 708 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो आपको 14,868 का इन्वेस्टमेंट करना होगा।

वहीं रिटेल इन्वेस्टर्स ईपीएफओ के मैक्सिमम 13 लॉट यानी 273 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। जिसके लिए इनवेस्टर्स को मैक्सिमम 1,93,284 का इन्वेस्टमेंट करना होगा।

सरकार का अनुमान: प्याज उत्पादन 19% बढ़ेगा, टमाटर आलू की पैदावार में भी होगी वृद्धि

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)।सब्जियों की महंगाई में बड़ी भूमिका निभाने वाले प्याज, टमाटर और आलू की पैदावार चालू फसल वर्ष में बढ़ने की उम्मीद है। कृषि मंत्रालय ने 2024-25 के लिए जारी अपने पहले अनुमान में कहा, 25 जून को समाप्त होने वाले चालू फसल वर्ष में प्याज का उत्पादन 19 फीसदी बढ़कर 288.77 लाख टन पहुंच सकता है। एक साल पहले की समान अवधि में 242.67 लाख टन प्याज का उत्पादन हुआ था।मंत्रालय के मुताबिक, टमाटर का उत्पादन करीब 215.49 लाख टन रह सकता है, जो एक साल पहले के 213.23 लाख टन की तुलना में 1.06 फीसदी अधिक है। चालू फसल वर्ष में 595.72 लाख टन आलू की पैदावार होने की उम्मीद है, जो एक साल पहले की तुलना में 25.19 लाख टन अधिक है। सब्जियों की कुल पैदावार एक साल पहले के 2,072.088 लाख टन से बढ़कर 2,145.63 लाख टन पहुंच सकती है।

2.48 लाख टन बढ़ेगा फलों का उत्पादन

अनुमान के मुताबिक, फलों का कुल उत्पादन 2.48 लाख टन बढ़कर 1,132.26 लाख टन पहुंच सकता है। आम, अंगूर और केले का उत्पादन बढ़ने से यह वृद्धि संभव है। बागवानी फसलों का उत्पादन 176.66 लाख टन से बढ़कर 179.37 लाख टन पहुंचने की उम्मीद है।

इंफोसिस में छंटनी की खबर, मैसुरु कैंपस से 700 लोगों को निकालने के कारण हो रही आलोचना

नई दिल्ली,7 फरवरी (एजेंसियां)। आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी इंफोसिस में छंटनी की खबर आ रही है।

खबरों के अनुसार, इंफोसिस ने अक्तूबर 2024 में कैंपस भर्ती के जरिए बहाल किए गए लगभग 700 कर्मियों की सेवा समाप्त कर दी है। ऐसा कदम उठाने के लिए कंपनी को आलोचना झेलनी पड़ रही है। श्रम अधिकार समूह, नैसेंट इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एम्प्लॉइज सीनेट (एनआईटीईएस) ने कंपनी के कदम की निंदा करते हुए इसे ₹चौंकाने वाला और अनैतिक₹ बताया। नैसेंट ने श्रम और रोजगार मंत्रालय के साथ औपचारिक शिकायत दर्ज करने की योजना की भी घोषणा की है।

मनीकंट्रोल की एक अन्य रिपोर्ट में छंटनी किए गए कर्मियों की संख्या 400 बताई गई है।

इंफोसिस में छंटनियों का कारण क्या है?

रिपोर्ट के अनुसार, इंफोसिस ने कहा कि छंटनी आंतरिक योग्यता परीक्षाओं के बाद की गई। कंपनी के मैसुरु परिसर में आयोजित इन परीक्षाओं को फ्रेशर्स के लिए आधारभूत प्रशिक्षण के बाद पास करना अनिवार्य होता है।

खबरों के अनुसार, जो फ्रेशर्स अपने तीन प्रयासों में न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने में विफल रहे, उन्हें अल्टीमेटम पत्र सौंपे गए और नौकरी छोड़ने के लिए कहा गया। हालांकि, कर्मचारियों का आरोप है कि परीक्षा के पाठ्यक्रम और मानदंडों को बदल दिया गया था, जिससे उनके लिए पास करना कठिन हो गया। ईटी की रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

लंबे इंतजार के बाद की गई बड़े पैमाने पर छंटनी

प्रभावित कर्मचारियों में से अधिकांश 2022 के इंजीनियरिंग बैच के हैं। उन्हें अपनी ऑनबोर्डिंग के लिए 2.5 साल से अधिक समय तक इंतजार किया था। पिछले साल, 1,000 से अधिक इंजीनियरिंग स्नातकों को अंततः सिस्टम इंजीनियर (एसई) और डिजिटल एसई के रूप में शामिल किया गया था। जिनका वार्षिक वेतन 3.2 लाख रुपये से 3.7 लाख रुपये के बीच था।

एमपीसी के एलानों के बाद बाजार में उतार-चढ़ाव

सेंसेक्स 198 अंक गिरा, निफ्टी 23600 से नीचे

मुंबई, 7 फरवरी(एजेंसियां) सेंसेक्स और निफ्टी शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए। आरबीआई की ओर से ब्याज दरों में कटौती से बाजार को कोई बड़ा झटका नहीं लगा और विदेशी पूंजी निकासी के बीच निवेशकों ने मुनाफावसूली शुरू कर दी। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स लगातार तीसरे दिन गिरावट दर्ज करते हुए उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 197.97 अंक या 0.25 प्रतिशत गिरकर 77,860.19 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 582.42 अंक या 0.74 प्रतिशत गिरकर 77,475.74 अंक तक पहुंचा। एनएसई निफ्टी 43.40 अंक या 0.18 प्रतिशत गिरकर 23,559.95 पर आ गया।

आईटीसी के शेयरों में 2 प्रतिशत से अधिक की बढ़त

30 शेयरों वाली ब्लू-चिप कंपनी आईटीसी के शेयर में 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। कंपनी ने कमजोर मांग और इनपुट लागत में तीव्र वृद्धि के कारण दिसंबर तिमाही के लिए समेकित शुद्ध लाभ में 7.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ इसके 5,013.16 करोड़ रुपये रहने की जानकारी दी है। भारतीय स्टेट बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और पावरग्रिड के शेयर भी कमजोर हुए। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, चूंकि ब्याज दरों में कटौती से कोई बड़ा आश्चर्य नहीं हुआ, इसलिए निवेशकों को नए आरबीआई गवर्नर की टिप्पणियों में कुछ भी दिलचस्प नहीं लगा। बैंकिंग, तेल व गैस, एफएमसीजी और बिजली कंपनियों के शेयरों में एफआईआई की लगातार मुनाफावसूली ने निवेशकों को सतर्कता बरतने के लिए प्रेरित किया है। लाभ में रहने वाले शेयरों में टाटा स्टील में 4 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई।

भारतीय एयरटेल के शेयर चार प्रतिशत चढ़े

भारती एयरटेल के शेयर में लगभग 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, क्योंकि कंपनी ने बताया कि उसका समेकित शुद्ध लाभ पांच गुना से अधिक बढ़कर 16,134.6 करोड़ रुपये हो गया है। यह वृद्धि इंडस टावर कारोबार के समेकन और टैरिफ बढ़ोतरी के लाभ के कारण संभव हुई है। जोमैटो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट और टेक महिंद्रा भी लाभ में रहने वाले अन्य शेयर रहे। ब्याज दर संवेदनशील रियल्टी और ऑटो क्षेत्र के कुछ शेयर सकारात्मक दायरे में बंद हुए। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ₹व्यापक बाजार का प्रदर्शन कमजोर रहा, लेकिन मांग में वृद्धि की उम्मीद के बीच धातु क्षेत्र में तेजी आई।₹ नए गवर्नर के नेतृत्व में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सुस्त अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए शुक्रवार को लगभग पांच वर्षों में पहली बार प्रमुख बेंचमार्क दर में कटौती किए जाने के बाद आवास, ऑटो और अन्य ऋणों की ब्याज दरों में गिरावट आने की संभावना है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति ने रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती कर इसे 6.25 प्रतिशत कर दिया। मई 2020 के बाद यह पहली कटौती थी और ढाई साल बाद इसमें पहली बार बदलाव किया गया। मल्होत्रा ने दिसंबर में 2025 की अंतिम द्विमासिक एमपीसी बैठक के कुछ ही दिनों बाद शक्तिकांत दास की जगह ली थी।

उन्होंने अनुमान जताया है कि अप्रैल 2025 से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष में भारतीय अर्थव्यव0स्था 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जबकि मुद्रास्फीति दर घटकर 4.2 प्रतिशत हो जाएगी।

आरबीआई ने चालू वित्तीय वर्ष में वृद्धि दर 6.4% रहने का अनुमान जताया

31 मार्च को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए आरबीआई ने सरकारी अनुमान का हवाला देते हुए विकास दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, यह अनुमान चार वर्षों में सबसे खराब है और पूर्व के अनुमान 6.6 प्रतिशत से कम है। केंद्रीय बैंक ने मुद्रास्फीति दर 4.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

रेपो दर बचत और निवेश उत्पादों पर मिलने वाले रिटर्न भी तय करती है। उच्च रेपो दर से सावधि जमा और अन्य बचत साधनों पर बेहतर रिटर्न मिल सकता है। बैंक जमा को आकर्षित करने के लिए उच्च ब्याज दर प्रदान करते हैं। दूसरी ओर, कम रेपो दरें इन बचत उत्पादों पर अर्जित ब्याज को कम कर सकती हैं। एशियाई बाजारों में सियोल और टोक्यो में गिरावट रही, जबकि शंघाई और हांगकांग में तेजी रही। यूरोपीय बाजार अधिकतर गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। गुरूवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर बढ़त के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.73 प्रतिशत बढ़कर 74.83 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 3,549.95 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। गुरुवार को बीएसई का सेंसेक्स 213.12 अंक या 0.27 प्रतिशत गिरकर 78,058.16 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 92.95 अंक या 0.39 प्रतिशत गिरकर 23,603.35 अंक पर बंद हुआ था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर मे	मकर...	05-16 बजे
चंद्र-	मिथुन मे	कुंभ...	07-06 बजे
मंगल	मिथुन (व) मे	मीन...	08-43 बजे
बुध-	मकर मे	मेष...	10-19 बजे
गुरु-	वृष मे	वृष...	12-04 बजे
शुक्र-	मीन मे	मिथुन	14-04 बजे
शनि-	कुंभ मे	कर्क..	16-17 बजे
राहु-	मीन मे	सिंह...	18-29 बजे
केतु-	कन्या मे	कन्या...	20-35 बजे
		तुला....	22-41 बजे
		वृश्चिक..	00-52 बजे
		धनु.....	03-04 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य - उत्तरायणे - ऋतु - शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय -06-49 सूर्यास्त. -18-08
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले,
तिथि- एकादशी . 20-15 तक उपरान्त द्वादशी
मास - माघ शुक्ल , शनिवार 08 February
नक्षत्र - मृगशिरा 18-05 तक उपरान्त आर्द्रा
योग - वैधृति 14-03 तक उप विष्कुंभ
करण- वणिज 08-48 तक उप विष्टी
विशेष:-
व्रत -त्योहार - जया एकादशी व्रत सर्वे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:39 से 11:05 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06:49 - 08:13	अशुभ	लाभ	18:08 - 19:48	शुभ
शुभ	08:13 - 09:39	शुभ	उत्पात	19:48 - 21:22	अशुभ
रोग	09:39 - 11:05	अशुभ	शुभ.	21:22 - 22:56	शुभ
उत्पात	11:05 - 12:30	अशुभ	अमृत	22:56 - 24:30	शुभ
चंचल	12:30 - 13:56	शुभ	चंचल	00:30 - 02:04	शुभ
लाभ	13:56 - 15:22	शुभ	रोग ..	02:04 - 03:38	अशुभ
अमृत	15:22 - 16:48	शुभ	काल.	03:38 - 05:12	अशुभ
काल	16:48 - 18:08	अशुभ	लाभ.	05:12 - 06:49	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): दैनिक राशिफल आपका कोई करीबी शायद आपके कारण भावनात्मक उथल-पुथल के दायरे में है । आप एकदम से निष्कर्ष पर पहुच जाते हैं और इस बार भी आपने सही से समझे बिना ही इस व्यक्ति पर वफादार न होने का आरोप लगा दिया है । आपके लिए अच्छा यही होगा कि आप पहले शांति से बैठकर सही समय तक का इन्तजार करें और अच्छे से सोच लें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आप आज रियल एस्टेट से जुडा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं । सकारात्मक सोच आपकी शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है ,आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रोत्साहित करेगा । आप आध्यात्मिक विकास के साथ साथ जीवन की भौतिक खुशियों का भी आनंद ले पायेंगे । नयी सोच से समृद्धि हासिल होगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): अपने स्वतंत्र विचारों को अभिव्यक्त कर दें लेकिन आवाज को नीची रखें । पुरानी बातों में उलझे रहने के स्थान पर बदलाव के लिए जो कुछ जरूरी है उसपर फोकस करें । इस समय बेहतर यही होगा कि आप जिनके साथ रहते हैं उनके साथ विवादों में पड़ने की बजाय विवादों से दूर ही रहें । आज अपनी सेहत का विशेष निरिक्षण करें।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें । आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं और सबकी जरूरतों का ध्यान रखने के कारण आपकी लोकप्रियता भी है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं और आज आपको इसके लिए कई अच्छी संस्थाओं से प्रस्ताव भी मिलेंगे । छात्रवृति भी मिल सकती है । कोई आपका फायदा उठाने की ताक में है, प्रारम्भिक व्यवस्था करते हुए और सूचनाएं एकत्र करने में सावधान रहें । आपकों अपनी स्वास्थ्य सम्बन्धी आदतें सुधारनी होंगी नही तो आपकी सेहत खराब हो सकती है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज आप बिना किसी कारण के जिद्दी बने हुए हैं और सबके कहने तथा अपने खुद के मन की भी नही सुनना चाहते । आपको यह समझना है की इस रवैये से आपको कुछ हासिल नही होगा । आपको अपनी वर्तमान समस्याओं से पार पाने के लिए अपने दिल और दिमाग को खुला रखना होगा । जीवन में कई बार चीजें अपने हिसाब से होती हैं।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आप व्यवसायिक या निजी कारणों से यात्रा कर सकते हैं । हालाँकि इस समय आपके लिए यात्रा करना मुश्किल होगा लेकिन आप कर पायेंगे और इससे आपको लाभ भी होगा । जो लोग पहले आपकी उदारता को नही समझते थे ,अब उन्हें भी इसकी कीमत समझ आएगी । स्वस्थ्य सम्बन्धी छोटी समस्याओं से बचकर रहें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं । अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें । बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है । दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे ।अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें । सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं ,दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं । कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे । कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें । काम थोडा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें । आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आज स्वयं को भौतिक चीजों के मोह में फंसा अनुभव करेंगे,लेकिन किसी भी वस्तु को इतना कसकर न पकड़ें । बहाव के साथ बहना ही उपयुक्त है,सहज बने रहें । जब तक आपको जवाब नही मिल जाते ,अपना नजरिया दृढ ही रखें । दुसरे स्थान पर शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । इस बारे में दोस्तों और सहकर्मियों से बात करना सही रहेगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

आसाराम की डॉक्यूमेंट्री बनाने वाले खतरे में

डिस्कवरी चैनल की महिलाओं को दुष्कर्म की धमकियां सुप्रीम कोर्ट का आदेश– 7 राज्यों की पुलिस सुरक्षा दे

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। आसाराम के जिस 'कल्ट ऑफ फियर' की कहानी डिस्कवरी ने लोगों को दिखाई, उसे कर्मचारी खुद डरा हुआ महसूस कर रहे हैं। आसाराम समर्थकों के आतंक के चलते ओटीटी प्लेटफॉर्म डिस्कवरी प्लस के कर्मचारी खौफ में जी रहे हैं। खौफ भी ऐसा कि 100 से ज्यादा कर्मचारी दफ्तर नहीं आ रहे हैं और घरों में कैद होकर रह गए हैं।

डिस्कवरी ने डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'कल्ट ऑफ फियर: आसाराम बापू' बनाई है। जबसे यह रिलीज हुई, चैनल के कर्मचारियों को धमकियां मिल रही हैं।

कंपनी ने पुलिस में शिकायत की, मगर कार्रवाई नहीं हुई तो वह सुप्रीम कोर्ट पहुंची। दस्तावेज बताते हैं कि आसाराम समर्थक फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रुकवाने के लिए कई हथकंडे अपना रहे हैं।

डिस्कवरी कम्युनिकेशंस इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट में बताया कि कर्मचारियों का जीना दूभर हो गया है। चैनल ने कहा कि उसने सार्वजनिक रिकॉर्ड और अदालती गवाही के आधार पर डॉक्यूमेंट्री बनाई।

सुनवाई में सीजेआई संजीव खन्ना की बेंच ने कर्नाटक, महाराष्ट्र,

पश्चिम बंगाल, दिल्ली, हरियाणा, तेलंगाना और तमिलनाडु की पुलिस को कर्मचारियों अंतरिम सुरक्षा देने का आदेश दिया है।

जारी करनी पड़ी एडवायजरी, सार्वजनिक तौर पर अपनी पहचान बताने से बचें

डिस्कवरी इंडिया ने अपने कर्मचारियों से कहा है कि वे ऑफिस के बाहर कंपनी का आईडी कार्ड न टांगें।

सोशल मीडिया अकाउंट पर बायो से कुछ समय के लिए कंपनी का नाम हटा दें। अकेले यात्रा न करें। सार्वजनिक जगहों पर आसाराम या कंपनी के बारे में चर्चा से परहेज करें।

सोशल मीडिया पर कंपनी संबंधी भद्दे कमेंट पर प्रतिक्रिया न दें।

धरने और रैली की जगह जाने से परहेज करें। आपात स्थिति में कंपनी के हेल्पलाइन नंबर पर फोन करें।

कल्ट ऑफ फियर: डॉक्यूमेंट्री हटाने का दबाव

दफ्तर का घेराव : डॉक्यूमेंट्री रिलीज होने के एक दिन बाद 30 जनवरी को आसाराम समर्थक मुंबई-पुणे स्थित ऑफिस में घुसने लगे और तोड़-फोड़ कर डॉक्यूमेंट्री हटाने को कहा। इसी दिन हैदराबाद, बेंगलुरु और कोलकाता के ऑफिस को भी पत्रों व ई-मेल के जरिये धमकियां दी गईं। 1 फरवरी को दिल्ली व गुरुग्राम के कर्मचारियों को धमकियां दीं। प्रदर्शन भी किया।

महिला कर्मचारियों को दुष्कर्म की धमकी: महिला कर्मचारियों को महिला समर्थकों ने रास्ते में रोक कर गालियां दीं। कहा, 'तुमने बाबा पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। तुम्हें पता भी है दुष्कर्म कैसे होता है।' खौफ से महिलाओं ने खुद को घरों में बंद किया।

घर तक पीछा, धमकाया: मुंबई के कर्मचारियों का पीछा करते हुए समर्थक उनके घर पहुंच गए। धमकाया कि वे दबाव डालकर डॉक्यूमेंट्री हटवाएं। मुंबई-पुणे के बहुत से कर्मचारियों ने घर से निकलना बंद कर दिया।

सोशल मीडिया पर स्टॉकिंग: तमाम हथकंडे विफल होने लगे तो समर्थकों ने सोशल मीडिया पर कर्मचारियों की स्टॉकिंग शुरू कर दी। हर उस कर्मचारी को टारगेट किया, जिसने बायो में कंपनी का नाम लिख रखा था।

सड़क पर दौड़ाकर मारने की धमकी: बेंगलुरु में कर्मचारियों को सड़क पर दौड़ाकर पीटने और जान से मारने की धमकियां दी गईं। उन्हें 48 घंटे में डॉक्यूमेंट्री हटाने को कहा।

शंकर नगर कृष्णा पब्लिक स्कूल में बवाल

पेरेंट्स बोले–मोटी फीस वसूली, कहा–सीबीएसई बोलकर कराया एडमिशन सीजी बोर्ड से दिलवा रहे एग्जाम, हमारे बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़

रायपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। रायपुर के आरंग स्थित कृष्णा पब्लिक स्कूल (केपीएस) और शंकर नगर स्थित केपीएस में जमकर बवाल हुआ है। पेरेंट्स का आरोप है कि बच्चों को सीबीएसई बोर्ड के तहत पढ़ाई के लिए एडमिशन करवाया गया। अब स्कूल मैनेजमेंट 5वीं और 8वीं क्लास के बच्चों को सीजी बोर्ड के तहत एग्जाम दिलवा रहा है।

अभिभावकों ने कहा कि, स्कूल प्रबंधन उनके साथ धोखाधड़ी कर रहा है। सीबीएसई के पाठ्यक्रम और सुविधा देने के लिए मोटी फीस वसूल की गई। अब स्कूल प्रबंधन सरकार के बदले गए नियमों का हवाला दे रहा है। वहीं रायपुर डीईओ का कहना है कि स्कूलों को नोटिस दिया जा रहा है। पेरेंट्स गौरव चंद्राकर और तिलक देवांगन ने बताया कि आरंग के कृष्णा पब्लिक स्कूल के प्रबंधन ने एडमिशन के समय सीबीएसई से मान्यता होने की बात बताई थी। इसलिए बच्चों का एडमिशन स्कूल में करवाया। अब पांचवीं और आठवीं के एग्जाम से

पहले बच्चों को सीजी बोर्ड से परीक्षा देने की बात कह रहे हैं।

बच्चों को साल भर पढ़ाई सीबीएसई के पैटर्न और सिलेबस में ही कराई गई है। पालकों का कहना है कि, अब अचानक सीजी बोर्ड से बच्चे कैसे परीक्षा दे पाएंगे। दोनों का एजुकेशन सिस्टम से लेकर एग्जाम का पैटर्न ही अलग है।

पेरेंट्स का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन ने सैकड़ों बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने धोखे में रखकर एडमिशन करवाया है। आरंग स्थित केपीएस स्कूल के संचालक अभिषेक त्रिपाठी ने कहा कि जो होम एग्जाम है उसे होल्ड पर रखा जाएगा। जो सीजी बोर्ड का एग्जाम रहेगा, जिसकी टाइम टेबल आई है बच्चे इस एग्जाम को देंगे। अगले सत्र से बच्चों को नवा रायपुर स्थित स्कूल की ब्रांच में ट्रांसफर कर दिया जाएगा। गुरुवार को आरंग स्थित केपीएस में 5वीं और 8वीं की सीजी बोर्ड से परीक्षा कराने को लेकर अभिभावकों ने हंगामा किया। बड़ी संख्या में बच्चों के अभिभावक रायपुर के शंकर नगर बॉटल हाउस के पास स्थित कृष्णा पब्लिक स्कूल की शाखा में पहुंचे। परिजनों का कहना है कि उनके बच्चों को सालभर सीबीएसई के तहत पढ़ाया गया। अब अचानक सीजी बोर्ड से परीक्षा दिलाने की बात कहकर बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है। फिलहाल सभी अभिभावकों में स्कूल प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश है। इस मामले में रायपुर जिला शिक्षा अधिकारी विजय खंडेलवाल ने कहा कि कृष्णा पब्लिक स्कूल आरंग में जो समस्या आई है, फिलहाल उसकी डिटेल जानकारी नहीं है। इस मामले में पूछताछ कर रहे हैं। इसके साथ ही स्कूल प्रबंधन को नोटिस भी दिया जा रहा है, जिससे स्थिति साफ हो पाएगी। मामले में पेरेंट्स की मांग है कि स्कूल प्रबंधन बच्चों को अपने दूसरे ब्रांच से सीबीएसई की परीक्षा दिलवाए। इस पर रायपुर डीईओ का कहना है कि अगर बच्चा साल भर एक स्कूल में पढ़ रहा है तो यह नियम के खिलाफ है कि वह परीक्षा किसी दूसरे जगह से दे।

बुजुर्ग की मौत के बाद एसएनएमएमसीएच में बवाल

धनबाद, 7 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के धनबाद स्थित मृत मरीज के परिजनों ने एसएनएमएमसीएच के इमरजेंसी में खूब हंगामा मचाया। एक बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत के बाद परिजनों ने गुरुवार की रात इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए फर्नीचर और चिकित्सा उपकरणों की तोड़फोड़ की। कई जीवन रक्षक दवाएं भी फेंक दीं।

रोकने की कोशिश कर रहे कर्मियों से भी हाथापाई की। इस दौरान इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टर और कर्मी वहां से भाग निकले। सरायढेला थाने को खबर दी गई। ड्यूटी पर तैनात एक चिकित्सक ने बताया कि बिनोद नगर में रहने वाले 65 वर्षीय उदय शंकर राय को काफी गंभीर स्थिति में निजी अस्पताल से शाम 6 बजे लाया गया था। इमरजेंसी में जांच की गई। मरीज की सांस फूल रही थी। तुरत ऑक्सीजन लगाई गई। परिजनों को बताया गया कि मरीज को रांची के रिम्स रेफर कर रहे हैं।

पहली पत्नी के पीठ पीछे पति ने रचाई दूसरी शादी

महिला ने दूसरी वाइफ पर किया केस, हाई कोर्ट ने किया खारिज

रायपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने द्विविवाह के आरोप में एक महिला के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया है। न्यायालय ने कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 494, जो जीवित पति या पत्नी रहते हुए दूसरा विवाह करने पर सजा का प्रावधान करती है, दूसरी पत्नी पर लागू नहीं होती। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा की एकल पीठ ने ऐसे मामलों में दूसरी पत्नी की कानूनी स्थिति को स्पष्ट किया।

2011 में एक व्यक्ति ने अपनी पहली पत्नी के रहते हुए दूसरा विवाह किया। पहली पत्नी ने आईपीसी की धारा 494 के तहत द्विविवाह का मामला दर्ज कराया था। दूसरी पत्नी ने इस मामले को रद्द करने के लिए बीएनएसएस 2023 की धारा 528 के तहत याचिका दायर की। न्यायालय ने दूसरी पत्नी के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कहा कि उसे दूसरी शादी के वक्त पति की पहली शादी की जानकारी नहीं थी।

यह मामला 2006 में हुई पहली शादी से शुरू होता है। 2009 में इस दंपत्ति को एक बेटी हुई। बाद में, पति और उसके परिवार ने पहली पत्नी के साथ दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया। पति ने दूसरी शादी कर ली और पहली पत्नी को घर से निकाल दिया। पहली पत्नी को पता चला कि उसके पति ने मई 2011 में बिना तलाक दिए दूसरी शादी कर ली है। उसने शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुई। आखिरकार उसने अपने पति, दूसरी पत्नी और दो अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इस शिकायत के आधार पर आईपीसी की धारा 498-A, 494 और 34 के तहत मामला दर्ज किया गया। न्यायमूर्ति वर्मा ने अपने फैसले में आईपीसी की धारा 494 पर ध्यान केंद्रित किया। यह धारा जीवित पति या पत्नी के रहते हुए पुनर्विवाह से संबंधित है। न्यायालय ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह धारा केवल उन लोगों पर लागू होती है जो पहले से शादीशुदा हैं और फिर से शादी करते हैं। धारा 494 में लिखा है कि जिसका पति या पत्नी जीवित हो, वह विवाह करे। इसका सीधा सा मतलब है कि यह अपराध केवल उसी व्यक्ति द्वारा किया जा सकता है जिसका वैध विवाह पहले से ही मौजूद हो।

न्यायालय ने पाया कि दूसरी पत्नी उस समय अविवाहित थी जब उसने आरोपी से शादी की थी। इसलिए, वह धारा 494 के तहत अपराध की ज़रूरी शर्त को पूरा नहीं करती है। धारा 494 के लिए जरूरी है कि दूसरी शादी के समय पहला पति या पत्नी जीवित हो। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जो व्यक्ति अविवाहित है और किसी ऐसे व्यक्ति से शादी करता है जिसका पहले से विवाह है, वह धारा 494 के तहत दोषी नहीं है। दोष उस व्यक्ति का है जिसका पिछला विवाह वैध है।

बंद घर से 25 लाख के गहने और नकदी चोरी

शादी में गया था परिवार, दरवाजे पर लगे ताला को तोड़ अंदर घुसे थे चोर

जमशेदपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। जमशेदपुर के गोलमुरी थाना क्षेत्र में एक बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। टुइला डुंगरी निवासी मधुसूदन चौधरी के घर से चोरों ने 25 लाख रुपए के जेवरात और 35 हजार रुपए की नकदी चुरा ली। घटना उस समय हुई, जब परिवार एक शादी में गया हुआ था। घर लौटने पर परिवार ने देखा कि दरवाजे का ताला टूटा हुआ था और आलमारी में रखे सारे गहने और नकदी गायब थे। सूचना मिलते ही गोलमुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। यह घटना जमशेदपुर और सरायकेला में बढ़ती चोरी की घटनाओं का एक और उदाहरण है।

छत्तीसगढ़ वक्फ की 5000 करोड़ की प्रॉपर्टी होगी सार्वजनिक

रायपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में वक्फ बोर्ड के नाम पर जितनी भी प्रॉपर्टी है, सभी की जानकारी सार्वजनिक की जाएगी। कहां कितनी संपत्ति है, इसकी जानकारी मांगी गई है। इसे डिजिटल रिकॉर्ड में अपडेट किया जाएगा। संपत्ति की जानकारी छिपाने वालों या कब्जा करने वालों पर बोर्ड कार्रवाई भी करेगा। वक्फ के पास प्रदेशभर में 5000 करोड़ से ज्यादा की प्रॉपर्टी है।

चिट्ठी में सभी जिलों के मुतवल्लियों से मस्जिदों, मदरसों, दरगाहों, कब्रिस्तानों, दुकानों, कृषि भूमि, स्कूलों, और प्लॉट्स की जानकारी भेजने के निर्देश दिए गए हैं। इन दस्तावेजों को 12 फरवरी तक भेजने को कहा गया है। वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा करने के लिए इनकी जानकारी सेंट्रल पोर्टल में अपलोड की जाएगी।

आईआईटी दिल्ली करेगा अपलोड

संपत्ति की जानकारी को लेकर निर्देश केंद्र सरकार की ओर से आए हैं। पिछले दिनों संयुक्त संसदीय समिति वक्फ, लोकसभा सचिवालय और सचिव भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय नई दिल्ली की अध्यक्षता में एक बैठक हुई थी। इसके बाद छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने ये एक्शन लिया है। वक्फ की संपत्तियों का डिजिटाइजेशन आईआईटी दिल्ली करेगा।

डॉ सलीम राज ने बताया कि वक्फ के पास छत्तीसगढ़ में 5 हजार करोड़ की संपत्ति है। इसमें से 90 फीसदी पर कब्जा है। रिकॉर्ड निकाले जा रहे हैं, अवैध कब्जों से संपत्ति को खाली करवा कर इसे सही उपयोग में लाया जाएगा, इस दिशा में काम हो रहा है। कुछ महीने पहले तक बोर्ड के अध्यक्ष रहे सलाम रिजवी ने बताया था कि कब्जे की वजह से वक्फ बोर्ड की आय का बड़ा नुकसान हो रहा है। छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सलाम रिजवी बताते हैं कि, शहर में 3 हजार 500 करोड़ और ग्रामीण इलाकों में 1 हजार 500 करोड़ की संपत्ति है। बोर्ड के अफसरों के अनुसार, रायपुर, रायगढ़, राजनांदगांव, बिलासपुर, जगदलपुर, मुंगेली, धमतरी, दुर्ग सहित प्रदेश के अलग-अलग जिलों में 2006 संपत्तियां हैं।

32 सेकेंड में डेढ़ लाख रुपए लूटे

नकाबपोश बदमाशों ने ग्राहक सेवा केंद्र में की वारदात, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

पलामू, 7 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू जिले में अपराधियों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। पाटन थाना क्षेत्र के किशुनपुर में स्थित एक ग्राहक सेवा केंद्र में तीन नकाबपोश बदमाशों ने दिनदहाड़े लूट की वारदात को अंजाम दिया। गुरुवार दोपहर करीब 2:56 बजे बिना नंबर की अपाची बाइक से पहुंचे। हथियारबंद बदमाशों ने महज 32 सेकेंड में डेढ़ लाख रुपए की लूट को अंजाम दिया। शुक्रवार को सीसीटीवी में रिकॉर्ड तस्वीरें सामने आई।

सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखा कि तीनों बदमाशों के हाथों में पिस्टल थी। उन्होंने केंद्र में घुसते ही संचालक रविंद्र कुमार और मौजूद ग्राहकों को धमकी दी कि पैसे निकालकर दे दें, वरना गोली मार देंगे।

एक ग्राहक को थप्पड़ मारकर अंदर धकेला गया और किसी को बाहर निकलने नहीं दिया गया। हथियार के भय से संचालक और ग्राहक कुछ नहीं कर सके और 32 सेकेंड में बदमाश काउंटर से पैसे लेकर फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही ओपी प्रभारी नीलेश कुमार और पाटन थाना प्रभारी लालजी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मालूम हो कि इस क्षेत्र में पहले भी ग्राहक सेवा केंद्रों को निशाना बनाया जा चुका है, जिससे इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

ट्रेनों के रद्द होने से बढ़ी लोगों की परेशानी

लाइन ब्लॉक के कारण यात्री ट्रेनें रद्द हो रहीं उसी रूट पर मालगाड़ियां सरपट दौड़ रहीं

जमशेदपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। दक्षिण पूर्व रेलवे लाइन ब्लॉक का हवाला देकर लगातार यात्री ट्रेनों को रद्द कर रहा है, लेकिन मालगाड़ियों पर इनका कोई असर नहीं पड़ रहा है। मालगाड़ियों को सरपट दौड़ाया जा रहा है। दूसरी ओर यात्री ट्रेनों के लगातार रद्द रहने से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। जिन्हें जरूरी काम है, वे किराए पर वाहन लेकर गंतव्य तक जा रहे हैं।

टाटानगर की बात करें तो यहां से खुलने वाली हटिया और बिलासपुर एक्सप्रेस को सबसे अधिक रद्द किया जा रहा है। पिछले एक माह (6 जनवरी से 6 फरवरी तक) की बात करें तो टाटा-हटिया एक्सप्रेस को 24 दिन और टाटा-बिलासपुर एक्सप्रेस 25 दिन रद्द रही। टाटा-हटिया पैसेंजर स्पेशल भी 18 दिन रद्द रही। अब एक बार फिर टाटा-हटिया और टाटा-बिलासपुर एक्सप्रेस को 5 दिन (5 फरवरी से 9 फरवरी) तक रद्द कर दिया गया है। इसके लिए रांची, आद्रा और चक्रधरपुर रेल मंडल में विकास कार्य, एनई व प्री-एनई वर्क का हवाला दिया गया है। इधर, विकास कार्यों का हवाला देकर रेलवे लगातार कई ट्रेनों को देरी से चला रहा है। इसमें वंदे भारत एक्सप्रेस भी शामिल हैं। सबसे बुरा हाल लोकल ट्रेनों का है।

चांडिल से टाटानगर स्टेशन तक ट्रेनों को पहुंचने में एक घंटे के बजाए 3 से 4 घंटे का समय लग रहा है। चांडिल के बाद लगभग हर छोटे रेलवे स्टेशन-हाल्ट पर ट्रेनों को काफी देर तक खड़ा कर दिया जा रहा है।

पंचायत चुनाव को लेकर बौखलाए नक्सली

दंतेवाड़ा में सरपंच प्रत्याशी की हत्या

रायपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में माओवादियों ने सरपंच पद के प्रत्याशी की गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राज्य में पंचायत चुनाव 17, 20 और 23 फरवरी को तीन चरणों में होंगे। अधिकारियों ने बताया कि घटना गुरुवार रात को अरनपुर गांव की है, जहां माओवादियों ने सरपंच पद के प्रत्याशी जोगा बारसे (45) के घर पर धावा बोल दिया और कुल्हाड़ी से दरवाजे को तोड़कर घर में दाखिल हो गए।

उन्होंने बताया कि इसके बाद माओवादियों ने परिवार के सामने

ही कुल्हाड़ी और अन्य हथियारों से बारसे की गला रेतकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में होने जा रहे पंचायत चुनाव का माओवादियों ने बहिष्कार किया है और लोगों को चुनाव नहीं लड़ने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि बताया जा रहा है कि पंचायत चुनाव में बारसे के प्रत्याशी बनने के बाद से माओवादी उनसे नाखुश थे।

बारसे क्षेत्र के कद्दावर आदिवासी नेताओं में थे और लगातार चुनाव जीत रहे थे। जानकारी के अनुसार पहले वह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी में थे लेकिन कुछ वर्ष पहले उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ले ली थी। अधिकारियों ने बताया कि हमलावरों की तलाश के लिए सुरक्षाबलों ने इलाके में अभियान शुरू कर दिया है।

इससे पहले माओवादियों ने जिले में चार फरवरी को 30 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। माओवादियों ने उस पर पुलिस का मुखबिर होने का आरोप लगाया था। वहीं, तीन फरवरी की रात माओवादियों ने पड़ोसी जिले बीजापुर में दो लोगों की हत्या कर दी थी। इनमें से एक उनका पूर्व सहयोगी था।

पिछले माह 26 जनवरी को माओवादियों ने बीजापुर के भैरमगढ़ इलाके में 41 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। उस पर प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के बारे में सूचना देने का आरोप लगाया गया था। इसके अतिरिक्त 16 जनवरी को माओवादियों ने बीजापुर के मिरतुर इलाके में पुलिस मुखबिर होने के संदेह में 48 वर्षीय एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी।

घर में घुसकर महिला से 5 लोगों ने किया गैंगरेप

यूपी से मजदूरी करने सूरजपुर आए थे आरोपी, काम से गांव गया था पति

सूरजपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में एक महिला से गैंगरेप हुआ है। घटना बुधवार रात की है, जब पीड़िता का पति काम से बाहर गया था तभी गांव के ही 4-5 लोगों ने घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया।

मामला विश्रामपुर थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, घटना में शामिल सभी 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी उत्तरप्रदेश से मजदूरी करने सूरजपुर आए थे, जो रेलवे स्टेशन के पास एक बस्ती में रह रहे थे।

35 वर्षीय पीड़िता अपने पति के साथ पिछले तीन साल से किराए के मकान में रह रही है। पति-पत्नी दोनों मजदूरी करते हैं।

घटना के समय पति चार दिन से घरेलू काम के लिए कोरिया जिले स्थित गांव गया हुआ था।

पीड़िता के मुताबिक, बुधवार रात करीब साढ़े आठ बजे मोहम्मद गुलाम कादिर और ठुठूवा नाम के दो व्यक्ति उसके घर आए और पति के बारे में पूछताछ की।

आधी रात को जब वह घर के बाहर गुड़ाखू कर रही थी, तभी कादिर और ठुठूवा अपने तीन अन्य साथियों के साथ आए और उसे धक्का देकर घर के अंदर ले गए, जहां दुष्कर्म की वारदात की।

घटना के बाद पीड़िता ने अपनी बहन को पूरी बात बताई, जिसके बाद थाने में शिकायत दर्ज कराया गया।

पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 70(1), 331(8) (सामूहिक बलात्कार के लिए सजा) के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की। विश्रामपुर थाना प्रभारी अलरिक लकड़ा ने पुलिस टीम के साथ तत्काल दबिश देकर गुलाब कादिर और ठुठूवा को हिरासत में लेकर पूछताछ की, तो उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर सामूहिक दुष्कर्म की बात स्वीकार की।

हसदेव में डूबे 3 दोस्त, जलकुंभी में फंसने से मौत

92 घंटे चला रेस्क्यू–ऑपरेशन, नहाते वक्त 15–20 फीट गहराई में समाए, तीनों लाश बरामद

कोरबा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में 3 फरवरी को हसदेव नदी में तीन दोस्त डूब गए। तीनों के शव एसडीआरएफ की टीम ने बरामद कर लिए हैं। पहला शव 72 घंटे, दूसरा 80 घंटे और तीसरा 92 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद मिला। तीनों युवक कॉलेज के छात्र थे। घटना दर्री थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतकों का नाम आशुतोष सोनकर (18) बजरंग प्रसाद (19) और सागर चौधरी (28) है। तीनों दोस्त हसदेव नदी में नहाने गए थे, जो सोमवार 15-20 फीट की गहराई में समा गए थे। तीसरे युवक की लाश घटना स्थल से 6 किलोमीटर दूर डैम में मिली है।

नगर सेना और एसडीआरएफ गोताखोरों की टीम ने सोमवार से सर्च ऑपरेशन शुरू किया। पहले दिन टीम को सिर्फ तीनों दोस्तों के चप्पल-जूते, कपड़े, मोबाइल और बाइक नदी किनारे मिले थे। शाम तक तीनों का कोई सुराग नहीं मिला। अंधेरा

होने के कारण रेस्क्यू रोक दिया गया था। इसके 3 दिन बाद 2 शव गुरुवार को मिले थे। पहली लाश सागर चौधरी की जलकुंभी में फंसी हुई मिली थी, जो करीब 10-15 फीट की गहराई में थी। वहीं उसके करीब 8 घंटे बाद बजरंग प्रसाद की लाश मिली, जो घटना स्थल से करीब 2 किलोमीटर दूर है।

वहीं आशुतोष की लाश शुक्रवार सुबह 6 किलोमीटर दूर मिली है। दर्री डैम में मछुआरे की नजर शव पर पड़ी। उसने पुलिस को सूचना दी, जहां रेस्क्यू टीम ने आशुतोष सोनकर के शव को बाहर निकाला।

परिजनों ने बताया कि आशुतोष सोनकर आईटीआई कॉलेज, बजरंग प्रसाद और सागर चौधरी ईवीपीजी कॉलेज के छात्र थे। आशुतोष और बजरंग प्रसाद के पिता सीएसईबी कर्मचारी हैं। ये दोनों सीएसईबी कॉलोनी में परिवार के साथ रहते थे।

गोताखोरों के मुताबिक नदी में जिस जगह से तीनों लापता हुए थे, वहां नदी की गहराई करीब 15-20 फीट की है। इसके अलावा जलकुंभी भी भारी मात्रा में है। ऐसे में तीनों दोस्त नदी में नहाने के लिए उतरे तो जलकुंभी में फंस गए।

हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि किसी एक को बचाने के चक्कर में तीनों फंस गए या फिर तीनों एक साथ जलकुंभी में फंसे और निकल नहीं पाए। दर्री पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे और लोकेशन को ट्रैक कर हमारी टीम घटना स्थल पर पहुंची थी।

करीब 92 घंटे बाद तीनों शवों को बरामद कर लिया गया है। पोस्टमॉर्टम के लिए भेज गया है। पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दुनियाभर में फंडिंग करने वाली यूएसएआईडी में छंटनी

ट्रम्प का प्लान सिर्फ 300 वर्कर्स रहेंगे, अभी ऑर्गनाइजेशन में 8 हजार से ज्यादा कर्मचारी

वॉशिंगटन, 7 फरवरी (एजेंसियां)। ट्रम्प प्रशासन ने गुरुवार को अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) के कर्मचारियों की छंटनी करने का प्लान पेश किया है। इसके मुताबिक यूएसएआईडी में सिर्फ 300 कर्मचारियों को ही रखा जाएगा। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प के इस प्लान को यूएसएआईडी को लगभग खत्म करने के तौर पर देखा जा रहा है।

फिलहाल यूएसएआईडी में 8 हजार कर्मचारी और ठेकेदार कार्यरत हैं। इसके अलावा विदेशों में भी 5 हजार से ज्यादा स्थानीय कर्मचारी काम कर रहे हैं। इन्हें लेकर स्थिति साफ नहीं है। यह छंटनी स्थाई है या अस्थाई प्लान में ये भी साफ नहीं है। यूएसएआईडी के जिन मदद और विकास कार्यक्रमों को जारी रखा जाएगा, इसे लेकर ट्रम्प प्रशासन समीक्षा कर रहा है।

ट्रम्प प्रशासन ने यूएसएआईडी के विदेशों में तैनात कर्मचारियों को वापस लौटने के आदेश दिए हैं। इन्हें आज से 30 दिन का समय दिया गया है। कर्मचारियों की वापसी का खर्च सरकार उठाएगी। जो कर्मचारी किसी वजह के चलते निर्धारित समय से ज्यादा विदेशों में रुकते हैं, तो उन्हें

अपना खर्च खुद उठाना पड़ेगा।

इससे पहले विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गुरुवार को बताया कि अमेरिका विदेशी सहायता जारी रखेगा। हालांकि, इसे अमेरिकी हितों के मुताबिक दिया जाएगा। अमेरिकन फॉरेन सर्विस एसोसिएशन और अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज ने ट्रम्प के इस फैसले के खिलाफ वॉशिंगटन की एक कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराया है। इसमें ट्रम्प पर अमेरिकी कर्मचारियों, राष्ट्रीय हितों और दुनिया में लागों की जिंदगियों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। दूसरी डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने बिना कांग्रेस की मंजूरी के यूएसएआईडी को खत्म करने को अवैध बताया है।

अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) के दो टॉप अधिकारियों समेत कई कर्मचारी 1 फरवरी को छुट्टी पर भेज दिए गए। इनमें एजेंसी के डायरेक्टर जॉन वूर्हीज और डिप्टी डायरेक्टर ब्रायन मैकगिल शामिल हैं। डीओजीई कर्मचारियों ने यूएसएआईडी के हेडक्वार्टर में घुसने की कोशिश की थी, लेकिन उन्हें बाहर ही रोक दिया गया। कर्मचारियों ने सिस्टम का एक्सेस नहीं देने पर लॉ इनफोर्समेंट के मार्शल्स को बुलाने की धमकी दी। डीओजीई कर्मचारी यूएसएआईडी के सिक्योरिटी सिस्टम की और कर्मचारियों की फाइलों को देखना चाह रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक ये गुप्त जानकारियां हैं।

सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि डीओजीई कर्मचारी बिना सिक्योरिटी क्लियरंस के यूएसएआईडी की गुप्त जगहों में घुसे और नागरिकों की गुप्त जानकारियां हासिल कीं। ट्रम्प की तरफ डीओजीई में नियुक्त की गई कैटी मिलर ने रविवार को डीओजीई कर्मचारियों की घुसपैठ की पुष्टि भी की। कैटी ने X पर पोस्ट करते हुए बताया कि किसी भी गुप्त सामग्री को बिना मंजूरी के एक्सेस नहीं किया गया था। दूसरी तरफ मस्क ने X पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, यूएसएआईडी एक आपराधिक संगठन है। इसे बंद करने का समय आ गया है। शनिवार को ही यूएसएआईडी की वेबसाइट बंद हो गई थी। इसके बदले अमेरिकी विदेश विभाग की वेबसाइट पर यूएसएआईडी का एक पेज जोड़ा गया है। एजेंसी का X अकाउंट भी शनिवार को बंद हो गया।

चीन के कंधे पर सवार होकर चांद पर जाएगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 7 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान जारी किया है। जिसमें उसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुप पर रोवर को भेजने के मिशन की घोषणा की है। पाकिस्तान की स्पेस एजेंसी स्पेस एंड अपर एटमॉस्फेयर रिसर्च कमीशन (एसयूपीएआरसीओ) ने इस रोवर को तैयार किया है। आधिकारिक बयान में कहा गया है, कि सुपार्को के बनाए रोवर को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भेजा जाएगा। भारत ने जब से अपने चंद्रयान मिशन को कामयाबी के साथ अंजाम दिया था, उसके बाद से ही पाकिस्तान के अंतरिक्ष मिशनों को लेकर सवाल उठ रहे थे। पाकिस्तान की जनता पूछ रही थी कि आखिर पाकिस्तानी स्पेस एजेंसी इतनी पीछे क्यों है? लेकिन, चंद्रमा मिशन की घोषणा के बाद सवाल उठ रहे हैं, इस मिशन में आखिर पाकिस्तान का योगदान क्या है?

दरअसल, पाकिस्तान ने चंद्रमा पर रोवर भेजने के लिए चीन की अंतरिक्ष एजेंसी के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत सुपार्को और चीनी अंतरिक्ष एजेंसी सीएनएसए के बीच समझौता ज्ञापन पर साइन किए गये हैं।

अमेरिका में अवैध अप्रवासी भारतीयों को ट्रैकर लगाए

24 घंटे इनकी लोकेशन पर निगरानी, 2363 को डिटेंशन सेंटर में डाला

वॉशिंगटन, 7 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका से डिपोर्ट हो रहे भारतीय प्रवासियों की वापसी के बाद कई नए खुलासे हो रहे हैं। अमेरिका ने अब तक बिना वैध दस्तावेज वाले 20,407 भारतीयों को चिह्नित किया है। इन सभी को अवैध भारतीय अप्रवासी कहा जाता है। ये अंतिम बेदखली आदेश (फाइनल रिमूवल ऑर्डर) के इंतजार में हैं।

इनमें से 2,467 भारतीय इमिग्रेशन एंड कस्टम एनफोर्समेंट (आईसीई) के डिटेंशन सेंटर्स में कैद थे। इन्हीं में से 104 को हाल में भारत डिपोर्ट किया गया। इसके अलावा 17,940 भारतीय ऐसे हैं जो बाहर हैं, इनमें से कई भारतीयों के पैरों में डिजिटल ट्रैकर (एंकल मॉनीटर) लगाए गए हैं। आईसीई इनकी लोकशन चौबीसों घंटे ट्रैक करती है। ये लोग निर्धारित लोकेशन से बाहर नहीं जा सकते हैं।

अमेरिकी डिटेंशन सेंटर्स में क्षमता से ज्यादा लोग

अमेरिकी डिटेंशन सेंटर को लेकर सामने आई एक रिपोर्ट में बड़े खुलासे हुए हैं। आईसीई ने कहा कि कि उनके डिटेंशन सेंटर्स

में क्षमता के मुकाबले 109% लोग ज्यादा है। होमलैंड सुरक्षा विभाग के डेटा के मुताबिक डिटेंशन सेंटर्स की कुल क्षमता 38,521 बिस्तरों की है। वहीं, फिलहाल इस सेंटर्स में 42 हजार अवैध अप्रवासी हैं। इनमें से आधों को मेक्सिको सीमा पर गिरफ्तार किया गया था।

अमेरिका से डिपोर्ट किए गए 104 भारतीयों को लेकर यूएस मिलिट्री का सी-17 प्लेन 5 फरवरी को पंजाब के अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा।

इन लोगों के पैर में बेड़ियां बांधी गई थीं, जबकि हाथ भी चेन से जकड़े हुए थे। अमेरिकी बॉर्डर पेट्रोल चीफ माइकल बैंक्स ने अपने X हैंडल पर इसका वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में भारतीयों के हाथों और पैरों में बेड़ियां साफ देखी जा सकती हैं।

माइकल बैंक्स ने X पर लिखा, अमेरिकी बॉर्डर पेट्रोल यूएसबीपी ने अवैध एलियंस को सफलतापूर्वक भारत वापस भेजा। यह अब तक की सबसे लंबी डिपोर्टेशन फ्लाइट थी, जिसके लिए मिलिट्री एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल किया गया। यह मिशन अवैध प्रवासियों के निष्कासित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है। आप अवैध रूप से सीमा पार करते हैं, तो आपको वापस भेजा जाएगा।

गुजरात के मेहसाणा की 28 वर्षीय निकिता पटेल अपनी सहेली के साथ यूरोप के टूर पर गई थीं। यहां उनके पिता कनूभाई पटेल ने बताया कि बेटी से परिवार की आखिरी बात 14-15 जनवरी हो हुई थी, तब वह यूरोप में ही थी।

वहीं, आणंद जिले की युवती भी नर्सिंग के बाद यहां प्राइवेट हॉस्पिटल में 30 हजार की जॉब नौकरी करती थीं। करीब डेढ़ साल पहले वह गहने और खेत बेचकर एजेंट को 52 लाख रुपए देकर वाया कनाडा अमेरिका पहुंच गई। उसे नौकरी भी मिल गई, लेकिन अब डिपोर्ट किया है।

बांग्लादेश पुलिस ने दो फिल्म एक्ट्रेस को हिरासत में लिया

इन पर राजद्रोह का आरोप, मोहम्मद यूनुस की सरकार पर सवाल उठाए थे

ढाका, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच ने गुरुवार को 2 फिल्म एक्ट्रेसेस को हिरासत में लिया है। इन दोनों एक्ट्रेसेस के नाम मेहर अफरोज शॉन और सोहाना सबा है। दोनों ही बांग्लादेशी फिल्म इंडस्ट्री का जाना माना चेहरा है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक मेहर के खिलाफ राजद्रोह के आरोप लगे हैं, जबकि सोहाना के खिलाफ लगे आरोपों की अभी जानकारी नहीं मिली है।

ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के एडिशनल कमिश्नर रेजाउल करीम मलिक के मुताबिक इन्हें इंटेल के आधार पर पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। उन्हें राजधानी ढाका के मिंटू रोड स्थित डीबी कार्यालय ले जाया गया। फोन पर बात करते हुए मलिक ने बताया कि हमें कुछ जानकारी मिली है। इसके आधार पर हमने मेहर को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। मेहर अफरोज के पिता

और जमालपुर जिला अवामी लीग के पूर्व सलाहकार मोहम्मद अली के घर में गुरुवार को तोड़फोड़ कर आग लगा दी गई। घटना शाम करीब 6:30 बजे नरुंदी रेलवे स्टेशन के इलाके में हुई।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार शाम छात्रों और स्थानीय लोगों ने नरुंदी बाजार में जुलूस निकाला था। थोड़ी देर बाद ये जुलूस मोहम्मद अली के घर पहुंचा। इसके बाद हमलावरों ने मेहर के पिता के घर पर ईंटें और पत्थर फेंके और बाद में आग लगा दी। मेहर के पिता ने पिछले चुनाव में जमालपुर-5 (सदर) सीट पर टिकट के लिए चुनाव लड़ा था। लेकिन पार्टी से टिकट नहीं मिलने की वजह से वे चुनाव नहीं लड़ पाए। मेहर की माँ, ताहुरा अली, 1996 में आरक्षित सीट से अवामी लीग की सांसद थीं। मेहर ने फेसबुक पर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की आलोचना की थी।

एच-1बी वीजा के लिए आवेदन की तारीख का एलान

फीस और अन्य जरूरी जानकारी

न्यूयॉर्क, 7 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा विभाग (यूएससीआईएस) ने साल 2026 के लिए एच-1बी वीजा के लिए आवेदन की तारीखों का एलान कर दिया है। इस एलान के मुताबिक 7 मार्च से लेकर 24 मार्च तक आवेदन किया जा सकेगा। गौरतलब है कि एच-1बी वीजा के सबसे ज्यादा लाभार्थियों में भारतीय भी शामिल हैं। एच-1बी वीजा एक अप्रवासी वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को विदेशी कुशल कर्मचारियों को नियुक्त करने की सुविधा देता है। इस वीजा के जरिए अमेरिकी तकनीकी कंपनियां हर साल भारत, चीन आदि देशों के हजारों कुशल कर्मचारियों को अपने यहां नौकरी पर रखती हैं।

यूएससीआईएस ने बताया कि आवेदनकर्ता को यूएससीआईएस की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन की फीस 215 डॉलर होगी। एच-1बी वीजा के सबसे बड़े लाभार्थियों में भारतीय शामिल हैं। एच-1बी वीजा के जरिए हर साल करीब

साढ़े छह लाख विदेशी कुशल कर्मचारियों को अमेरिका में काम करने की मंजूरी दी जाती है। अमेरिकी आव्रजन विभाग ने कहा कि आवेदनकर्ताओं का चुनाव में धोखाधड़ी को कम करने के आवेदन प्रक्रिया में कुछ प्रावधान किए गए हैं।

एच-1बी वीजा नॉन इमीग्रेंट वीजा प्रोग्राम के तहत विशेष क्षेत्रों में विदेशी कर्मचारियों को अस्थायी तौर पर नियुक्त करने की सुविधा देता है। इसके लिए कर्मचारी के पास क्षेत्र विशेष की विशेषज्ञता और शैक्षिक योग्यता होनी चाहिए। अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की तरफ से 17 जनवरी 2025 को एच-1बी वीजा के नियम लागू किए गए थे। एच-1बी वीजा की शुरुआत 1990 में हुई थी। अमेरिकी राजनीति में भी एच-1बी वीजा का मुद्दा गरम है। दरअसल कई ट्रंप समर्थक नेता एच-1बी वीजा पर रोक की मांग कर चुके हैं, जबकि ट्रंप समर्थक एलन मस्क, विवेक रामास्वामी समेत कई अहम नेता इसके समर्थक हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद एच-1बी वीजा का समर्थन कर चुके हैं।

रूस के जासूसी जहाज में आग लगी

अधिकारियों ने जहाज पर कंट्रोल भी खोया, नाटो जहाज की मदद ठुकराई, सीरिया के तट के पास हादसा

मास्को, 7 फरवरी (एजेंसियां)। रूस का जासूसी जहाज किलडिन पर पिछले महीने 23 जनवरी को आग लग गई थी। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक हादसा यह सीरिया के तट के पास हुआ था। आग लगने के बाद जहाज पर मौजूद अधिकारियों ने उसका कंट्रोल खो दिया था। रूसी जहाज पर मौजूद एक शख्स ने रेडियो के जरिए दूसरे जहाजों को दूर रहने की चेतावनी भी दी।

एपी को मिले रेडियो मैसेज में शख्स ने कहा, हमारा जहाज संकट में है, कृपया दूरी बनाए रखें। इसके अलावा एक दूसरे जहाज को चेतावनी देते हुए उसने कहा, हमारा जहाज तुम्हारी दिशा में है। इस पर मेरा कंट्रोल नहीं है, ये बह रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक रूस के जहाज से धुएं के गुबार और आग की लपटें उठ रही थीं। इन्हें नाटो के एक सदस्य देश के जहाज ने रिकॉर्ड किया है। रूस के इस जासूसी जहाज का काम भूमध्य सागर में नाटो की गतिविधियों पर नजर रखना है। आग लगने से पहले यह तुर्की के नौसैनिक अभ्यास पर नजर बनाए हुए था। रिपोर्ट के मुताबिक जहाज पर कम से कम 4 घंटे तक आग जलती रही। नाटो के अधिकारियों के मुताबिक आग लगने के बाद उन्होंने रूसी जहाज को मदद की पेशकश की थी, जिसे रूसी अधिकारियों ने नकार दिया था। जहाज के क्रू ने लाइफबोट्स के कवर हटा दिए थे। हालांकि उन्हें पानी में नहीं उतारा गया। बाद में क्रू ने जहाज पर कंट्रोल हासिल कर लिया था। फिलहाल यह सीरिया के बंदरगाह के पास खुफिया जानकारी इकट्ठा कर रहा है। इसके साथ एक फ्रिगेट और एक सप्लाई जहाज भी मौजूद हैं। हालांकि, आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। रूसी अधिकारियों ने आग की घटना पर कोई रिपोर्ट नहीं दी है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि उन्हें 'किलडिन' पर आग लगने की कोई जानकारी नहीं है।

अमेरिका से बात करना कोई बुद्धिमानी और सम्मान की बात नहीं

ईरान के सुप्रीम लीडर ने दिए अहम संकेत

तेहरान, 7 फरवरी (एजेंसियां)। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनई ने शुक्रवार को एक बड़ा बयान देते हुए कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत करना बुद्धिमानी, समझदारी या सम्मान की बात नहीं है। खामनेई का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ परमाणु समझौते के मुद्दे पर फिर से बात करने की इच्छा जाहिर की थी। हालांकि खामनेई का यह बयान उनके ही पूर्व के उस बयान के विपरीत है, जिसमें खामनेई ने अमेरिका के साथ बातचीत के लिए तैयार होने की बात कही थी। गौरतलब है कि अब भी खामनेई ने अमेरिका से बातचीत न करने का कोई सीधा आदेश जारी नहीं किया।

बीते दिनों जब अमेरिका के

राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने जीत हासिल की तो ईरानी अधिकारियों ने संकेत दिए थे कि वे परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए ट्रंप के संदेश का इंतजार कर रहे हैं। अब अयातुल्ला खामेनेई ने चौंकाते हुए इसके विपरीत बयान दिया है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर अधिकतर दबाव बनाने संबंधी एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। इस दौरान ट्रंप ने ये भी कहा कि वे चाहते हैं कि उन्हें इस आदेश का ईरान के खिलाफ इस्तेमाल न करना पड़े। उन्होंने ईरान के साथ बातचीत को लेकर भी सकारात्मक संकेत दिए थे।

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई ने भी पूर्व में अमेरिका के साथ बातचीत की वकालत की थी और कहा था कि हमें बातचीत के लिए अपने दरवाजे खुले रखने चाहिए, लेकिन अब खामेनेई ने अमेरिका से बातचीत को सम्मान के खिलाफ बताया है।

ईरान के स्टैंड में बदलाव ट्रंप के हालिया बयान से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल मंगलवार को ट्रंप ने इस्राइली पीएम के साथ बातचीत के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अमेरिका को गाजा पर नियंत्रण मिलना चाहिए और अमेरिका गाजा में पुनर्निर्माण का काम करे। उन्होंने गाजा के विस्थापितों को गाजा के बाहर ही बसाने का सुझाव दिया था।

अब ईरान के सुप्रीम लीडर ने ट्रंप के गाजा को लेकर दिए बयान पर बिना नाम लिए टिप्पणी करते हुए कहा कि 'अमेरिकी बैठकर दुनिया का नक्शा फिर से बना रहे हैं - लेकिन केवल कागज पर, क्योंकि इसका वास्तविकता में कोई आधार नहीं है। वे हमारे बारे में बयान देते हैं, राय व्यक्त करते हैं और धमकियां देते हैं। अगर वे हमें धमकाते हैं, तो हम भी उन्हें बदले में धमकाएंगे। अगर वे अपनी धमकियों पर अमल करते हैं, तो हम भी अपनी धमकियों पर अमल करेंगे। अगर वे हमारे देश की सुरक्षा का उल्लंघन करते हैं, तो हम भी उसी तरह जवाब देंगे।'

ट्रम्प ने इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट पर प्रतिबंध लगाए

कहा– आईसीसी ने शक्तियों का दुरुपयोग किया इजराइली पीएम नेतन्याहू के खिलाफ अरेस्ट वारंट का विरोध

वॉशिंगटन, 7 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया। ट्रम्प ने ये कदम इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योव गैलेंट के खिलाफ आईसीसी की तरफ से जारी अरेस्ट वारंट के बाद उठाया है।

ट्रम्प ने आदेश में कहा कि अमेरिका और इजराइल इस कोर्ट के सदस्य नहीं हैं और न ही इसे मान्यता देते हैं। आईसीसी ने अपनी शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया है। उन्होंने आईसीसी अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के साथ ही जांच में मदद करने वाले व्यक्ति की संपत्ति जब्त करने और यात्रा पर प्रतिबंध लगाने का आदेश भी दिया है। इसका मतलब है कि प्रतिबंध में शामिल सभी लोगों की

अमेरिका में मौजूद सभी संपत्तियों को फ्रीज कर दिया जाएगा। साथ ही इनके अमेरिका जाने पर रोक रहेगी। वीजा नहीं मिलेगा। नेतन्याहू अमेरिकी दौरे पर हैं। उन्होंने 4 फरवरी को व्हाइट हाउस में ट्रम्प से और 6 फरवरी को सांसदों से मुलाकात की थी। आईसीसी ने 21 नवंबर को नेतन्याहू और गैलेंट के खिलाफ गाजा में युद्ध अपराध, मानवाधिकार उल्लंघन और नरसंहार के मामले में अरेस्ट वारंट जारी किया था। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव ने 10 जनवरी को इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) पर प्रतिबंध लगाने से जुड़ा बिल पास किया था।

बिल पर वोटिंग के दौरान 243 सांसदों ने इसके पक्ष में वोट किया, वहीं 140 सांसदों ने इसके विरोध में वोट किया। समर्थन करने वालों में रिपब्लिकन पार्टी के 198 और डेमोक्रेटिक पार्टी के 45 सांसद थे। किसी भी रिपब्लिकन सांसद ने बिल का विरोध नहीं किया। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) के पास गिरफ्तार करने की शक्तियां नहीं हैं। इसके लिए वह अपने सदस्य देशों पर निर्भर है। वह सिर्फ उन देशों में अपने अधिकार का इस्तेमाल कर सकता है, जिन्होंने इस कोर्ट की स्थापना करने वाले समझौते पर दस्तखत किए हैं।

वीजा आवेदन खारिज हुआ तो भारतीय काउंसलेट में धरने पर बैठी क्षमा सावंत

सीएए-एनआरसी पर उगला था जहर, जबरन निकाला गया

वॉशिंगटन, 7 फरवरी (एजेंसियां)। सीएए और एनआरसी पर दुनियाभर में झूठ फैलाने वाली क्षमा सावंत को भारत आने की इजाजत नहीं दी गई है। क्षमा सावंत ने भारत सरकार पर राजनीतिक रूप से प्रेरित होकर वीजा एप्लीकेशन को खारिज करने का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि वो अपनी बीमार मां से मिलने के लिए भारत आना चाहती हैं, लेकिन सरकार ने उनका वीजा एप्लीकेशन खारिज कर दिया है। जिसके बाद वो अमेरिका के सिएटल में भारतीय काउंसलेट के बाहर धरने पर बैठ गईं।

वीडियो में दिख रहा है, कि क्षमा सावंत भारतीय काउंसलेट में हैं और वो कह रही हैं कि उनके वीजा एप्लीकेशन को किस आधार पर खारिज किया जा रहा है। इस वीडियो में वो भारत सरकार से पूछ रही हैं कि आखिर किस आधार पर उन्हें वीजा नहीं दिया जा रहा है? वीडियो में क्षमा सावंत को भारतीय अधिकारियों को धमकाते देखा जा रहा है। जिसके बाद भारतीय काउंसलेट ने पुलिस बुलाने की बात कही। क्षमा सावंत खुद को भारतीय-अमेरिका कार्यकर्ता बताती हैं। वो सिएटल सिटी काउंसिल की पूर्व सदस्य रह चुकी हैं। रिपोर्ट का मुताबिक, भारतीय अधिकारियों ने उन्हें तीन बार भारत का वीजा देने से मना कर दिया है। उनका दावा है कि उनके राजनीतिक विचारों के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्षमा सावंत ने पहली बार मई 2024 में वीजा के लिए आवेदन किया था, जिसके खारिज होने के बाद उन्होंने फिर से जून 2024 में आवेदन किया। उनका दावा है, कि दोनों बार बिना कोई वजह बताए उनका वीजा एप्लीकेशन खारिज कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने 2025 की शुरुआत में एक बार फिर से इमरजेंसी वीजा एप्लीकेशन दिया। उन्होंने भारत आने के पीछे अपनी मां की बीमारियों का हवाला दिया। उन्होंने कहा, कि उनकी मां क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी), मधुमेह और हृदय रोग से पीड़ित हैं और उनकी सेहत लगातार खराब हो रही है।

फ्रांस ने यूक्रेन को सौंपा मिराज-2000 फाइटर जेट

विनाशक है ये विमान, क्या रूस संग युद्ध में जेलेंस्की पलट देंगे बाजी?

पेरिस/कीव, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के दोस्त फ्रांस ने युद्ध की दिशा बदलने की नीयत से यूक्रेन को मिराज-2000 फाइटर जेट्स का पहला बैच सौंप दिया है। फ्रांसीसी डिफेंस मिनिस्टर सेबेस्टियन लेकोर्नू ने गुरुवार को कहा है, कि फ्रांस ने यूक्रेन को मिराज 2000-5 की पहली खेप सौंप दी है। फ्रांस ने साफ कर दिया है कि यूक्रेन को युद्ध में मदद करने के लिए ये पांचों लड़ाकू विमान सौंपे गये हैं। फ्रांसीसी डिफेंस मिनिस्टर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा है, कि पहला विमान आज यूक्रेन पहुंच गया है। हालांकि, फ्रांसीसी मंत्री ने ये साफ नहीं किया है, कि पहली खेप में कितने फाइटर जेट्स यूक्रेन को सौंपे गये हैं। इसके अलावा, उन्होंने ये कहा है कि हाल के महीनों में फ्रांस में यूक्रेनी फाइटर जेट्स पायलट्स को मिराज विमान उड़ाने की ट्रेनिंग दी गई है। और अब वो यूक्रेनी आसमान की मदद करने में सक्षम होंगे।

आपको बता दें कि मिराज 2000-5 एक चौथी पीढ़ी का लड़ाकू विमाव है और यह अमेरिकी एफ-16 फाइटर जेट की क्लास में आता है। यूक्रेन के पास पहसे से ही एफ-16 फाइटर जेट्स हैं। कीव ने एफ-16 लजडाकू विमानों को मुख्य रूप से एयर डिफेंस और लड़ाकू गश्त के लिए तैनात किया है। फ्रांस के रक्षा मंत्री लेकोर्नू ने कहा कि युद्ध में यूक्रेम को मदद करने लिए और जंग लड़ने में उन्हें और बेहतर बनाने के लिए फ्रांस ने मिराज-2000-6 को संशोधित भी किया है।

फ्रांस ने कहा है कि उसका मकसद फाइटर जेट्स को हवा से जमीन पर मार करने की लड़ाकू क्षमता से लैस करना और उनके इलेक्ट्रॉनिक युद्ध सिस्टम को मजबूत करा है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बाद यूक्रेन के पायलट्स को ट्रेनिंग देना है। आपको बता दें, कि मिराज-2000 को मूल रूप से हवा से हवा में लड़ाई के लिए डिजाइन किया गया था। 20 सितंबर 2024 को फ्रांसीसी सेना ने घोषणा की थी, कि यूक्रेनी पायलटों के पहले समूह ने फ्रांस में अपना अल्फा जेट प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। आम तौर पर, मिराज के लिए पायलट प्रशिक्षण में करीब पांच से छह महीनों का वक्त लगता है।

अनीता मर्डर केस, सीबीआई ढूंढेगी 5 सवालों के जवाब

10 लाख में मर्डर की सच्चाई, सहेली की क्या थी भूमिका; पुलिस पर भी लगे आरोप

जोधपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। जोधपुर में चर्चित ब्यूटीशियन अनीता चौधरी मर्डर केस की जांच सीबीआई ने शुरू कर दी है। पिछले साल 30 अक्टूबर 2024 को सामने आए इस हत्याकांड से जुड़े 5 सवाल हैं जिनके जवाब सीबीआई ढूंढ रही है।

सबसे बड़ा आरोप 10 लाख की सुपारी देकर मर्डर करवाने का है। वहीं, अनीता चौधरी की सहेली की भूमिका पर भी संदेह है।बुधवार को सीबीआई टीम जोधपुर पहुंची और पुलिस के अधिकारियों से केस हिस्ट्री कब्जे में ली। अनीता चौधरी के पति और बेटे से भी सीबीआई पूछताछ कर सकती है। एजेंसी की एफआईआर में प्रोपर्टी डीलर तैयब अंसारी और अनीता की सहेली सुनीता को भी आरोपी बनाया गया है।

पति मनमोहन चौधरी ने अनीता चौधरी के 27 अक्टूबर को पार्लर से निकलने के बाद लापता होने के संबंध में रात को सरदारपुरा थाने में गुमशुदगी रिपोर्ट दी थी। पुलिस ने इसे 28 अक्टूबर को दर्ज किया। परिवादी ने पुलिस को मौखिक रूप से भी सिर्फ सुनीता उर्फ सुमन का फोन आने के बारे में बताया था, लेकिन उस पर भी कोई शक नहीं जताया था। 30 अक्टूबर को गुलामुद्दीन की पत्नी आबेदा को थाने बुलाया। उसने अनीता की हत्या किए जाने की बात कही। इस पर पुलिस टीम आबेदा को लेकर गुलामुद्दीन के घर पहुंची। पीड़ित परिवार के अनुसार लगभग इसी समय शास्त्री नगर पुलिस ने प्रोपर्टी कारोबारी तैयब अंसारी को भी थाने बुलाया। वहां से उसे सरदारपुरा पुलिस के हवाले कर दिया गया। इससे पहले तक तो सरदारपुरा थाने में हत्या की एफआईआर ही दर्ज नहीं हुई थी। उससे पहले तैयब अंसारी को हिरासत में लेने को लेकर उठ रहे सवाल का जवाब परिवार को नहीं

मिल रहा है। पीड़ित परिवार ने पुलिस से तैयब अंसारी की एक महीने की कॉल डिटेल्स जांच करने का आग्रह किया था। लेकिन जोधपुर पुलिस ने सिर्फ 26 अक्टूबर की सुबह 7:43 बजे से 30 अक्टूबर की दोपहर 12:31 बजे तक की ही यानी सिर्फ 100 घंटे में हुई कॉल डिटेल्स चार्जशीट में लगाई। अब तैयब अंसारी के नामजद होने से पहले ही उसे पुलिस द्वारा किस आधार पर हिरासत में लिया गया, इससे पहले उसका किस-किस से संपर्क हुआ, उन सवालों के जवाब भी अब सीबीआई को ढूंढना है। इस मर्डर केस में पुलिस पर मनमर्जी करने के भी आरोप लगे हैं। जांच को लेकर बने दबाव के बाद पुलिस ने इस मामले में चार्जशीट पेश कर सिर्फ गुलामुद्दीन और उसकी पत्नी को ही आरोपी माना था। जिसमें हत्या का मकसद सिर्फ लूट के लिए बताया था। लेकिन सीबीआई ने अपनी एफआईआर में तैयब अंसारी को भी नामजद किया है। ऐसे में अब सीबीआई की जांच में अंसारी की भूमिका से जुड़े सवाल का जवाब सामने आने की उम्मीद परिजनों को है। अनीता चौधरी के पति का आरोप है कि तैयब अंसारी ने गुलामुद्दीन से मर्डर करवाने के लिए अनीता की 10 लाख की सुपारी दी थी। इसके 7 लाख एडवांस का आरोप भी लगाया था। सीबीआई के सामने इस सवाल का जवाब ढूंढना भी चुनौती है। पुलिस की चार्जशीट में सिर्फ तैयब अंसारी के मोबाइल पर 100 घंटे की सीडीआर ही लगाई। मृतका के मोबाइल पर कब-कब, किस-किस से बातचीत हुई? उसकी कोई जानकारी शामिल नहीं की गई है। गुलामुद्दीन मर्डर करने के बाद जोधपुर से फरार हो गया। इसके बाद वो फिर जोधपुर लौटा और दुबारा जोधपुर से निकल गया। इस दरम्यान वह जोधपुर में किस-किस से मिला? इस सवाल का जवाब भी पुलिस द्वारा पेश की गई चार्जशीट में नहीं मिला है।

पुलिस की जांच के दौरान मृतका अनीता की बड़ी बहन मीनाक्षी ने बताया कि 27 अक्टूबर की शाम करीब 4 बजे अनीता से बात हुई थी। तब अनीता ने खुद को सुनीता उर्फ सुमन के साथ होना बताया और किसी काम की बात कहते हुए कहा कि थोड़ी देर बाद तसल्ली से बात करुंगी।

वसुंधरा बोलीं-चारभुजानाथ मंदिर से शुरू करती हूं अच्छा काम

यहां जब भी कुछ मांगा तो जरूर मिला; 20 साल पहले भी यहीं से शुरुआत की थी

राजसमंद,7 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा कि जो भी अच्छा काम होता है, वो मैं चारभुजानाथ मंदिर से शुरू करती हूं। 20 साल पहले की बात करूं तो यहीं से शुरुआत की थी। इनसे मैंने जब भी कुछ मांगा है, इन्होंने मुझे जरूर दिया है।

वसुंधरा राजे ने यह बात शुक्रवार को राजसमंद के चारभुजानाथ मंदिर में दर्शन करने बाद समर्थकों को संबोधित करते हुए कही।

पूर्व सीएम ने समर्थकों को संबोधित करते हुए अपनी पहली परिवर्तन यात्रा को याद किया। उन्होंने कहा- 20 साल पहले चारभुजानाथ मंदिर से ही परिवर्तन यात्रा निकाली थी।

श्रीनाथजी मंदिर में परंपरा के अनुसार श्रीकृष्ण भंडार के अधिकारी सुधाकर शास्त्री ने

वसुंधरा राजे को उपरना और रजाई ओढ़ाकर प्रसाद भेंट किया।

श्रीनाथजी मंदिर में परंपरा के अनुसार श्रीकृष्ण भंडार के अधिकारी सुधाकर शास्त्री ने वसुंधरा राजे को उपरना और रजाई ओढ़ाकर प्रसाद भेंट किया।

दिल्ली चुनाव पर कहा- जनता ने बता दिया है

वसुंधरा ने शुक्रवार को राजसमंद में श्रीनाथजी मंदिर (नाथद्वारा), द्वारिकाधीश मंदिर (कांकरोली) और चारभुजानाथ मंदिर (गढ़बोर) में दर्शन किए। जहां उन्होंने प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

कांकरोली में द्वारिकाधीश के दर्शन करने के बाद मीडिया से बातचीत में वसुंधरा ने दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत की बात कही।

उन्होंने कहा- सट्टा बाजार ने सब बता दिया, जनता ने बता दिया है। बता दें कि शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव का परिणाम आएगा।

कांकरोली में द्वारिकाधीश के दर्शन के बाद पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की बहुमत से जीत होने की बात भी कही।

भरतपुर में मंदिर की जमीन को लेकर हत्या

जेल से छूटकर लौट रहे युवक को पहले मारी गोली, फिर घर जाकर चाचा-भतीजे पर फायरिंग

भरतपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भरतपुर के डीग के मंदिर की जमीन पर खेती के विवाद में गुरुवार रात एक के बाद एक 2 जगह फायरिंग की गई। पहले जेल से छूटकर लौट रहे युवक को निशाना बनाया, फिर उसके घर जाकर चाचा-भतीजे पर गोलियां चलाईं। इस हमले में एक की मौत हो गई और 2 गंभीर घायल हैं। 10 दिन पहले भी दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हुआ था।

एएसआई हरवीर सिंह ने बताया ओमप्रकाश की शिकायत पर पुलिस ने हरपाल के भतीजे प्रदीप और चेचेरे भाई मोहन सिंह व गुलजार को गिरफ्तार किया था। तीनों को जेल भेज दिया गया था। गुरुवार को जेल से छूटकर लौटते समय ओमप्रकाश और उसके साथियों ने इन्हें घेर लिया। मारपीट में मोहन सिंह और गुलजार तो भाग निकले, लेकिन प्रदीप को गोली मार दी गई।

इसके बाद आरोपी हरपाल के घर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। जब हरिओम (44) अपने बेटे गौरव (16) के साथ बाहर आया तो उन पर भी गोलियां चला दीं। हरिओम की पेट में गोली लगने से मौत हो गई। गौरव और प्रदीप (23) को गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया गया है।

हरपाल तीनों घायलों को लेकर पहले डीग हॉस्पिटल पहुंचा। वहां से तीनों को भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल में रेफर किया गया। हरिओम के पेट में गोली लगने से उसकी मौत हो गई। प्रदीप और गौरव की हालत को देखते हुए दोनों को आरबीएम से जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में रेफर किया गया है।

10 दिन पहले भी झगड़ा हुआ था

गांव में एक प्राचीन मंदिर है, जिसके नाम 400 बीघा जमीन है। मंदिर का पुजारी इस जमीन को हर साल बटाई पर देता है। इस जमीन की खेती के लिए दोनों पक्ष ठेका लेना चाहते हैं। इसी को लेकर दोनों पक्षों में पुरानी रंजिश चली आ रही है। 10 दिन पहले भी इसी विवाद में झगड़ा हुआ था।

एयरपोर्ट पर सांप-बिच्छू, मकड़ियों से भरे डिब्बे पकड़े

बैंकॉक से आए 2 यात्री डिटेन, नशे के लिए हो रही थी तस्करी

जयपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने बैंकॉक से आई फ्लाइट से अलग-अलग प्रजाति के सांप, मकड़ियां और बिच्छू पकड़े हैं। नशे के लिए इन जहरीले जीवों की तस्करी की जा रही थी। 2 संदिग्ध यात्रियों को डिटेन किया गया है।

कस्टम अधिकारियों के अनुसार, एयर एशिया की बैंकॉक से आने वाली फ्लाइट में 2 संदिग्ध यात्रियों की जानकारी मुखबिर से मिली थी। जयपुर में फ्लाइट लैंड होते ही दोनों को डिटेन कर लिया गया। तलाशी में यात्रियों के पास से 7 प्लास्टिक के डिब्बे मिले, जिनमें सांप, बिच्छू और मकड़ियां थीं।

पूछताछ में सामने आया कि इन जीवों की तस्करी नशे के लिए की जा रही थी। हालांकि, दोनों का दावा है कि उन्हें डिब्बों की सामग्री के बारे में जानकारी नहीं थी। सुबह 8 बजे की गई कार्रवाई के बाद वन विभाग के अधिकारियों को सूचित किया गया है। विभाग की टीम जीवों की जांच कर तस्करी के वास्तविक कारणों का पता लगाएगी।

नशे के लिए सांप से कैसे कटवाते हैं?

सांप का सिर पकड़कर अपने शरीर के इतने करीब लाते

हैं, जहां से उसकी जुबान पहुंच जाए। इसके बाद उसके सिर पर हल्का सा टैप करते हैं। सांप सामने जगह पर जोर से डसता है और अपना जहर छोड़ देता है।शुरुआत में हाथ की छोटी उंगली या पैर के अंगूठे में डसवाते हैं। उसके बाद होठ, जुबान और कान के लोब्स में भी डसवाना शुरू करते हैं। सांप का नशा करने वालों के मुताबिक 10 से 40 सेकेंड तक तेज चुभन होती है। उसके बाद बेहद सुख की अनुभूति, मसल्स में दर्द और नींद आने लगती है। कुछ लोग सांप को बोतल में बंद रखते हैं और उसके मुहाने पर उंगली या जीभ रखकर डंक मरवाते हैं।

ड्रिंक्स के साथ मिलाकर पिया जाता

नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अफसरों के मुताबिक एक पाउडर होता है जो सांप के जहर से बना होता है। इसे ड्रिंक्स के साथ मिलाकर पिया जाता है। इस पाउडर को स्नेक बाइट पाउडर कहा जाता है। इसमें भी सबसे ज्यादा इस्तेमाल कोबरा के जहर का होता है। नार्कोटिक्स अफसर बताते हैं कि इसका नशा कुछ घंटे से लेकर पूरे दिन तक हो सकता है। डिपेंड करता है कि नशे के लिए जहर की कितनी मात्रा ली गई है।

ट्रांसजेंडर खिलाड़ी ने गोल्ड समेत 4 मेडल जीते

माइनस 5 डिग्री तापमान में खेला गया नेशनल टूर्नामेंट; बोलीं- इंटरनेशनल मेडल जीतने का सपना

टोंक, 7 फरवरी (एजेंसियां)। टोंक के मालपुरा की ट्रांसजेंडर खिलाड़ी रितिका सिंह ने नेशनल स्तर पर राजस्थान का नाम रोशन किया है। रितिका ने अकेले और टीम के साथ मिलकर एक गोल्ड समेत 4 मेडल जीते हैं। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में 1 से 2 फरवरी तक आयोजित नेशनल आइस स्टॉक स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में रितिका ने राजस्थान टीम की ओर से खेलते हुए ये मेडल जीते हैं। उनके अलावा जयपुर की एक ट्रांसजेंडर ने भी रितिका सिंह के साथ मिलकर युगल गेम में मेडल जीते हैं। माइनस पांच डिग्री की कड़कड़ाती सर्दी में आयोजित हुई इस चैंपियनशिप में 22 राज्यों की

टीमों के महिला और पुरुषों ने भाग लिया था। रितिका सिंह इससे पहले नेशनल समर आइस स्टॉक चैंपियनशिप में भी सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं।

रितिका सिंह को इस प्रतियोगिता में इंडिविजुअल कॉम्पिटिशन के मुकाबलों में महिला वर्ग में एंट्री दी गई थी। रितिका सिंह ने अंडर-23 आयुवर्ग में इंडिविजुअल कॉम्पिटिशन के डिस्टेंस इवेंट में गोल्ड मेडल और इसी कॉम्पिटिशन के टीम इवेंट में राजस्थान की टीम से खेलते हुए सिल्वर मेडल हासिल किया है। रितिका सिंह ने इसी तरह टारगेट इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। रितिका ने इसी कॉम्पिटिशन के टीम इवेंट में भी ब्रॉन्ज मेडल हासिल करते हुए कुल 4 मेडल जीते।

इसी तरह ट्रांसजेंडर नंदिनी सिंह ने भी इस टूर्नामेंट में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए हैं। नंदिनी सिंह को यह दोनों पदक टीम इवेंट में मिले हैं। यह पहला मौका था जब इस टूर्नामेंट में राजस्थान की टीम में दो ट्रांसजेंडर को एक साथ शामिल किया गया था।

अलवर में ट्रक ने पति-पत्नी सहित 3 को कुचला

बाइक को घसीटते हुए ले गया आरोपी ड्राइवर, दो की मौके पर ही मौत

अलवर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। अलवर में एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार तीन लोगों को कुचल दिया। टक्कर मारने के बाद भी आरोपी ड्राइवर ने ट्रक नहीं रोक और टायरों के नीचे फंसे घायलों को घसीटते हुए ले गया। हादसे में पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक युवती गंभीर घायल है। एक्सीडेंट शुक्रवार सुबह 10 बजे शहर में नमन होटल के पास हुआ। पुलिस के अनुसार आरोपी ड्राइवर मौके से फरार हो गया। वैशाली नगर थाना पुलिस के अनुसार हादसे में तिजारा के पालपुर निवासी कासम खान (40) और उनकी पत्नी सहिला खान (40) की मौत हुई है। वहीं कासम खान की बहन जुबैदा घायल है। परिवार ने बताया कि तीनों एक रिश्तेदार की मौत पर शोक जताने अलवर गए थे। नमन होटल के पास पीछे से आ रही एक ट्रक ने पहले बाइक को टक्कर मारी फिर घसीटते-कुचलते हुए भाग गया।

ड्राइवर ने ट्रक सहित मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन भीड़ होता देख वो ट्रक छोड़कर भाग गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे में घायल जुबैदा को अलवर जिला हॉस्पिटल में भर्ती है। मृतक का परिवार खेती बाड़ी करता है और उनके चार बच्चे हैं। वहीं, वैशाली नगर एसएचओ गुरुदत्त सैनी ने बताया कि आरोपी ड्राइवर की तलाश की जा रही है।

फर्जी आरएएस ने अफसरों को भी दिया धोखा

फर्जीवाड़े के 5 सबूत; झूठ बोलकर इंजीनियर से सगाई की

जयपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। तस्वीरों में नजर आ रहा ये शख्स खुद को राजस्थान की सबसे बड़ी प्रशासनिक सेवा (आरएएस) का अधिकारी बताता है। नाम नितेश सैन है। सवा साल से आरएएस ऑफिसर बनकर घूम रहा है। खुद को आरएएस बताता है। भीलवाड़ा, जयपुर सहित कई जिलों में पोस्टिंग का दावा करता है। कभी फोन करके, तो कभी खुद तहसील कार्यालय में जाकर पोस्ट का रौब दिखाकर काम करवा लेता है। यहां तक कि उसने इसी फर्जीवाड़े के जरिए एक इंजीनियर युवती से सगाई तक कर ली थी। जिसमें कई असली आरएएस-आरपीएस अफसर शामिल हुए थे। जानकारी मिली कि सीकर जिले में एक व्यक्ति खुद को एसडीए बता रहा है, जबकि ये सच नहीं है। ये सिर्फ सूचना भर थी, हकीकत किसी को पता नहीं थी। जांच पडताल में सबसे पहले 18 नवंबर, 2023 के रिजल्ट के बारे में पड़ताल की। सिलेक्ट हुए अभ्यर्थियों से नितेश सैन के बारे में पूछताछ की। उन्होंने बताया कि इस नाम का कोई भी युवक उनके बैच में नहीं था। यहां तक कि ट्रेनिंग के दौरान भी नितेश नाम का कोई युवक नहीं था। इसके बाद आरएएस 2021 की फाइनल रिजल्ट की लिस्ट चेक की। इसमें भी नितेश सैन का नाम नहीं था। नितेश सैन की फेसबुक पोस्ट पर उसने आरएएस रिजल्ट में 98वीं रैंक

बताई है। चेक किया तो 98वीं रैंक 906942 रोल नंबर वाले अभ्यर्थी की थी। ये रोल नंबर भी नितेश का नहीं था।

इसके बाद कार्मिक विभाग की वेबसाइट पर जाकर नितेश सैन का नाम चेक किया। यहां भी नितेश सैन नाम का आरएएस नहीं मिला।

भीलवाड़ा में एक साथ जलीं 5 दोस्तों की चिताएं

2 बार टला महाकुंभ का प्लान, तीसरी बार लौटी अर्थियां; जयपुर एक्सीडेंट में 8 लोगों की मौत

भीलवाड़ा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भीलवाड़ा के 2 गांवों में जब 8 लाशें एक साथ पहुंचीं तो चीख-पुकार मच गई। इनमें 5 शव तो उन दोस्तों के थे जो एक-दूसरे को जान से ज्यादा प्यार करते थे। गांव के बाहर नदी किनारे पांचों का अंतिम संस्कार एक साथ हुआ। महाकुंभ के लिए बीते 15 दिन से प्लानिंग कर रहे थे। डेली रील्स देखते, प्लानिंग करते कि प्रयागराज में कहां रुकेंगे, खाना कहां खाएंगे, त्रिवेणी तक कैसे जाएंगे, परिवार के लिए क्या लाएंगे... लेकिन उनकी इस ड्रीम जर्नी का अंत जयपुर में ही हो जाएगा, ये शायद किसी ने नहीं सोचा था।

गुरुवार सुबह भीलवाड़ा के बड़लियास और मुकुंदपुरिया गांव से एक कार में इन 5 दोस्तों सहित 8 लोगों की जयपुर के दूदू में एक्सीडेंट में मौत हो गई। अब गांव और परिवार के साथ केवल उनकी यादें ही रह गईं हैं।

नारायणलाल किशनलाल प्रमोद

सभी दोस्त पहले मौनी अमावस्या के दिन महाकुंभ जाने वाले थे, लेकिन भगदड़ की खबरें देखकर परिवार वालों ने उन्हें रोक दिया। फिर बसंत पंचमी पर जाने का प्रोग्राम बना, पर दो दोस्तों के घर में पारिवारिक कार्यक्रम आ जाने से वह भी टल गया। आखिरकार 6 फरवरी को सभी महाकुंभ के लिए निकले। सभी खुश थे। किसी को नहीं पता था कि यह उनकी आखिरी यात्रा होगी।

हादसे में जान गंवाने वाला एक युवक दिनेश बड़लियास गांव में मोबाइल शॉप चलाता था। दिनेश के दोस्त राजू ने बताया कि दिनेश की मोबाइल शॉप पर किसी काम से आता-जाता था। दिनेश 3 भाइयों में सबसे छोटा और अविवाहित था। दुकान पर बैठा वह अक्सर प्रयागराज महाकुंभ की रील्स देखता रहता था। वह दुकान पर आने-जाने वालों से महाकुंभ, प्रयागराज की जानकारी लेता रहा था।

राजू ने बताया- कुंभ स्नान करने के बाद ये दोस्त अयोध्या में रामलला के दर्शन भी करने वाले थे। इन दोस्तों ने 3 दिन का प्लान बनाया था। रविवार रात इन्हें भीलवाड़ा लौटना था। रवाना होने से पहले सभी दोस्त काफी खुश थे। हर किसी से कुंभ में स्नान करने और मेले का आनंद लेने की बात कह रहे थे। लेकिन गांव से निकलने के कुछ घंटे बाद गुरुवार शाम 4 बजे इनकी कार के एक्सीडेंट की सूचना मिली। एक बार तो यकीन ही नहीं हुआ। रह-रहकर रोना आ रहा है। बता नहीं सकता कि कैसा महसूस हो रहा है। पूरे गांव को ही गहरा सदमा लगा है। परिवारों पर तो क्या बीत रही होगी। पूरे गांव में चूल्हे नहीं जले।

अयोध्या भी जाने वाले थे सभी दोस्त

सरपंच प्रतिनिधि प्रकाश रैगर ने बताया- दिनेश दूर का रिश्तेदार था। उसने बताया था कि दोस्तों के साथ महाकुंभ जा रहा है। वह बहुत खुश था। दिनेश के साथ गया उसका दोस्त रविकांत मेरा भी मित्र था। बुधवार (5 फरवरी) को ही वह मेरे दादाजी की शोकसभा में बैठक में आया था। इसी दौरान बातचीत में उसने बताया था कि गुरुवार को 7-8 दोस्त महाकुंभ जा रहे हैं। इसके लिए किराए पर कार की है। अयोध्या भी जाने का प्लान है। रविवार रात को लौटेंगे।

रेलवे एम्पलॉयी की भी एक्सीडेंट में जान गई

हादसे में जान गंवाने वाले बबलू मेवाड़ा बबलू मेवाड़ा पुत्र मदनलाल मांडलगढ़ रेलवे दूरसंचार विभाग में पोस्टेड थे। उनके बड़े भाई की कुछ समय पहले हादसे में मौत हुई थी। गुरुवार को बबलू की मौत की सूचना आई तो उनके छोटे भाई, पत्नी और तीन बेटियां बिलख पड़े।

बीकानेर में सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत

तेज रफ्तार गाड़ी ने बाइक को मारी टक्कर, तीनों ने मौके पर ही तोड़ा दम

बीकानेर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बीकानेर के पूगल थाना इलाके में तेज रफ्तार अज्ञात गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार 3 लोगों की मौत हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। ये तीनों डेली तलाई से खरीदारी करके रामड़ा की ओर एक ही बाइक से आ रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ। टक्कर मारने वाली गाड़ी की अभी तक पता नहीं चल पाया है। तीनों शव पूगल के सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाए गए हैं।

पूगल थाने के एएसआई बाबूलाल यादव ने बताया- गुरुवार रात को हुए इस हादसे में जेठू सिंह (35) पुत्र मोड सिंह, मुकुंद सिंह (18) पुत्र मोती सिंह और पृथ्वी सिंह (14) पुत्र पेप सिंह की मौत हो गई है। इसमें जेठू सिंह और मुकुंद सिंह दोनों रिश्तेदार है, जबकि पृथ्वी सिंह भी डेली तलाई से इनके साथ बाइक पर सवार हुआ था। यह सभी डेली तलाई से खरीदारी कर लौट रहे थे।

विधानसभा में हंगामा, नेता प्रतिपक्ष बोले- नहीं चलने देंगे

फोन टैपिंग कांड पर जवाब दें मुख्यमंत्री; गृह राज्य मंत्री ने कहा- किरोड़ी के सारे आरोप निराधार

जयपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के सरकार पर फोन टैप करने के आरोप के बाद शुक्रवार को विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष के सदस्य कार्यवाही के दौरान ही सदन के वेल में पहुंच गए और मुख्यमंत्री से इस्तीफा देने की मांग की। हंगामे के कारण 2 बार कार्यवाही स्थगित की गई।

विपक्षी सदस्य किरोड़ी के आरोपों पर सरकार का विरोध करने काली पट्टी बांधकर सदन में पहुंचे थे। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि कैबिनेट मंत्री का फोन टैप हो रहा है। सरकार, सरकार का फोन टैप करा रही है। मंत्री मुख्यमंत्री पर आरोप लगा रहा है। जब तक मुख्यमंत्री सदन में जवाब नहीं देंगे, कार्यवाही नहीं चलने देंगे।

राष्ट्रीय पशुपालक संघ जयपुर में करेगा महा-बहिष्कार आंदोलन

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शिवरामपल्ली स्थित श्री बाबा रामदेवरा दरबार में समस्त राईका, रेबारी एवं देवासी समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद समाज बन्धुओं के तत्वावधान में राष्ट्रीय पशुपालक संघ पदाधिकारी के हैदराबाद भाग्यनगर की धरा पधारने पर सम्मान समारोह कार्यक्रम गुरुवार 6 फरवरी रात्रि 9.15 बजे से आयोजित किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक केवलराम लुणी देवासी ने बताया कि नगरागमन पर राष्ट्रीय पशुपालक संघ के पदाधिकारी अध्यक्ष लालजी राईका, संस्थापक उपाध्यक्ष झालाराम देवासी, भीखूसिंह राईका, कोषाध्यक्ष किशनराम देवासी का सम्मान समारोह कार्यक्रम समस्त समाज बन्धुओं के तत्वावधान में पुजा-अर्चना व दीप प्रज्वलितकर भव्यरूप से आयोजित किया गया।

सम्बोधन भाषण में अध्यक्ष लालजी राईका ने समाज बन्धुओं द्वारा दिये गये सम्मान के लिए तहदिल से आभार प्रकट कर बताया कि राष्ट्रीय पशुपालन संघ के नेतृत्व में डीएनटी संघर्ष समिति द्वारा 9 सूत्रिय मांगों के लिए 7 जनवरी को पाली, व 3 फरवरी को जोधपुर में आंदोलनकर मुख्यमंत्री के पुतले भी जलाये गये। सरकार को आखिरी चेतावनी देते हुए बताया कि जून तक मांगे नहीं मानी गयी तो 1 जुलाई जयपुर में सरकार के समक्ष महा-बहिष्कार आंदोलन आयोजित किया जाएगा। जिसमें डीएनटी राजस्थान के 52 समाज आते है, जिनकी संख्या 15 प्रतिशत है। सभी प्रवासी भाईयों से इस आंदोलन में सहयोग की अपील की है। संस्थापक उपाध्यक्ष झालाराम देवासी ने भी बताया कि डीएनटी में राजस्थान के सभी समाज एकत्रित होकर सहयोग देंगे, तभी 9 सूत्रिय मांगे, 10 प्रतिशत आरक्षण, राजनीती में भागीदारी, निवास स्थान का पट्टा, 1000 युवाओं को विदेशी शिक्षा, आदि मांगों का समाधान होगा।

पधारे समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शमशाबाद शाखा अध्यक्ष केवलराम लुणी, मेड़चल शाखा अध्यक्ष महेन्द्र देवासी, बंडलागुडा शाखा अध्यक्ष निम्बाराम मादलिया, बालाजी नगर शाखा अध्यक्ष मांगीलाल देवासी, नाथुराम देवासी, जोराराम देवासी, जगदीश लितरिया, किशनलाल देवासी, प्रकाश देवासी, मोहन देवासी, जयराम लुणी एवं समस्त राईका, रेबारी एवं देवासी समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद (तेलंगाना) एवं डीएनटी समुदाय के सभी प्रवासी बन्धु उपस्थित रहे। मंच का संचालन मोहन देवासी ने किया। केवलराम लुणी द्वारा पधारे अतिथियों व समाज बन्धुओं का आभार प्रकट कर धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

जिला अस्पताल में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाए : जिला कलेक्टर

कुमरमभीम आसिफाबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि जिला मुख्य अस्पताल में आने वाले मरीजों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। शुक्रवार को उन्होंने जिला अस्पताल का निरीक्षण किया, मरीजों से बात कर विस्तृत जानकारी ली तथा दवा वितरण की जानकारी लेने के बाद अस्पताल में होने वाले प्रसव के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि जिला अस्पताल में आने वाले गरीब मरीजों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना चिकित्सकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सरकार गरीब मरीजों के इलाज के लिए आवश्यक व्यवस्था करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उन्हें मैदानी स्तर पर सुविधाएं मिलें। चिकित्सा कर्मचारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जिले में प्रत्येक प्रसव अस्पताल में ही हो। इसके लिए स्टाफ को गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उन्हें नौ माह तक आवश्यक पोषण उपलब्ध कराने के साथ ही सुरक्षित प्रसव की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों को आपातकालीन स्थिति को छोड़कर अन्यत्र न भेजा जाए। वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि मरीजों को जिला अस्पताल में उपलब्ध सभी सुविधाएं मिलें। उन्होंने कहा कि जिला केन्द्र में स्थापित प्रतिष्ठित डायलिसिस केन्द्र पर बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी चिकित्सकों की है। उन्होंने चेतावनी दी कि सेवा में लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद उन्होंने निर्माणाधीन 320 बिस्तरों वाले अस्पताल का निरीक्षण किया और सुझाव दिया कि गुणवत्ता मानकों को बनाए रखा जाए। कार्यक्रम में अस्पताल अधीक्षक प्रवीण, अन्य स्टाफ एवं संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

मिड-डे मील और खाद्य सुरक्षा पर विपक्ष ने जताई चिंता

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने स्कूली बच्चों के लिए मिड-डे मील कार्यक्रम की अनदेखी करने और राजनीतिक लाभ को प्राथमिकता देने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना की है। उन्होंने रेवंत रेड्डी पर कटाक्ष करते हुए सवाल किया कि क्या उनका ध्यान गरीब छात्रों को भोजन कराने पर है या अपने 'दिल्ली के आकाओं' की सेवा करने पर?

उन्होंने पूछा कि मुख्यमंत्री की प्राथमिकता क्या है- भूखे छात्रों को भोजन उपलब्ध कराना, झुग्गियों को ढहाने के लिए बुलडोजर भेजना, अपने साले को अमृत योजना के टेंडर देना या अडानी समूह को राज्य के संसाधनों को लूटने देना? एक्स से बात करते हुए रामा राव ने पूछा कि क्या रेवंत रेड्डी मूसी नदी विकास परियोजना के नाम पर धन की हेराफेरी करने और अपने दिल्ली के आकाओं को खुश करने के लिए धन भेजने या देश के भविष्य गरीब बच्चों को भोजन कराने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे थे। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि वह मिड-डे मील योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करे और यह सुनिश्चित करे कि बच्चों को उचित पोषण मिले, न कि केवल प्रचार के हथकंडे अपनाए जाएं। इस बीच, वरिष्ठ बीआरएस नेता हरीश राव ने सरकारी गुरुकुल स्कूलों में फूड पॉइजनिंग के बढ़ते मामलों की निंदा की। महबूबाबाद के दामरावांचा एसटी गुरुकुल स्कूल में हुई ताजा घटना का जिक्र करते हुए, जहां कई छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, उन्होंने कहा कि फूड पॉइजनिंग की बार-बार होने वाली घटनाएं कांग्रेस सरकार की लापरवाही का सच्चा उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ एक साल में सैकड़ों छात्र फूड पॉइजनिंग से प्रभावित हुए हैं, जिनमें से कई अस्पताल में भर्ती हैं और कुछ की जान भी चली गई है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा मिलावटी खाद्य आपूर्तिकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई करने के वादे के बावजूद स्थिति गंभीर बनी हुई है। तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए उन्होंने सरकार से छात्रावासों में भोजन की गुणवत्ता में सुधार करने और प्रभावित छात्रों के लिए बेहतर उपचार सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

गंगापुर जातरा का सफल आयोजन हो : दीपक तिवारी

ुमरमभीम आसिफाबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएं) दीपक तिवारी ने कहा कि जिले के रेबेना मंडल के गंगापुर में 11 से 13 फरवरी तक आयोजित होने वाले श्री बालाजी वेंकटेश्वर स्वामी जातरा को सफल बनाने के लिए अधिकारी समन्वय से काम करें। शुक्रवार अतिरिक्त एस. पी से मिलकर मेले की व्यवस्था का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे मेले में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए वाहन पार्किंग, भारी कैडी, पेयजल, अस्थाई शौचालय, शौचालय, सफाई, सुरक्षा सहित सम्पूर्ण व्यवस्थाएं करें, ताकि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिविर, निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा विशेष बसों की व्यवस्था के लिए विशेष कदम उठाए जाएं तथा अधिकारीगण उन्हें सौंपे गए दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन करें। इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी एवं अन्य लोग शामिल हुए।

बिहार सहयोग समिति के पत्र को बिहार सीएम ने लिया संज्ञान

हैदराबाद से पटना के लिए ट्रेन चलाने को लेकर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष को लिखा पत्र

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद से पटना जाने की ट्रेन की समस्या को लेकर पत्र को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने संज्ञान में लिया है। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना हैदराबाद से पटना के लिए नई ट्रेन चलाने की मांग को लेकर कई सालों से संघर्षरत है। इसी परिपेक्ष में बिहार सहयोग समिति के अध्यक्ष विनय कुमार यादव ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों समेत बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी पत्र भेजा था।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पत्र को संज्ञान में लिया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष को पत्र भेजकर हैदराबाद से पटना के लिए नई ट्रेन चलाने का अनुरोध किया है। इस संबंध में बिहार सहयोग समिति के अध्यक्ष विनय कुमार यादव ने कहा कि बिहार जाने वालों को बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। छठ पूजा गर्मी के दिनों में ट्रेन में टिकट मिलना मुश्किल होता है। इस संबंध में बिहार सहयोग समिति वर्षों से अपनी लड़ाई जारी रखे हुए हैं। इस बारे में बिहार के मुख्यमंत्री और अन्य जनप्रतिनिधियों से सहयोग मांगा गया है।

विप्र फाउण्डेशन द्वारा पाँच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ कल

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विप्र फाउण्डेशन ज़ोन 16 तेलंगाना द्वारा बसंत पर्व 2025 के उपलक्ष्य में पांच कुंडीय महा गायत्री यज्ञ का भव्य आयोजन गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में 9 फरवरी को प्रातः 9:31 के जियागुड़ा स्थित कामधेनु गौशाला पर प्रारंभ होगा। इसी संदर्भ में आज एक समीक्षा बैठक फीलखाना स्थित श्रृंग ऋषि भवन में रखी गई, जहाँ कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने हेतु चर्चा की गई। सभी विप्र बंधुओं से आग्रह किया गया कि वे इस धार्मिक अनुष्ठान में उपस्थित रहकर पुण्य के भागीदार बनें। कार्यक्रम के सुअवसर पर अरुणाचल प्रदेश में भगवान परशुरामजी की 51 फुट की पंचधातु मूर्ति निर्माण में आर्थिक सहयोगी भामाशाहों को सम्मानित किया जाएगा। संदीप जायसवाल के धन्यवाद ज्ञापन से बैठक का समापन हुआ ।

नरसिंगी में नाबालिग लड़की से बलात्कार

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के नरसिंगी में पांच युवकों ने नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। यह घटना तब सामने आई जब लड़की के माता-पिता ने गुरुवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जानकारी के अनुसार, नरसिंगी के हैदरशाहकोट के रहने वाले संदिग्ध, पीड़िता के परिचित हैं, जो उसी इलाके की रहने वाली है। यह घटना तब सामने आई जब लड़की ने हाल ही में बीमार होने की शिकायत की और जब उसके माता-पिता ने पूछताछ की, तो उसने आपबीती बताई। जिसके बाद, पीड़िता और उसके माता-पिता ने नरसिंगी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसने पॉक्सो अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और मामले में संदिग्धों को हिरासत में लिया। पुलिस ने उसे मेडिकल जांच के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने कहा कि लड़की को न्याय दिलाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

इस बीच, स्थानीय निवासियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाने की मांग करते हुए हंगामा किया है।

करमनघाट श्री आईमाता मंदिर का आठवां वार्षिकोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट स्थित अलमासगुड़ा सीरवी समाज की आस्था का केन्द्र श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज ट्रस्ट बन्धुओं के सानिध्य में श्री आईमाताजी मंदिर के दो दिवसीय आठवां वार्षिकोत्सव व ध्वजा रोहण समारोह 6 फरवरी जागरण व 7 फरवरी प्रातः वेला में पूजा-अर्चनाकर ध्वजा रोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा व सचिव पुखराज चोयल ने बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में आठवां वार्षिकोत्सव व ध्वजा रोहण समारोह आयोजित किया गया। 6 फरवरी श्री आईमाता मंदिर, श्री शीतलामाता मंदिर, श्री सोनाणा खेतलाजी व श्री बाबा रामदेवजी मंदिर को विशेष फूलों व लाइटिंग से सजाकर, माई का श्रृंगारकर रात्रि 9.15 बजे से श्री आईमाताजी भजन मंडली द्वारा जागरण का आयोजन किया गया।

माघ सुदी दसम 7 फरवरी को प्रातः वेला में पुजारी अम्बारामजी सोलंकी द्वारा पूजा-अर्चनाकर 9.15 बजे पूर्व सचिव हिरालाल सैणचा गांधीनगर बडंगपेट के निवास स्थान से गाजे-बाजे के साथ नाचते-गाते हुए ध्वजा व ज्योत श्री आईमाता मंदिर लाई गयी। श्री आईमाता मंदिर की ध्वजा हिरालाल, ओगड़राम सैणचा, श्री सोनाणा खेतलाजी की ध्वजा मनाराम, हंसाराम आगलेचा, श्री बाबा रामदेवजी की ध्वजा शेषाराम, पुखराज चोयल व श्री शीतला माताजी की ध्वजा समाज बन्धुओं द्वारा चढायी गयी। महाआरती के पश्चात् पधारे सभी समाज बन्धुओं व अतिथियों के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण में की गयी। जिसका समाज बन्धुओं ने सपरिवार लाभ लिया।

सम्बोधन भाषण में अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा ने पधारे सभी समाज बन्धुओं को आठवें वार्षिकोत्सव व ध्वजा रोहण समारोह की शुभकामनांए देते हुए भरोसा दिलाया कि मंदिर के चहुमुखी विकास के लिए सभी समाज बन्धुओं के सहयोग से मिलझुलकर कार्य करेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, उपाध्यक्ष चेनाराम सिन्दड़ा, सचिव पुखराज चोयल, सहसचिव गजाराम सैणचा, कोषाध्यक्ष दौलतराम पंवार, सहकोषाध्यक्ष मंगलाराम परिहारिया, सलाहकार मगाराम परिहार, हंसाराम आगलेचा, पूर्व सचिव हिरालाल सैंणचा, चुन्नीलाल बर्फा, पदाधिकारी, सदस्यगण व समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहे। सचिव पुखराज चोयल के मंच संचालन व अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

सेना ने 7 ...

हालांकि सूत्रों ने बताया कि इस घटना में 5 आतंकवादियों की मौत हुई है। इनमें बीएटी टीम मेंबर्स का जिक्र नहीं किया गया।

आतंकवादी अलबद्र ग्रुप के हो सकते हैं :

सूत्रों ने बताया कि इस ऑपरेशन में जो आतंकवादी मारे गए वो अलबद्र ग्रुप के मेंबर्स हो सकते हैं। घुसपैठ की यह कोशिश तब की गई है, जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ कह चुके हैं कि हम भारत के साथ सभी मसले बातचीत के जरिए सुलझाएंगे।

पाकिस्तानी पीएम बोले- बातचीत से मसले सुलझाएंगे :

घुसपैठ की यह कोशिश तब की गई है, जब एक दिन पहले 6 फरवरी को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ कह चुके हैं कि हम भारत के साथ सभी मसले बातचीत के जरिए सुलझाएंगे।

पीओके में हुई जैश-लश्कर की मीटिंग, सरकार ने दी मंजूरी :

पाकिस्तानी पीएम के बयान के बाद ही सरकार ने पीओके के रावलाकोट में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा को एक रैली की मंजूरी दी गई। इसमें बंदूकें और एके-47 लहराई गईं। इस रैली में एंटी इंडिया नारे लगाए गए। इसमें हमास के लीडर्स भी मौजूद थे।

अमेरिका 487 और ...

दुनिया का कोई भी देश अगर अपने नागरिकों को वापस स्वीकार करना चाहता है तो उसे यह यकीन चाहिए होता है कि जो भी वापस आ रहा है वह उसका नागरिक है, क्योंकि इससे सुरक्षा के मुद्दे जुड़े हैं।

अमेरिका में अवैध अप्रवासी भारतीयों को ट्रैकर लगाए :

अमेरिका से डिपोर्ट हो रहे भारतीय प्रवासियों की वापसी के बाद कई नए खुलासे हो रहे हैं। अमेरिका ने अब तक बिना वैध दस्तावेज वाले 20,407 भारतीयों को चिह्नित किया है। इन सभी को अवैध भारतीय अप्रवासी कहा जाता है। ये अंतिम बेदखली आदेश (फाइनल रिमूवल ऑर्डर) के इंतजार में हैं। इनमें से 2,467 भारतीय इमिग्रेशन एंड कस्टम एनफोर्समेंट (आईसीई) के डिटेंशन सेंटर्स में कैद थे। इन्हीं में से 104 को हाल में भारत डिपोर्ट किया गया। इसके अलावा 17,940 भारतीय ऐसे हैं जो बाहर हैं, इनमें से कई भारतीयों के पैरों में डिजिटल ट्रैकर (एंकल मॉनीटर) लगाए गए हैं। आईसीई इनकी लोकशन चौबीसों घंटे ट्रैक करती है। ये लोग निर्धारित लोकेशन से बाहर नहीं जा सकते हैं।

अमेरिकी डिटेंशन सेंटर्स में क्षमता से ज्यादा लोग :

अमेरिकी डिटेंशन सेंटर को लेकर सामने आई एक रिपोर्ट में बड़े खुलासे हुए हैं। आईसीई ने कहा कि कि उनके डिटेंशन सेंटर्स में क्षमता के मुकाबले 109 प्रतिशत लोग ज्यादा है। होमलैंड सुरक्षा विभाग के डेटा के मुताबिक डिटेंशन सेंटर्स की कुल क्षमता 38,521 बिस्तरों की है। वहीं, फिलहाल इस सेंटर्स में 42 हजार अवैध अप्रवासी हैं। इनमें से आधों को मेक्सिको सीमा पर गिरफ्तार किया गया था।

कारगिल युद्ध से ...

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने कहा, कुछ चीजें ऐसी हैं, जिनमें न्यायपालिका को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। अगर हम ऐसा करते हैं तो ये गलत होगा। पीठ ने कहा, आपने युद्ध में भाग लिया और अब मुद्दों को वैसे ही छोड़ दिया जाना चाहिए, जैसे वे हैं।

अदालत के रुख को देखते हुए याचिका दायर करने वाले सैन्य अधिकारी मनीष भटनागर ने भी जनहित याचिका वापस लेने की मांग की, जिसकी अदालत ने अनुमति दे दी। पैराशूट रेजिमेंट की 5वीं बटालियन के पूर्व अधिकारी भटनागर ने घुसपैठ की पुष्टि होने और बाद में ऑपरेशन के संचालन के तरीके के बारे में सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि कारगिल घुसपैठ के बारे में उन्होंने साल 1999 में जनवरी-फरवरी में ही उनके वरिष्ठों को जानकारी दे दी थी, लेकिन उनके इनपुट को नजरअंदाज कर दिया गया। भटनागर ने तर्क दिया था कि जब बड़े पैमाने पर संघर्ष छिड़ गया, तो उनका किसी अन्य बहाने से कोर्ट मार्शल कर दिया गया और सेना छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। कारगिल युद्ध 1999 में मई से जुलाई तक चला था। कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी सेना ने भारत में घुसपैठ की, लेकिन उसे मुंह की खानी पड़ी थी।

पीएनबी द्वारा होम लोन एक्सपो का आयोजन

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक द्वारा ग्राहकों को अपना घर खरीदने एवं निर्माण हेतु हाउसिंग फाइनेंस के विभिन्न विकल्प मुहैया कराने के उद्देश्य से होम लोन एक्सपो-2025 का आयोजन ली-मैरीडियन में किया गया। एक्सपो का उद्घाटन क्रेडाई, हैदराबाद अध्यक्ष राजशेखर रेड्डी एवं बैंक के हैदराबाद अंचल प्रबंधक दीपक कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया। एक्सपो में बिल्डरों द्वारा भाग लिया गया। एक्सपो में 20 से अधिक ग्राहकों को 45.00 करोड़ से अधिक के ऋण स्वीकृति पत्र दिए गए। दीपक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पीएनबी का अखिल भारतीय स्तर पर आवास ऋण पोर्टफोलियो 17.30% वार्षिक तथा हैदराबाद अंचल का 17.67% है।

इसे और अधिक बढ़ावा देने के उद्देश्य से बैंक द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर 138 केंद्रों पर होम लोन एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। आज का आयोजन इसी कड़ी में है। उन्होंने कहा कि पंजाब नैशनल बैंक के सस्ते ब्याज दर से रीयल एस्टेट क्षेत्र को और अधिक गति मिलेगी। श्रीवास्तव ने यह भी बताया कि हैदराबाद में हाल के वर्षों में आईटी कंपनियाँ, ओआरआर (आउटर रिंग रोड), चिकित्सा, पर्यटन एवं अन्य औद्योगिक विकास होने से आवास निर्माण क्षेत्र में व्यापक वृद्धि देखी जा रही है।

क्रेडाई अध्यक्ष राजशेखर रेड्डी ने बताया कि हैदराबाद शहर अपने रीयल एस्टेट ग्रोथ के लिए जाना जाता है। मुझे विश्वास है कि पीएनबी द्वारा आयोजित एक्सपो हैदराबाद के रीयल एस्टेट ग्रोथ को और अधिक गति देगा। इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख, संजय माने, हैदराबाद एवं सिकंदराबाद मंडल के उप मंडल प्रमुख अरविंद कालरा तथा मोहम्मद ख़ालिद, वरिष्ठ अधिकारीगण एवं बैंक के हैदराबाद क्षेत्र के शाखा प्रमुखों की विशेष उपस्थिति रहीं।

मिधानि में हिंदी कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के रक्षा उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। तीन सत्रों में संचालित कार्यशाला के आरंभ में डॉ. बी.बालाजी, प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार), मिधानि ने कार्यशाला के आयोजन की अनिवार्यता तथा उद्देश्य को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में राजभाषा नीति, राजभाषा कार्यान्वयन में कंप्यूटर की भूमिका, कंप्यूटर पर हिंदी टंकण के बेसिक टिप्स सहित प्रशासनिक शब्दावली जैसे विषयों पर व्याख्यान होंगे। उन्होंने प्रथम व द्वितीय सत्र में क्रमशः विभागों में हिंदी में कामकाज को कैसे बढ़ाएँ और कंप्यूटर पर हिंदी टंकण के बेसिक टिप्स विषय पर व्याख्यान दिया।

तृतीय सत्र में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की हिंदी अधिकारी श्रुति पांडे ने राजभाषा नीति के अनुपालन में कर्मचारियों का दायित्व विषय पर व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान के दौरान उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के कार्यालयों में तैनात कर्मचारी के सहयोग के बिना राजभाषा कार्यान्वयन संभव नहीं होगा। उन्होंने अपने व्याख्यान के अंतिम चरण कार्यशाला में शामिल कर्मचारियों को लेकर नमूना राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया। कार्यशाला के सफल आयोजन में हिंदी विभाग की श्रीमती डी रत्नाकुमारी, कनिष्ठ कार्यपालक (एनयूएस) का और डाक अनुभाग के सांविदिक कर्मचारी जयपाल व नरेंद्र गांधी का सक्रिय सहयोग रहा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

'भारत को इसकी चिंता होनी चाहिए', पाकिस्तान के अंतरिम कोच ने बुमराह की चोट पर कसा तंज

कराची, 7 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के अंतरिम मुख्य कोच आकिब जावेद ने कहा है कि भारत को आगामी चैंपियंस ट्रॉफी में 23 फरवरी को होने वाले मुकाबले से पहले अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस को लेकर चिंतित होना चाहिए। बुमराह पीठ में चोट की वजह से सिडनी टेस्ट की चौथी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। इसके बाद से वह क्रिकेट से दूर हैं। वह अभी बंगलूरू में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में हैं, जहां स्कैन किए जाने के बाद उनकी चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने पर स्पष्टता आएगी।

'हम बुमराह को ही सोचकर प्लान नहीं बनाएंगे'

आकिब ने बुधवार को लाहौर के गनी ग्लास मैदान में पाकिस्तान के ट्रेनिंग सेशन के मौके पर कहा, 'भारत को बुमराह की फिटनेस के बारे में चिंतित होना चाहिए। जब आप चैंपियंस ट्रॉफी में खेलते हैं तो सबसे खूबसूरत बात यह है कि आप किसी टीम को हल्के में नहीं ले सकते। शीर्ष आठ सर्वश्रेष्ठ टीमें खेल रही हैं। अगर किसी

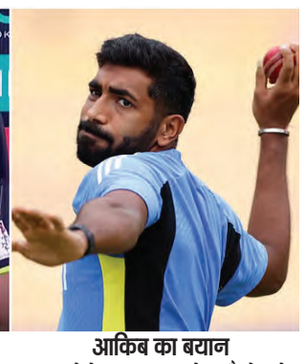

टीम के पास बुमराह जैसा गेंदबाज है तो यह प्लस प्वाइंट है, लेकिन ऐसा नहीं है कि हम सिर्फ उन्हीं को सोचकर सारी योजनाएं बनाएंगे।'

आकिब ने पाकिस्तान की टीम का बचाव किया

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की टीम चयन को लेकर भी काफी विवाद हुआ था। अहमद शहजाद से लेकर वसीम अकरम तक ने इस चयन की आलोचना की थी। टीम में फहीम अशरफ और खुशदिल शाह के चयन पर आलोचकों ने निशाना साधा था। इस चयन को लेकर फैंस में बहुत नाराजगी है। फैंस का मानना है कि इन्होंने हाल फिलहाल में कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया है। हालांकि, आकिब ने इसका बचाव किया है।

फहीम और खुशदिल को लेकर आकिब का बयान

उन्होंने कहा, 'दो मैचों के प्रदर्शन के आधार पर बदलाव करना सही नहीं है। यही टीम चैंपियंस ट्रॉफी में खेलती दिख सकती है। जब आप न्यूजीलैंड, भारत और बांग्लादेश के खिलाफ तीन पूल मैचों पर गौर करते हो तो आपको शीर्ष सात बल्लेबाजों की जरूरत होती है जिसमें दो आलराउंडर सहित चार गेंदबाजी विकल्प होते हैं।' टीम के मुख्य चयनकर्ता के रूप में भी काम कर रहे आकिब ने कहा, 'फहीम और खुशदिल दोनों ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की तुलना में उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में खेलने के लिए बेहतर विकल्प हैं।'

'पाकिस्तान का लक्ष्य 325+ रन बनाने का'

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का लक्ष्य न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की मौजूदगी वाली त्रिकोणीय सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी में बल्ले से लगभग 325 रन बनाना होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हाल के वर्षों में टी20 क्रिकेट में 200 रन बेंचमार्क बन गए हैं। इसलिए वनडे में 325 या 350 का स्कोर भी संभव है। खासकर तब जब फील्डिंग में कुछ सख्त नियम हैं। शुरुआती ओवरों में सर्कल के बाहर केवल चार फील्डर्स को अनुमति से आप अच्छे रन बना सकते हैं।

पाकिस्तान की कमान संभालेंगे रिजवान

मोहम्मद रिजवान इस साल चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान टीम का नेतृत्व करेंगे। 2023 वनडे विश्व कप में बाबर ने टीम का नेतृत्व किया था।

इसके बाद उन्हें टीम की कप्तानी से हटा दिया गया था। टूर्नामेंट से पहले पाकिस्तान खिताब बचाने की तैयारियों को मजबूत करने के लिए दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज भी खेलेगा। त्रिकोणीय सीरीज की शुरुआत न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच आठ फरवरी को गद्दाफी स्टेडियम में होने वाले मुकाबले से होगी।

रवींद्र जडेजा ने भारत के लिए पूरे किए 600 अंतरराष्ट्रीय विकेट, इस मामले में एंडरसन को पीछे छोड़ा

नागपुर , 7 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में शानदार गेंदबाजी की और तीन विकेट लेने में सफल रहे। जडेजा ने इसके साथ ही भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 600 विकेट पूरे कर लिए हैं और वह ऐसा करने वाले पांचवें भारतीय गेंदबाज हैं। जडेजा ने अपने करियर में भारत के लिए 80 टेस्ट मैचों में 323 विकेट, 198 वनडे में 223 विकेट और 74 टी20 में 54 विकेट लिए हैं।

जडेजा-हर्षित की शानदार गेंदबाजी

डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज हर्षित राणा और स्पिनर रवींद्र जडेजा की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने 47.4 ओवर में इंग्लैंड को 248 रन पर ऑलआउट कर दिया। इंग्लैंड के लिए कप्तान जोस बटलर और जैकेब बेथेल ने अर्धशतक जड़े जिस कारण टीम चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रही। भारत की ओर से हर्षित और जडेजा ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि मोहम्मद शमी, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को एक-एक विकेट मिला। इंग्लैंड के लिए बटलर ने 52 रन, बेथेल ने 51 रन, सॉल्ट ने 43 रन और डकेत ने 32 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट

खिलाड़ी	मैच	विकेट
अनिल कुंबले	401	953
रविचंद्रन अश्विन	287	765
हरभजन सिंह	365	707
कपिल देव	356	687
रवींद्र जडेजा	352	600*
जहीर खान	303	597
जवागल श्रीनाथ	296	551
मोहम्मद शमी	191	452*
जसप्रीत बुमराह	204	443*
ईशांत शर्मा	199	434*

एंडरसन से आगे निकले जडेजा

रवींद्र जडेजा ने जैकेब बेथेल को आउट कर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। बेथेल अर्धशतक लगाकर आउट हुए। उन्होंने 64 गेंदों पर 51 रन बनाए। जडेजा का इस मैच का यह दूसरा विकेट था। जडेजा ने इसके साथ ही एक खास उपलब्धि अपने नाम कर ली। वह भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। जडेजा अबतक इस टीम के खिलाफ वनडे में 42 विकेट ले चुके हैं। उन्होंने इस मामले में जेम्स एंडरसन को पीछे छोड़ा जिन्होंने दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज के दौरान 40 विकेट लिए थे।

भारत-इंग्लैंड वनडे में सर्वाधिक विकेट

42 रवींद्र जडेजा
40 जेम्स एंडरसन
37 एंड्रयू फ्लिंटॉफ
36 हरभजन सिंह

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले हर तरह का प्रयोग करना चाहते हैं कप्तान रोहित

नागपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)।कप्तान रोहित शर्मा ने गुरुवार को कहा कि चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारतीय टीम कुछ खास हासिल करने की कोशिश नहीं करना चाहती, लेकिन जितना हो सके सभी चीजें सही करना चाहेंगे जैसा कि उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में किया। भारतीय टीम 249 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए तीन विकेट पर 221 रन के स्कोर से छह विकेट पर 235 रन पर पहुंच गई। एक छोटी सी बाधा को छोड़कर भारत ने लगभग सही प्रदर्शन किया और चार विकेट की जीत से सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की।

'हम यथासंभव सही चीजें करते रहें'

रोहित ने मैच के बाद कहा, 'कुछ खास नहीं। कुल मिलाकर एक टीम के तौर पर, मैं बस यही चाहता हूं कि हम यह सुनिश्चित करते रहें कि हम यथासंभव सही चीजें करते रहें। ऐसा कुछ खास नहीं है जिसे हम हासिल करने की कोशिश करना चाहते हैं। हम गेंदबाजी, बल्लेबाजी और इस तरह की चीजों के मामले में हर संभव कोशिश करना चाहते हैं। इसलिए हम ऐसा करने में काफी हद तक सफल रहे। हालांकि मुझे लगा कि हमें अंत में वे विकेट नहीं गंवाने चाहिए थे।'

'ऐसी चीजें गलत भी हो सकती हैं'

उन्होंने कहा, 'खिलाड़ी गेंदबाजों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं और ऐसा करते समय ऐसी चीजें गलत भी हो सकती हैं।' भारतीय कप्तान ने कहा कि वह भारत के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं क्योंकि टीम लगभग छह महीने के बाद वनडे मैच खेल रही थी। रोहित ने कहा, 'मैं काफी खुश हूं क्योंकि हम सभी जानते थे कि हम इस प्रारूप में लंबे समय बाद खेल रहे हैं इसलिए हमारे लिए यह महत्वपूर्ण था कि हम जल्द से जल्द फिर से एकजुट हों और समझें कि क्या करना है।'

'खेल में वापसी करने का समय होता है'

रोहित ने कहा, 'यह थोड़ा लंबा प्रारूप है जहां आपके पास खेल में वापसी करने का समय होता है। जब चीजें आपसे थोड़ी दूर जाने लगती हैं तो इसका मतलब यह नहीं है कि यह दूर होती रहेगी। आपको वापसी करने कोशिश करनी होती है और हमने ठीक यही किया।' उन्होंने कहा, 'इसका श्रेय सभी गेंदबाजों को जाता है, सभी ने इस प्रदर्शन में अपना योगदान दिया और हमारे लिए इसे जारी रखना महत्वपूर्ण और जरूरी था।'

रोहित ने अक्षर पटेल की तारीफ

रोहित ने ऑलराउंडर अक्षर पटेल की तारीफ की जिन्होंने पांचवें नंबर पर उतरकर 47 गेंद में 52 रन बनाए। उन्होंने कहा, 'हमें मध्य में एक बाएं हाथ का खिलाड़ी चाहिए था। हम जानते हैं कि इंग्लैंड के कुछ स्पिनर हैं जो बाएं हाथ के बल्लेबाजों को गेंदबाजी करेंगे और हम चाहते थे कि बाएं हाथ का कोई बल्लेबाज मैदान पर हो।'

रोहित ने कहा, 'पिछले कुछ साल में हमने देखा है कि अक्षर एक क्रिकेटर के तौर पर कितना बेहतर हुआ है, खासकर अपने बल्ले से और हमें यह फिर देखने को मिला। हम उस समय थोड़ा दबाव में थे, हमें एक साझेदारी की जरूरत थी और गिल और अक्षर ने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की।'

गिल और बटलर ने दिया यह बयान

मैच जीतने में 87 रन की अहम पारी खेलने वाले शुभमन गिल ने कहा, 'मैं बस सकारात्मक रहने की कोशिश कर रहा था। नई गेंद के साथ तेज गेंदबाजों के लिए इसमें थोड़ी बहुत संभावना थी। इसलिए विचार प्रक्रिया यह थी कि बहुत अधिक बैकफुट पर नहीं जाएं और कुछ अच्छे क्रिकेट शॉट खेलें।' इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने इस दौरे पर फिर से विकेट गंवाने पर निराशा जताई और कहा कि कुछ और रन उनकी टीम के लिए मददगार होते।

बटलर ने कहा, 'हमने पावरप्ले में शानदार शुरुआत की, लेकिन हमने विकेट गंवा दिए। अंत में विकेट जिस तरह का था, उसे देखते हुए 40-50 रन और उपयोगी हो सकते थे।'

पाकिस्तान की अब हुई सरेआम बेइज्जती इंटरनेशनल बोर्ड ने कर दिया पूरे फेडरेशन को सस्पेंड

मैड्रिड, 7 फरवरी (एजेंसियां)। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन फुटबॉल यानी फीफा ने 6 फरवरी को पाकिस्तान को एक बड़ा झटका देने का काम किया। फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। फीफा ने बड़ा कदम हाल में ही निर्वाचित हुए पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन द्वारा वैश्विक फुटबॉल संस्था द्वारा प्रस्तावित संवैधानिक संशोधनों को लागू नहीं करने के बाद आया है। इस बड़े फैसले को लेकर फीफा की तरफ से बयान भी जारी किया गया है जिसमें उन्होंने ये भी साफ कर दिया कि आखिर ये निलंबन उस समय ही हटाया जाएगा जब सभी प्रस्तावित संशोधनों को लागू कर दिया जाएगा।

फीफा और एफसी के नियमों को लागू करने के बाद ही हटेगा निलंबन

पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन को सस्पेंड किए जाने के बाद फीफा की तरफ से जारी किए गए बयान में उन्होंने जानकारी दी कि पीएफएफ को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है क्योंकि यह पीएफएफ संविधान में संशोधन को अपनाने में विफल रहा है। पीएफएफ कांग्रेस द्वारा फीफा और एएफसी द्वारा प्रस्तुत पीएफएफ संविधान के नए संशोधित नियमों को मंजूरी दिए जाने के बाद ही निलंबन हटाया जाएगा। जून 2019 से पाकिस्तान फुटबॉल का संचालन फीफा द्वारा नियुक्त नॉर्मलाइजेशन कमेटी द्वारा किया जा रहा है।

साल 2017 से अब तक तीसरी बार किया गया सस्पेंड

फीफा की तरफ से ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि उन्होंने पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन को सस्पेंड करने का फैसला लिया है। साल 2017 से लेकर अब तक ऐसा तीसरी बार देखने को मिला है। इस हफ्ते की शुरुआत में पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन में नॉर्मलाइजेशन कमेटी के अध्यक्ष हारून मलिक ने संसदीय पैनल को चेतावनी दी थी कि 15 फरवरी उनके कार्यकाल का अंतिम दिन होगा और यदि पाकिस्तान ने संवैधानिक संशोधनों को लागू नहीं किया तो उसे निलंबित किया जा सकता है। वहीं अब उनके कार्यकाल के खत्म होने से पहले ही फीफा ने ये बड़ा फैसला ले लिया।

उत्तराखंड ने बनाया नया रिकॉर्ड, अब तक के इतिहास में पहली बार जीते पांच स्वर्ण पदक

देहरादून, 7 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय खेलों में सोना जीतने में बृहस्पतिवार को उत्तराखंड ने नया रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कर लिया। ताइक्वांडों में राज्य की पूजा यादव के स्वर्ण पदक जीतते ही राज्य को मिले स्वर्ण पदकों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। यह पिछले सभी राष्ट्रीय खेलों में अब तक का रिकॉर्ड है।

राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड को अभी बॉक्सिंग और एथलेटिक्स सहित कई खेलों में पदकों की उम्मीद है। राज्य के पांच मुक्केबाज निवेदिता, काजल, हिमांशु सोलंकी, कपिल पोखरिया और नरेंद्र सिंह ने बॉक्सिंग के फाइनल में पहुंच गए हैं। ये खिलाड़ी गोल्ड के लिए आज विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों को अपने मुक्कों का दम दिखाएंगे।

ताइक्वांडों में भी राज्य के चार पदक पक्के हो गए हैं। फुटबॉल में भी राज्य के खिलाड़ियों ने फाइनल में पहुंचकर इतिहास रचा है। फुटबॉल के आज होने वाले फाइनल मुकाबले में राज्य के खिलाड़ी गोल्ड के लिए टक्कर देंगे। इसके अलावा, कुछ अन्य खेलों में भी राज्य को पदकों की उम्मीद है।

उत्तराखंड को अब तक इन खेलों में मिले पांच स्वर्ण

उत्तराखंड को वुशु में पहला स्वर्ण पदक मिला। लॉन बॉल, योगासन, कैनोइंग और कयाकिंग और ताइक्वांडो में भी उत्तराखंड सोना जीत चुका है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने आईओए के फैसले को खारिज किया, ताइक्वांडो के डीओसी को हटाने का मामला

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को राष्ट्रीय खेलों में ताइक्वांडो के प्रतियोगिता निदेशक (डीओसी) को हटाने के फैसले को खारिज करते हुए कहा कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों में 'कोई ठोस सबूत नहीं है'। सोमवार को राष्ट्रीय खेलों की तकनीकी आचरण समिति (जीटीसीसी) ने डीओसी टी प्रवीण कुमार को कुछ अधिकारियों के साथ हटा दिया था जिन पर प्रतियोगिता शुरू होने से बहुत पहले 16 भार वर्गों में से 10 में परिणाम फिक्स करने के लिए रिश्वत मांगने का आरोप था। उनकी जगह एस दिनेश कुमार को डीओसी बनाया गया। उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि 'डीओसी को बदलने का कोई कारण नहीं बताया गया है जो तकनीकी अधिकारियों में से एक नहीं है और मुकाबलों को तय करने में उनकी कोई भूमिका नहीं है।'

न्यायमूर्ति सचिन दत्ता द्वारा पारित आदेश में कहा गया है, 'इनमें से किसी भी शिकायत के साथ कोई ठोस सामग्री नहीं है और इनमें केवल आरोप हैं। यह उल्लेखनीय है कि 31 जनवरी 2025 की शिकायत में 2012 तक की अवधि के कुछ आरोपों का उल्लेख है।' प्रतियोगिता में हेराफेरी की तीन सदस्यीय रोकथाम समिति (पीएमसीसी) की मजबूत सिफारिशों के बाद 31 जनवरी को कुमार को हटाया गया। जीटीसीसी की अध्यक्ष सुनैना कुमारी ने कहा कि पीएमसीसी की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया गया है।

स्टीव स्मिथ का बजा श्रीलंका में डंका कप्तान बनते ही कर दिया ये कमाल

कोलंबो, 7 फरवरी (एजेंसियां)। स्टीव स्मिथ इस वक्त श्रीलंका में हैं और वहां पर कमाल की बल्लेबाजी कर रहे हैं। पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में इस सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी स्टीव स्मिथ ही संभाल रहे हैं। वैसे तो स्मिथ दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाज हैं, लेकिन ऐसा लग रहा है कि कप्तानी की जिम्मेदारी फिर से मिलते ही वे और भी ज्यादा आक्रामक हो गए हैं। श्रीलंका के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग की बराबरी कर ली है।

इस रिकॉर्ड में रिकी पोंटिंग के बराबर पहुंचे स्मिथ

स्टीव स्मिथ की ये 50 रनों से ज्यादा की पारी इसलिए और भी ज्यादा अहम हो जाती है, क्योंकि ये एशिया में आई है। माना जाता है कि एशिया की टर्निंग पिच पर ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बल्लेबाज ज्यादा रन नहीं बना पाते। टेस्ट क्रिकेट में एशिया में ये उनकी 15वीं 50 से ज्यादा रनों की पारी है और ये काम उन्होंने 42 पारियों में ही कर लिया है। इससे पहले

केवल रिकी पोंटिंग की ऐसे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हैं, जो 15 बार 50 रन से ज्यादा की पारी खेल पाए हैं। उन्होंने ये मुकाम 48 पारियों के बाद छुआ था। इस लिस्ट में ऐलन बॉर्डर भी हैं, जो 14 बार ये कमाल कर चुके हैं। यानी अब स्टीव स्मिथ ने ऐलन बॉर्डर को पीछे छोड़कर रिकी पोंटिंग की बराबरी कर ली है।

स्टीव स्मिथ केवल जैक कैलिस से ही पीछे

स्मिथ की ये टेस्ट क्रिकेट में 206वीं पारी है। केवल साउथ अफ्रीका के जैक कैलिस ही ऐसे बल्लेबाज हैं, जो इतनी टेस्ट पारियां खेलकर सबसे ज्यादा बार 50 प्लस का स्कोर बना चुके हैं। जैक कैलिस ने जब तक 206 टेस्ट पारियां खेली थी, तब तक उनके नाम 78 बार 50 प्लस का स्कोर था, वहीं स्टीव स्मिथ 77 बार ये काम कर चुके हैं। खास बात ये है कि यहां भी स्मिथ ने रिकी पोंटिंग की बराबरी की है। पोंटिंग ने भी 206 पारियों के बाद 77 बार ही 50 से ज्यादा रन की पारी खेली थी। स्टीव स्मिथ ने इसी सीरीज के पहले मैच में 141 रनों की धांसू पारी खेली थी और अब अर्धशतक पूरा करने के बाद नाबाद हैं। सीरीज का पहला मैच जीतकर ऑस्ट्रेलियाई टीम बढ़त बना चुकी है और अब उसकी कोशिश है कि दो मैचों की सीरीज में श्रीलंका का सूपड़ा साफ किया जाए। इस वक्त तो ऑस्ट्रेलियाई की टीम ड्राइविंग सीट पर नजर आ रही है।

मेघालय सरकार की पहल, राष्ट्रीय खेलों के पदकवीरों को नौकरी और नकद प्रोत्साहन का आश्वासन

शिलांग , 7 फरवरी (एजेंसियां)। मेघालय सरकार ने उत्तराखंड में चल रहे राष्ट्रीय खेलों में राज्य के सभी पदक विजेताओं को नौकरी और नकद पुरस्कार देने का आश्वासन दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विकास राणा ने पुरुषों की कयाक क्रॉस एक्सट्रीम स्लालोम स्पर्धा में खेलों में राज्य का पहला स्वर्ण पदक जीता, जबकि इस साल की शुरुआत में एशियाई कैनो चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली एलिजाबेथ विंसेंट ने रजत पदक जीता।

असम राइफल्स रोइंग नोड की दो राइफलवुमैन किरण देवी और बी आनंदी ने लाइटवेट महिला डबल स्कल्स में कांस्य पदक जीता जिससे राज्य के पदकों

की संख्या पांच हो गई और 2005 के राष्ट्रीय खेलों के दौरान मेघालय के एथलीटों द्वारा जीते गए पदकों की संख्या की बराबरी हो गई।

खेल विभाग ने एक बयान में कहा, 'खेल नीति दिशानिर्देशों के अनुसार नकद पुरस्कार, छात्रवृत्ति और अतिरिक्त पुरस्कार दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के अनुसार राज्य सरकार खेलों में सफल खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी देने के लिए राज्य की खेल नीति के आधार पर तंत्र भी जारी करेगी।'

बुधवार को री-भोई के 15 वर्षीय एथलीट इंद्र शर्मा ने पुरुषों की स्लैलम सी1 स्पर्धा में रजत पदक जीता जबकि पिनशंगैन कुर्बाह ने एक अन्य कैनोइंग स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। राज्य की खेल नीति के अनुसार राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतने वालों को क्लास-3 स्तर का अधिकारी पद दिया जाएगा।

साथ ही कानून लागू करने वाले संगठनों में पदक विजेताओं के लिए 15 प्रतिशत और राज्य सरकार में 10 प्रतिशत आरक्षण होगा। स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को दो लाख रुपये, रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 1.5 लाख रुपये और कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

'विश्वास है कि मैं देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकती हूं', महिला प्रो लीग से पहले बोलीं सोनम

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया महिला लीग में शानदार प्रदर्शन करने के दम पर महिला प्रो लीग के लिए सीनियर राष्ट्रीय टीम के शिविर के लिए चुनी गई युवा हॉकी फारवर्ड सोनम को विश्वास है कि वह भारतीय टीम की तरफ से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। महिला लीग में तीन मैच में चार गोल करने वाली 19 साल की सोनम को टूर्नामेंट की उदीयमान खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों में सर्वाधिक गोल किए। वह इस प्रतियोगिता में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों में तीसरे स्थान पर रही।

भारत प्रो लीग में जर्मनी, नीदरलैंड, इंग्लैंड और स्पेन से भिड़ेगा। हरियाणा की रहने वाली सोनम ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा, 'जब मेरे परिवार ने (राष्ट्रीय शिविर बुलाए जाने की) खबर सुनी तो उन्हें बहुत खुशी हुई। मुझे अच्छा लग रहा है और मेरा मानना है कि मैं भारत की तरफ से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकती हूं।' उन्होंने कहा, 'मैं यहां राष्ट्रीय शिविर में सीनियर खिलाड़ियों से काफी कुछ सीख रही हूं और अगर मुझे मौका मिलता है तो मैं उसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करूंगी।'

तेलंगाना यूजीसी मसौदा विनियमन वापस लिए जाने तक संघर्ष करेगा : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने दोहराया है कि तेलंगाना सरकार तब तक संघर्ष करेगी जब तक यूजीसी मसौदा विनियमन-2025, जो उच्च शिक्षा पर राज्य की शक्तियों को नियंत्रित करता है, में संशोधन नहीं किया जाता या उसे वापस नहीं लिया जाता। उन्होंने इस विषय पर राज्य सरकार के रुख की पुष्टि की और घोषणा की कि तेलंगाना संघीय सिद्धांतों की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई में पीछे नहीं हटेगा।

शुक्रवार को सचिवालय में मीडिया को संबोधित करते हुए श्रीधर बाबू ने खुलासा किया कि छह राज्य पहले ही 5 अगस्त को बेंगलुरू में एक ऐतिहासिक बैठक में मसौदे के खिलाफ एकजुट हो चुके हैं, जहां एक संयुक्त प्रस्ताव पारित किया गया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को सौंपा गया। मंत्री ने कहा कि लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है- केरल अब प्रतिरोध को बढ़ाने के लिए अगली रणनीतिक बैठक की मेजबानी करेगा। श्रीधर बाबू ने बढ़ते राष्ट्रीय विरोध को भी रेखांकित किया, उन्होंने याद दिलाया कि राहुल गांधी ने डीएमके नेताओं के साथ मिलकर गुरुवार को नई दिल्ली में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि तेलंगाना सरकार तब तक नरम नहीं पड़ेगी जब तक केंद्र राज्यों के साथ सार्थक बातचीत नहीं करता या मसौदा नियमों को पूरी तरह से रद्द नहीं कर देता। तेलंगाना उच्च शिक्षा में सालाना 4,000 करोड़ रुपये का निवेश करता है, फिर भी केंद्र सरकार अब राज्य के अधिकार को छीनना चाहती है।

श्रीधर बाबू ने इसे एक असंवैधानिक अतिक्रमण के रूप में निंदा की जो सीधे संघवाद की भावना का उल्लंघन करता है। यहां तक कि जम्मू और कश्मीर ने भी प्रतिरोध में शामिल होने की अपनी तत्परता का संकेत दिया है, जिससे देशव्यापी प्रतिरोध को और मजबूती मिली है। मंत्री ने स्नातक प्रवेश के लिए एक केंद्रीकृत राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा शुरू करने के केंद्र के प्रस्ताव की भी आलोचना की, इसे एक बहिष्करणकारी कदम कहा जो छात्रों को उच्च शिक्षा हासिल करने से हतोत्साहित करेगा। तेलंगाना में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) 40 प्रतिशत है- जो राष्ट्रीय औसत 28 प्रतिशत से कहीं अधिक है, और ऐसी नीतियों से इस प्रगति पर विपरीत प्रभाव पड़ने का खतरा है। उन्होंने चेतावनी दी कि मानकीकृत परीक्षा में फेल होने का डर हजारों छात्रों को कॉलेज की शिक्षा से दूर कर सकता है। एक और बड़ा मुद्दा केंद्र द्वारा कुलपतियों की नियुक्ति को केंद्रीकृत करने का जबरदस्त प्रयास है, जिससे राज्य का प्रतिनिधित्व समाप्त हो जाता है। श्रीधर बाबू ने इसे राज्य द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों पर नियंत्रण हासिल करने की एक सत्तावादी कोशिश करार दिया, और इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना इस अलोकतांत्रिक कदम का कड़ा विरोध करेगा।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पहले ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री को एक औपचारिक विरोध पत्र जारी कर मसौदा नियमों को तत्काल वापस लेने की मांग की है। श्रीधर बाबू ने कसम खाई कि जब तक केंद्र राज्यों के अधिकारों का सम्मान नहीं करता और तदनुसार मसौदे को संशोधित नहीं करता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा, कई राज्यों के विरोध और बढ़ते दबाव के साथ, आने वाले सप्ताह भारत में उच्च शिक्षा प्रशासन के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण होंगे। केरल में होने वाली अगली उच्च-दांव बैठक कार्रवाई के अगले चरण को निर्धारित करेगी, क्योंकि राज्य केंद्र के अतिक्रमण के खिलाफ एकजुट हैं।

हाइड्रा कमिश्नर ने अमीनपुर निवासियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हाइड्रा कमिश्नर एवी रंगनाथ ने आज अमीनपुर नगर पालिका में ऐलापुर राजगोपाल नगर एसोसिएशन के सदस्यों के साथ बैठक की। इस बैठक में उन्होंने भूखंडों की माप और विकास कार्यों के बारे में चर्चा की। बाद में, हाइड्रा कमिश्नर ने उन पीड़ितों से भी बात की जिन्होंने इलाके में भूखंड खरीदे थे। ऐलापुर इलाके के निवासी और सुप्रीम कोर्ट के वकील मुखिम जब हाइड्रा कमिश्नर रंगनाथ से बातचीत कर रहे थे, तभी दोनों के बीच बहस हो गई। इस संदर्भ में मुखिम ने कमिश्नर से पूछा कि क्या उन्हें तेलुगु भाषा आती है? इस पर रंगनाथ ने जवाब दिया.. और कहा, जो कहना है कहो, ओवर-एक्टिंग मत करो" और मुखिम को चेतावनी दी।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस नेता अनंतरामुलू को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में पूर्व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लू अनंतरामुलू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। रेवंत रेड्डी ने अनंतरामुलू के चित्र पर माल्यार्पण किया और राज्य तथा कांग्रेस पार्टी के लिए उनकी सेवाओं को याद किया। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के विकास में योगदान के लिए मल्लू अनंतरामुलू की प्रशंसा की, जो दो बार नगर कर्नूल के सांसद चुने गए थे। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपदास मुंशी और कांग्रेस नेता रोहिन रेड्डी ने भी अनंतरामुलु को पुष्पांजलि अर्पित की।

नई तकनीक उपलब्ध कराने में कृषि शो की महत्वपूर्ण भूमिका : तुम्मला

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य बागवानी विभाग के सहयोग से तेलंगाना बागवानी अधिकारी संघ और किसान टीम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किसान कृषि शो और तीन दिवसीय "बागवानी फसलों के उत्पादन और मूल्य संवर्धन में नवीन प्रौद्योगिकियां" कार्यशाल का उद्घाटन कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने किया।

इस अवसर पर मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा, इस प्रकार के कृषि शो किसानों को नई तकनीक उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सरकार तेलंगाना राज्य में विभिन्न प्रकार की बागवानी फसलों की खेती के तहत क्षेत्र को बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चला रही है, न केवल विभिन्न प्रकार की बागवानी फसलों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए, बल्कि किसानों की उन्हें विदेशों में निर्यात करने की क्षमता भी बढ़ा रही है। आने वाले दिनों में हम किसानों को फसल उत्पादों के मूल्यवर्धन के लिए गांव स्तर पर विभिन्न प्रकार की बागवानी फसलों की खेती, प्रौद्योगिकियों और खाद्य प्रसंस्करण में नए रुझान अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। बागवानी विभाग और कृषि विभाग के विभिन्न स्तरों के अधिकारियों को समन्वय में काम करना चाहिए और राज्य के किसानों को विकास के पथ पर ले जाना चाहिए और आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए तेलंगाना बागवानी अधिकारी संघ को बधाई दी। कार्यक्रम में कृषि सचिव रघुनंदन राव, तेलंगाना बागवानी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दंड राजी रेड्डी, कृषि निदेशक गोपी, बागवानी अतिरिक्त निदेशक सरोजिनी, संयुक्त निदेशक बाबू शामिल हुए।

तेलंगाना बागवानी अधिकारी संघ के अध्यक्ष चक्रपाणि, उपाध्यक्ष साईं बाबा, सचिव नरसैया, रंगा रेड्डी जिला बागवानी अधिकारी सुरेश और कमला बागवानी अधिकारी ने भाग लिया।

शब्बीर अली ने अमेरिका से भारतीयों को अपमानजनक तरीके से वापस भेजे जाने की निंदा की

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तेलंगाना सरकार के सलाहकार (एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक) मोहम्मद अली शब्बीर ने अमेरिका से 104 भारतीयों को सैन्य विमान से वापस भेजे जाने की कड़ी निंदा की है और इसे "भारत और भारतीयों की गरिमा का अपमान" बताया है। उन्होंने मांग की कि मोदी सरकार इन लोगों को वापस भेजे जाने के तरीके का विरोध करने के लिए तत्काल कार्रवाई करे। शब्बीर अली ने शुक्रवार को गांधी भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 104 भारतीय अप्रवासियों को लेकर एक अमेरिकी सैन्य विमान बुधवार (5 फरवरी) को अमृतसर पहुंचा। डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के तहत अवैध अप्रवासियों पर कार्रवाई के तहत यह पहला ऐसा बैच है जिसे निर्वासित किया गया है। हालांकि निर्वासन अपने आप में आश्चर्यजनक नहीं हो सकता है, लेकिन इन कार्रवाइयों का तरीका और समय भारत के लिए चिंता का एक गंभीर कारण होना चाहिए। उन्होंने बताया कि निर्वासित लोगों को कथित तौर पर पूरी यात्रा के दौरान बेड़ियों में जकड़ा गया था, उनके हाथ और पैर हथकड़ी से बंधे थे और अमृतसर में उतरने के बाद ही उन्हें खोला गया। शब्बीर अली ने कहा, उनके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों किया गया? ये वे लोग हैं जो आजीविका की तलाश में अमेरिका गए थे, आतंकवादी नहीं। अमेरिका ने उनके साथ ऐसा व्यवहार करने की हिम्मत कैसे की? उन्हें नागरिक विमान में क्यों नहीं भेजा गया? यह सरासर अपमान है। कांग्रेस नेता ने इस मुद्दे पर मोदी सरकार की चुप्पी की आलोचना की और विदेश मंत्रालय से कड़ी प्रतिक्रिया की मांग की हमारे नागरिकों की गरिमा के लिए खड़े होने के बजाय, मोदी दिल्ली विधानसभा चुनावों में प्रचार करने में व्यस्त थे। पिछले दिनों, मोदी ने फिर एक बार ट्रंप सरकार का नारा भी दिया था। इससे भारतीयों को क्या हासिल हुआ? केवल अपमान, उन्होंने सवाल किया। शब्बीर अली ने यह भी पूछा कि केंद्र अपने नागरिकों के लिए सम्मानजनक और मानवीय वापसी की व्यवस्था करने में विफल क्यों रहा। उन्होंने आगे कहा कि स्थिति को संभालने में विफल रहने के लिए विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर को बर्खास्त करने की मांग की।

टोल शुल्क : राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रियों के लिए बड़ी राहत

नई दिल्ली/हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार जल्द ही राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलने वाले वाहनों पर लगाए जाने वाले टोल पर यात्रियों के लिए बड़ी राहत की घोषणा करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को लाभ पहुंचाने के लिए एक समान टोल नीति पर काम कर रही है। गडकरी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हमारा शोध पूरा हो चुका है और जल्द ही योजना का खुलासा किया जाएगा। मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार राष्ट्रीय राजमार्गों पर वैश्विक नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) आधारित टोल संग्रह प्रणाली शुरू करने पर काम कर रही है, जो टोल संग्रह के लिए स्थापित किए गए अवरोधों की आवश्यकता को समाप्त कर देगी।

कोयला भारत के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र है : केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी

नई दिल्ली, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने आज नई दिल्ली में कोयला मंत्रालय की प्रगति पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा। उन्होंने कहा कि कोयला क्षेत्र भारत के 2047 विकास लक्ष्यों के प्रमुख घटकों में से एक है और उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में कोयले का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, जबकि कोयला भंडार में यह दुनिया में 5वें स्थान पर है।

किशन रेड्डी ने कहा कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कोयला उपभोक्ता है और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी कोयला खदान देश में गेवेरा है। उन्होंने कहा कि इस साल भारत कोल इंडिया की स्वर्ण जयंती मना रहा है। उन्होंने कहा, कोल इंडिया दुनिया की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी है और कोयला बिजली, स्टील, सीमेंट, एल्युमीनियम, उर्वरक और भारी उद्योगों का एक प्रमुख घटक है। रेड्डी ने कहा कि भारत का 74 प्रतिशत बिजली उत्पादन कोयले से होता है और कहा कि आने वाले दशकों में कोयला एक प्रमुख ईंधन बना रहेगा। कोयले को काला सोना और खाना पकाने के कोयले को काला हीरा कहा जाता है। कोयला देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए सबसे महत्वपूर्ण ईंधन है। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद, विभिन्न क्षेत्रों में सुधार हुए हैं। कोयला क्षेत्र में भी मूलभूत परिवर्तन और क्रांतिकारी सुधार लाए गए हैं। कोयला ब्लॉकों की पारदर्शी तरीके से नीलामी, वाणिज्यिक कोयला खनन, नीति सुधार, कोयला गैसीकरण और प्रौद्योगिकी जैसे कोयला ब्लॉकों के उपयोग में वृद्धि हुई है। भारत की कोयला उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। निर्णय लें.. उनके पारदर्शी कार्यान्वयन के कारण उत्पादन में वृद्धि हुई है। 2023-24 में कोयला उत्पादन 998 मिलियन टन था। 2014 में यह केवल 609 करोड़ कोयला उत्पादन था। रेड्डी ने कहा, कोयला क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ने के बाद प्रतिस्पर्धा बढ़ी है। इसके माध्यम से कई सकारात्मक बदलाव हुए हैं। अब तक पारदर्शी नीलामी के 10 दौर पूरे हो चुके हैं। 184 ब्लॉकों की नीलामी की गई।

निजी स्कूल बस चालक द्वारा नाबालिग लड़की से कथित तौर पर बलात्कार

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके शमशाबाद में एक निजी स्कूल के बस चालक द्वारा छह वर्षीय लड़की का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया। पहली कक्षा में पढ़ने वाली बच्ची को हाल ही में स्कूल बस के चालक संदिग्ध जोसेफ रेड्डी ने स्कूल के समय के बाद बुलाया और कथित तौर पर उसके साथ दुर्व्यवहार किया। खतरे को भांपते हुए, लड़की मौके से भाग गई और घर पहुंचकर अपने माता-पिता को इसकी जानकारी दी। इसके बाद, हल्का तनाव व्याप्त हो गया क्योंकि बच्ची के गुस्साए माता-पिता और एसएफआई और एबीवीपी सहित विभिन्न छात्र संगठनों के सदस्य स्कूल पहुंचे और बस चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

हैदराबाद सिटी पुलिस का राज्य स्तरीय पुलिस खेल प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन

पुलिस आयुक्त ने पदक विजेताओं को सम्मानित किया

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस ने करीमनगर में आयोजित राज्य स्तरीय पुलिस खेल प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। एचसीपी के लगभग 236 पुलिस कर्मियों ने 26 विधाओं में भाग लिया, जिसमें 67 स्वर्ण, 32 रजत और 23 कांस्य पदक के साथ-साथ 9 समग्र चैम्पियनशिप खिताब जीते। हैदराबाद पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने पदक विजेताओं को सम्मानित किया और उन्हें बधाई दी। स्वयं एक खिलाड़ी, श्री आनंद ने व्यस्त पुलिस कर्तव्यों को संतुलित करते हुए खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक समर्पण और कठोर प्रशिक्षण को स्वीकार किया। उन्होंने दबाव में प्रदर्शन करने के लिए आवश्यक मानसिक लचीलेपन पर भी जोर दिया, खासकर फाइनल के दौरान अपने स्कूल और कॉलेज के वर्षों के दौरान एक एथलीट के रूप में अपने स्वयं के अनुभवों को दर्शाते हुए, सीपी आनंद ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे खेल अनुशासन, टीम वर्क और जीवन की चुनौतियों से निपटने की क्षमता विकसित करते हैं। उन्होंने दोहराया कि मजबूत खेल मानसिकता वाले शारीरिक रूप से फिट कर्मी पुलिस सेवा की मांगों को संभालने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित हैं। आगामी अखिल भारतीय पुलिस खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने उन्हें पूर्ण प्रशासनिक सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर एन.भास्कर, एडिशनल डीसीपी (प्रशासन), बी.किश्तय्या, एडिशनल डीसीपी, किशन राव, एसीपी (सीएआर खेल अधिकारी) तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दलबदलू विधायकों को इस्तीफा देकर चुनाव का सामना करना चाहिए : वेंकट रमना रेड्डी

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कामारेड्डी विधायक वेंकट रमना रेड्डी ने आज विधायकों द्वारा पार्टी छोड़ने पर सनसनीखेज टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया कि जो लोग पार्टी छोड़ने की बात कर रहे हैं, वे भी गलत हैं। विधायक ने दावा किया उन्होंने कहा कि अगर राज्य सरकार में हिम्मत है तो उसे दलबदलू विधायकों से अपने पदों से इस्तीफा देने और उपचुनाव का सामना करने के लिए कहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग दल बदलने के बाद अपने विधायक पदों से इस्तीफा देते हैं, उन्हें ही असली नेता कहा जाएगा। उन्होंने विधायकों के दलबदल को गलत फैसला बताया।

विधायक वेंकट रमण रेड्डी ने आरोप लगाया कि राज्य में 40 फीसदी से ज्यादा फसल ऋण माफ नहीं हुए हैं। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा जाति गणना को महज एक राजनीतिक गणित बताया। उन्होंने कहा, पूर्व सीएम केसीआर और सीएम रेवंत रेड्डी की मानसिकता एक जैसी है। भाजपा के पास राज्य सरकार को गिराने की कोई योजना नहीं है? हमारे पास सरकार को गिराने का धैर्य भी नहीं है।

बेवफाई के शक में पति ने पत्नी पर किया हमला

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को चैतन्यपुरी में एक महिला को उसके पति ने उसके घर में घुसकर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। दंपति की पहचान के. वेंकटेश और सुनीता के रूप में हुई है, जो चैतन्यपुरी में रोड नंबर 3, आर.के. पुरम के निवासी हैं।

पुलिस के अनुसार, सुनीता की बेवफाई पर शक करने वाला वेंकटेश अक्सर उससे बहस करता था और उसे मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान करता था। आज बहस के बाद वेंकटेश ने सुनीता का सिर दीवार पर दे मारा, जिससे वह घायल हो गई और बेहोश हो गई। यह मानकर कि सुनीता मर गई है, वेंकटेश सीधे पुलिस स्टेशन गया और घटना के बारे में कबूल किया और पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

एलबी नगर पुलिस और चैतन्यपुरी पुलिस मौके पर पहुंची और पाया कि सुनीता गंभीर रूप से घायल है और उसकी सांसें चल रही हैं। उसे इलाज के लिए ओमनी अस्पताल ले जाया गया। हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर वेंकटेश को हिरासत में ले लिया गया।

जिला कलेक्टर ने ईवीएम गोदाम का दौरा किया

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने शुक्रवार को रंगारेड्डी जिले के राजेंद्र नगर स्थित ईवीएम गोदाम का दौरा किया। नियमित निरीक्षण प्रक्रिया के एक भाग के रूप में एक क्षेत्रीय दौरा आयोजित किया गया। उन्होंने गोदाम पर लगी सीलों का निरीक्षण किया तथा बैलेट यूनिटों, कंट्रोल यूनिटों, वीवीपैट तथा अन्य चुनाव सामग्रियों के भंडारण के तरीके का निरीक्षण किया। ईवीएम गोदाम पर पुलिस सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। जिला कलेक्टर के साथ राजेंद्र नगर के आरडीओ वेंकट रेड्डी, चुनाव विभाग के अधिकारी, संबंधित अधिकारी और अन्य लोग मौजूद थे।

हरीश राव ने गुरुकुलों में फूड पॉइजनिंग के मामलों पर जताया गुस्सा

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और सिद्दीपेट विधायक टी. हरीश राव ने आज कहा कि राज्य के गुरुकुलों में फूड पॉइजनिंग की घटनाओं का सिलसिला दुखद और निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि महबूबाबाद जिले के दामरावांचा आदिवासी गुरुकुल में फूड पॉइजनिंग की घटना और छात्रों का अस्पताल में भर्ती होना इस सरकार की लापरवाही की पराकाष्ठा है। हरीश राव ने सोशल मीडिया पर रेवंत रेड्डी सरकार के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी के एक साल के शासन के दौरान गुरुकुलों में फूड पॉइजनिंग के सैकड़ों मामले दर्ज किए गए। उन्होंने दुख जताया कि सैकड़ों छात्र अस्पताल में भर्ती हुए और दसियों लोगों की जान चली गई।

उन्होंने याद दिलाया कि सीएम रेवंत रेड्डी ने खुद घोषणा की थी कि अगर छात्रों को मिलावटी खाना परोसा गया तो गिरफ्तारी की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम की सख्त चेतावनी के बाद भी गुरुकुलों के अधिकारियों ने अपना रवैया नहीं बदला। हरीश राव ने मांग की कि सरकार अस्पताल में भर्ती छात्रों को बेहतर चिकित्सा उपचार प्रदान करे और खाद्य विषाक्तता के मामलों को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.